पेज 5
काजोल ने शेयर की अपनी तस्वीर

शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

मूल्य : 5/-
15 अप्रैल से 21 अप्रैल, 2024
वर्ष - 2, अंक - 52

पेज 5
ओलंपिक से पहले भारत...

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के हितों की होगी रक्षा

भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र, यूएनएससी में स्थाई सदस्यता दिलाने पर भी जोर

नई दिल्ली। भाजपा के घोषणापत्र में कूटनीति को लेकर भावी सरकार का जो एजेंडा पेश किया गया है वह सरकार की मौजूदा वैश्विक नीति को आगे बढ़ाने के तौर पर ही देखा जा सकता है। पार्टी ने दो टूक कहा है कि वह राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऐसे में हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत के हितों की रक्षा करने के लिए वैश्विक सहयोगियों की मदद लेने, चीन-पाकिस्तान-म्यामांर सीमा पर ढांचागत सुविधाओं के निर्माण के काम को और तेज करना, आतंकवाद के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना, विकासशील व गरीब देशों की वैश्विक मंचों पर आवाज उठाने जैसे काम भारत की कूटनीति का एक अहम हिस्सा रहेगा। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य के तौर पर अपनी मुहिम को भी भारत लगातार तेज करेगा। यूएनएससी में स्थाई सदस्यता के लिए भारत ने हाल के वर्षों में बहुत ही तेजी से लामबंदी शुरू की है। भाजपा की घोषणा पत्र में नेबरहुड पॉलिसी की बात है जिस पर भारत सरकार ने पिछले एक दशक के दौरान काफी जोर दिया है। इसमें कहा गया है कि, उपमहाद्वीप (भारतीय) में एक विश्वसनीय और जवाबदेह साझेदार के तौर पर अपनी भूमिका जारी रखेंगे। साथ ही क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देंगे, स्थिरता व समृद्धि को सुनिश्चित करेंगे।'

क्षेत्रीय सहयोग को लेकर दक्षिण एशिया का संगठन सार्क पिछले आठ वर्षों से मृत प्राय है। सार्क देशों की बैठक वर्ष 2015 के बाद नहीं हुई है। अंतिम बैठक वर्ष 2016 में पाकिस्तान में प्रस्तावित थी लेकिन उसके पहले पठानकोट हमले के बाद भारत व दूसरे सदस्य देशों ने आतंकवाद को समर्थन देने के मुद्दे पर इस बैठक में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

सवाल यह है कि क्या भाजपा अगर सत्ता में वापस आती है तो सार्क को लेकर संभावनाएं फिर से बनती है? भाजपा ने इस बात को चिन्हित किया है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियां चिंता का कारण है। यह भारत सरकार की भी घोषित नीति है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि हम सभी की सुरक्षा व विकास के लिए हिंद प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग जारी रखेगें। इसी तरह से एक सुरक्षा से जुड़े एक अध्याय में कहा गया है कि भारत और हिंद महासागर क्षेत्र के सुरक्षा हितों के लिए मित्र देशों के साथ साझेदारी जारी रखेंगे। यह भी कहा गया है कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति जारी रहेगी।

वर्ष 2016 और वर्ष 2019 में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर किये गये हमलों का जिक्र है कि कैसे भाजपा सरकार देश व इसके नागरिकों के हितों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। इसमें साइबर अपराध को एक गंभीर चुनौती के तौर पर स्वीकार किया गया है और इसके लिए साइबर सुरक्षा नीति लाने की बात कही गई है।

जून में होगा 75 फीट ऊंचे नमस्ते स्टेच्यू का लोकार्पण

वाराणसी। नमो घाट पर निर्मित 75 फीट नमस्ते स्टेचू का जून में लोकार्पण होगा। कांसे से बनने वाला यह स्टेच्यू सूर्य नमस्कार की आकृति का होगा । यह घाट पर बनबे वाला अब चौथा स्टेचू होगा । जिसे मूर्तरूप देने में सैकडों कारीगर और मजदूर लगाये गये है । इसे देखने वालो की जहां भीड हो रही हैं, वही सेल्फी लेने के लिए अब लोग काफी बेकरार है। धर्म और सांस्कृतिक नगरी काशी सदैव लोगों के लिए यादगार रहा है। जहां की जमीन पर पैदा होना ही लोगों के लिए सौभ्याग की बात है,वही मृत्यु के बाद उसकी मिट्टी में अंतिम संस्कार होना भी यादगार है। काशी में नमों घाट सैलानियो और पर्यटको के लिए बहुत खूबसूरत पर्यटक स्थल है। जहां गंगा घाटों की छटा को निहारने हेतु लोगो का यहां आना लगा है, वही पत्थर की बनी स्टेच्यू को देखने के लिए भीड़ भी लग रही है। यादे सिमटने और सेल्फी लेने की होड मची है। नमो घाट पर इन दिनों 75 फीट ऊंचा नमस्ते स्टेचू का निर्माण हो रहा है।

चंदौली में गुरु के सामने मत्था टेक संगत ने किया अरदास

रिम्मी कौर

चंदौली। मुगलसराय के जीटी रोड स्थित गुरुद्वारा में हर साल की तरह इस साल भी बैसाखी का महापर्व का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं समूह साध संगत की ओर से विभिन्न तरह की व्यवस्थाएं की गईं थीं। इस अवसर पर कथावाचक भाई गुरजिंदर सिंह और रागी जत्था भाई बलप्रीत सिंह (लुधियाना वाले) ने अपनी गुरुवाणी से सबद-कीर्तन कर संगतों को निहाल किया। इसके उपरांत गुरु का अटूट लंगर भी वितरित किया गया।

संगत ने गुरु ग्रंथ साहिब के सामने मत्था टेका और अरदास की। जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहे गुरु जी दा खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के उद्घोष से क्षेत्र गुंजायमान रहा। तीन दिन से चल रहे अखंड पाठ का शनिवार की सुबह समापन हुआ। जत्थे ने गुरुवाणी का पाठ व सबद-कीर्तन करते हुए गुरु के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

सतनाम सिंह ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह ने समाज के दबे-कुचले और वर्षों से सताए जा रहे लोगों में जुल्म के खिलाफ शक्ति पैदा की थी। इसके लिए बैसाखी पर पूरे देश में संदेश भेजकर सिखों को आनंदपुर साहिब बुलवाया था। अंतिम परीक्षा के लिए भरे दीवान में पांच शीश की मांग की गई। इसके बाद ही धर्म की रक्षा और जात-पात के भेदभाव मिटाने के लिए पंच प्यारे की स्थापना हुई। पुरुषों के नाम में सिंह और महिलाओं के नाम के आगे कौर लगाने की आज्ञा दी। उनके डर को समाप्त कर नया हौसला दिया। दोपहर बाद अटूट लंगर की शुरूआत हुई। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

40 दिन में महज 100 मीटर ही बना पाथवे

कार्यदायी एजेंसी के आंख मूंदने से ठेकेदार की मनमानी

वाराणसी। गिलट बाजार स्थित पत्रकारपुरम कॉलोनी में इन दिनों नाली और पाथवे बनाने का काम चल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस काम में हाथ लगे 40 दिन से अधिक का समय बीत चुका है और महज 100 मीटर ही पाथवे बन पाया होगा। कार्यदायी एजेंसी के आंख बंद रखने के कारण ठेकेदार की मनमानी से कॉलोनी के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पत्रकारपुरम कॉलोनी में नाली और पाथवे बनाने के प्रथम चरण में जो कार्य हुए हैं। वे भी आधा-अधूरा हुआ था। शेष बचे कार्य को पूरा करने के लिए दूसरे चरण में मार्च के शुरुआत दौर में ही नाली और पाथवे बनाने का काम शुरू हुआ। कार्यदायी एजेंसी ने इसके लिए ठेकेदार नियुक्त किया। लेकिन नौ दिन चले ढाई कोस कहावत को चरितार्थ करते हुए ठेकेदार के मजदूर धीमी गति से काम कर रहे हैं। नतीजा यह है कि इस भीषण गर्मी में उड़ती धूल, बालू और गंदगी से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। सड़क पर फैली गिट्टियां, बालू और नाली व पाथवे बनाने के सामान से राह चलना दूभर हो गया है। एक दिन काम होता है तो तीन-चार दिन या कभी-कभी सप्ताह भर काम बंद रहता है। कॉलोनीवासियों ने मंडलायुक्त और जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए काम में तेजी लाने का अनुरोध किया है।

नए सत्र से मनोवैज्ञानिक कल्याण सेवा शुरू होगी

आवश्यकताओं के मद्देनजर सहयोग उपलब्ध कराना है मकसद

गुड न्यूज

मनोविज्ञान अध्ययन की पृष्ठभूमि वाले 15 सर्वपल्ली राधाकृष्णन इंटर्स को दिया जा रहा 90 दिन का प्रशिक्षण

वाराणसी। विद्यार्थियों व कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने अपने सदस्यों के शैक्षणिक, पेशेवर विकास, तथा मनोवैज्ञानिक कल्याण की दिशा में अनेक नई पहल की है। बीएचयू द्वारा विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के मनोवैज्ञानिक कल्याण को काफी वरीयता दी जा रही है, जो उनके विकास तथा संस्थान की उन्नति में एक अहम पहलू है। इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए बीएचयू में नए शैक्षणिक सत्र से चरणबद्ध रूप में अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए मनोवैज्ञानिक कल्याण सेवा की शुरूआत करने जा रहा है।

इस संबंध में एक योजना तैयार की गई है। योजना के अंतर्गत मनोविज्ञान के उन 15 विद्यार्थियों को 90 दिन का पेशेवर प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो सर्वपल्ली राधा कृष्णन योजना के तहत इंटर्न के रूप में चयनित हुए हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में 15 दिन का

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को कुशल काउंसलर के रूप में तैयार करेगा, जिससे वे आवश्यक मार्गदर्शन व दिशा उपलब्ध कराने में सक्षम हो पाएंगे। यह प्रशिक्षण मनोवैज्ञानिक स्व-जागरूकता के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के लिए कार्य कर रही संस्था मानस- द इनसाइड स्टोरी के कुशल व पेशेवर प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मनोवैज्ञानिक कल्याण सेवा के प्रभावी व कुशल संचालन के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न पक्षों से अवगत कराया जा रहा है। यह सेवा छात्र अधिष्ठाता कार्यालय के माध्यम से संचालित होगी।

छात्र अधिष्ठाता, प्रो. अनुपम कुमार नेमा ने कहा कि वर्तमान में समाज में अनेक तरह की मनौवैज्ञानिक दुविधाएं हैं, जो युवाओं को चिंतित करती हैं और उनके मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकती हैं। बड़ी संख्या में ऐसे युवा हैं, जिनके पास इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक माध्यम व साधन उपलब्ध नहीं होते। बीएचयू में मनोवैज्ञानिक कल्याण सेवा का आरंभ होना इस दिशा में महत्वपूर्ण व दीर्घकालिक लाभ का कदम साबित होगा।

निःशुल्क कोचिंग चलाएगा बंगीय समाज

वाराणसी। पिछले तीन दशकों से बंगीय समाज वाराणसी बीएचयू में स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए नि:शुल्क कोचिंग क्लास चला रहा है। अबकी साल भी यह व्यवस्था की गयी है। इसके तहत बंगाली टोला इंटर कॉलेज परिसर में 15 अप्रैल से सायं साढ़े छह बजे से रात 10 बजे तक नि:शुल्क कोचिंग क्लास चलाया जाएगा। सचिव देवाशीष दास ने बताया कि चालू वर्ष में जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा की परीक्षा दे चुके हैं या 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं और स्नातक कक्षा में किसी कारणवश प्रवेश नहीं हो पाया है, उनके लिए भी नि:शुल्क कोचिंग क्लास की व्यवस्था की गई है। इस कोचिंग क्लास में जो भी विद्यार्थी प्रवेश लेना चाहते हैं। वे किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए उनसे सम्पर्क कर सकते हैं।

आप गंगा पुत्र तो मैं हूं शिखंडी: हिमांगी सखी

बोलीं किन्नर महामंडलेश्वर, अर्द्धनारीश्वर को कभी निराश नहीं करेंगे काशीवासी

शौर्य न्यूज इंडिया

वाराणसी। लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी शुक्रवार को वाराणसी पहुंचीं। उन्होंने पूर्वांचल की हॉट सीट कहे जाने वाले वाराणसी लोकसभा से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसी सिलसिले में वह शुक्रवार को वाराणसी पहुंचीं।

मीडिया कर्मियों से बातचीत में हिमांगी सखी ने प्रधानमंत्री मोदी के गंगापुत्र वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि आप यदि गंगा पुत्र हैं तो मैं शिखंडी हूं। आप आएं और नतमस्तक हों, इस अर्द्धनारीश्वर के सामने। हमारे शंखनाद को स्वीकार करें। कहा कि मुझे काशी पर भरोसा है कि वह कभी अर्द्धनारीश्वर को निराश नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा कि काशीवासी शिव के गण हैं और शिवगणों की सेवा करने अर्द्धनारीश्वर आई हैं। कहा कि हम काशी से चुनाव लड़कर किन्नर समाज के हक के बारे में बात करेंगे। सरकार ने 10 वर्षों में हमारे समाज के बारे में नहीं सोचा। हम इसी लिए शंखनाद करेंगे कि हम

गरमाई सियासत

अखिल भारतीय हिंदू महा सभा ने वाराणसी संसदीय सीट से बनाया है उम्मीदवार

संसद में बैठकर किन्नर समाज के बारे में बात कर सकें। भगवान शिव की नगरी काशी से एक अर्द्धनारीश्वर शंखनाद कर रही है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने सोचा है कि इस बार मिलकर किन्नर समाज के उत्थान के लिए काम करेंगे। क्योंकि इस बार हमें अपनी आवाज संसद तक पहुंचानी है। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी सरकार ने बीते 10 वर्षों में किन्नर समाज के लिए एक भी सीट आरक्षित नहीं की इसीलिए अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने किन्नर समाज के लिए अपने द्वार खोल दिए, जिससे कि किन्नर समाज चुनावी मैदान में उतरकर अपने हक की बात करे।

भविष्य के लिए मतदान कर लोकतंत्र को करें मजबूत: डीएम रविन्द्र

जौनपुर। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चल रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत शुक्रवार को टीडी डिग्री कालेज के बलरामपुर सभागार में निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कालेज की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मतदाताओं को जागरुक व प्रेरित करने के लिए छात्राओं ने मतदाता जागरूकता गीत व नाटक प्रस्तुत किया तथा मतदाता जागरूकता थीम पर स्लोगन व पोस्टर बनाकर सभी को मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया। प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कालेज के माध्यम से चलाये जा रहे स्वीप गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले छात्र-छात्राओं से कहा कि अपने मताधिकार का प्रयोग उत्साह पूर्वक करे। सभी छात्र-छात्राओं का नैतिक दायित्व है कि वे मतदान करने को प्रेरित करें।

शौर्य न्यूज इंडिया
15 अप्रैल से 21 अप्रैल, 2024

चोरों ने लाखों का आभूषण व नगदी चुराया, केस

शहाबगंज। थाना क्षेत्र के कनेरा गांव में छत के रास्ते घूंसे चोरों ने लाखों रुपए के आभूषण के साथ डेढ़ लाख रुपए चुरा ले गए। सुबह जानकारी होने पर भुक्तभोगी ने चोरी की घटना की सूचना पुलिस को दिया। वही घर में बड़ी चोरी हो जाने परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। गांव निवासी झलमल पीआरडी के जवान है। वही गांव के कोटे की दूकान का संचालन भी करते हैं। बुधवार की शाम को परिजन खाना खाकर शो गये। वही झलमल भी रात के एक बजे बगल के गांव से तिलक कार्यक्रम से घर लौटे थे। उस समय तक सभी कुछ ठीक ठाक था। उनके भाई होरी लाल गुरुवार की भोर में उठे तो देखा उनके रुम का दरवाजा बाहर से बंद है।

इस पर उन्होंने फोन कर घर के अन्य लोगों को जगाया तो देखा आंगन में सामान बिखरा पड़ा है। किसी अनहोनी के डर से जांच-पड़ताल किया गया तो देखा गया एक अटैची,तीन बक्सा व एक ट्राली बैग गायब है। ग्रामीणों के सहयोग से खोजबीन शुरू हुआ तो घर से लगभग दो सौ मीटर दूर गेंहू के खेत में सारे बक्से बरामद हुए। लेकिन उसमें रखा। सोने की सिकड़ी,सोने की अंगूठी, सोने का मंगलसूत्र, चांदी की घायल,करथनी सहित अन्य सामान चुरा ले गए। जिनकी कीमत लगभग चार लाख रुपए है। वही अटैची में रखा डेढ़ लाख रुपए नगद भी चुरा ले गये। जबकि भुक्तभोगी ने बताया कि अपनी बेटी की शादी की तैयारी को देखते हुए आभूषण बनवाया रखा था। वही घर की छत की ढलाई के लिए नगद रुपया रखा हुआ था। हौशला बुलंद चोरों द्वारा इतनी बड़ी चोरी करने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। भुक्तभोगी ने चोरी की लिखित तहरीर थाने पर दिया। थाना अध्यक्ष मिर्जा रिजवान बेग ने बताया कि चोरी की घटना की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच कर उचित कार्रवाई जायेगी।

महिला के गले से सोने का चेन उड़ाया

पड़ाव। स्थानीय चौराहे पर उचक्का गिरी का गैंग सक्रिय है जलीलपुर चौकी अंतर्गत उच्चक्को ने एक महिला के गले से सोने का चेन उड़ा दिये रामनगर निवासी रेखा देवी के कुछ रिश्तेदार बहादुरपुर और अलीनगर मे तड़वाबीर बाबा मंदिर मे पूजा पाठ का आयोजन किया था। और रेखा देवी भी उस पूजा मे सम्मलित होने के लिए रामनगर से ऑटो मे बैठ कर लगभग स्थानीय चौराहे पर आयी और तड़वाबीर बाबा मंदिर पर जाने के लिए मुगलसराय वाले रोड से ऑटो पकड़ने के रुकी तभी एक ऑटो मे बैठी कुछ ही समय मे तीन औरत और छोटी लड़की भी उस ऑटो मे आकर बैठ गई,रेखा देवी के साथ दो महिला और वह छोटी लड़की पीछे वाले सीट पर बैठ गई और एक महिला आगे वाली सीट पर बैठ गई। ऑटो चालक ने मंदिर से पहले ही रेखा देवी को उतार कर बिना किराया लिए ही मुगलसराय की तरफ चला गया। और महिला जब ऑटो से नीचे उतर कर देखा तों उसके गले से सोने का चेन लगभग अनुमानित कीमत एक लाख गायब था।

चैत्र नवरात्र के चौथे दिन पूजी गईं मां कुष्मांडा

डीडीयू नगर। शक्ति उपासना का महापर्व चैत्र नवरात्र के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा अर्चना हुई। घरों में विधि विधान से पूजा कर दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। वहीं देवी मंदिरों पर महिलाओं ने शाम के वक्त ढोल, झाल, हारमोनियम पर देवी गीत सुनाए और भजन कीर्तन किए। नगर के कैलाशपुरी, नई बस्ती, रविनगर, जीटी रोड, शाहकुटी, न्यू महाल, काली महाल, गल्ला मंडी, एलबीएस कटरा चतुर्भुजपुर, आरपीएफ कॉलोनी, गया कालोनी सहित विभिन्न इलाकों में देवी मंदिरों पर सुबह से ही दर्शन पूजन करने वालों की कतार लगी। भक्तों ने जयकारे के बीच मां की विधि विधान से पूजा अर्चना की और अभीष्ट की कामना की। वहीं घरों में स्थापित कलश में मां कुष्मांडा का आह्वान कर पूजा किया। घरो में दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा, विंध्यवासिनी चालीसा आदि का पाठ किया। शाम के वक्त महिलाएं देवी मंदिरों पर पहुंची और भजन कीर्तन किया।

संक्षेप समाचार...

ट्रेनों के परिचालन में किया अस्थायी बदलाव

डीडीयू नगर। भुसावल मंडल के जलगांव–मनमाड़ रेलखंड के बीच तीसरी लाइन की कमीशनिंग के मद्देनजर चालीसगांव स्टेशन के यार्ड रिमॉडलिंग कार्य हेतु 16 अप्रैल तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के फलस्वरूप पूर्व मध्य रेल से खुलने अथवा गुजरने वाली ट्रेनों में अस्थायी बदलाव किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल को पाटलिपुत्र से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12142 पाटलिपुत्र–लोकमान्यतिलक टर्मिनस एक्सप्रेस जलगांव–उधना–वसई रोड के रास्ते चलायी जाएगी। 14 अप्रैल को डिब्रूगढ़ से खुलने वाली गाड़ी संख्या 15946 डिब्रूगढ़–लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 01 घंटा 40 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत निकाली रैली

चहनियां। स्थित खंडवारी देवी इंटर कालेज से प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत छात्र छात्राओं ने पूरे कस्बे में रैली निकाली गयी। कालेज के मुख्य गेट से खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ0 राजेश चतुर्वेदी व प्रधानाचार्य ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में भ्रमण करते हुए विभिन्न नारो के साथ लोगों से शत प्रतिशत मतदान करने की अपील किया गया। हरी झंडी दिखाते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ0 राजेश चतुर्वेदी ने कहा कि शत प्रतिशत मतदान करने से जहां लोकतंत्र मजबूत होगा। वही सम्पूर्ण भारत उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा। हमे अपने मतदान का सही उपयोग करना चाहिए। प्रधानाचार्य व प्रबंध निदेशक डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह कैलाशी ने कहा कि हम बिना लालच, मोह के मतदान करेंगे। सभी लोग मतदान करने अपने बूथ पर जरूर जायेंगे और मजबूत लोकतंत्र लायेंगे। इस दौरान सुनील सिंह, सचिन सिंह, प्रदीप कुमार, शिवव्रत सिंह यादव, मुरलीधर पाण्डेय सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

अर्धसैनिक बल व पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

शहाबगंज। लोकसभा चुनाव को देखते हुए सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने व चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए केंद्रीय पैरामिलिट्री फोर्स व पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक मिर्जा रिजवान बेग के नेतृत्व में स्थानीय कस्बा में शुक्रवार को फ्लैग मार्च किया। संयुक्त बल ने घनी आबादी से गुजरते हुए असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश दिया कि चुनाव प्रभावित करने का प्रयास किया तो खैर नहीं। साथ ही आमजन को यह विश्वास दिलाया कि निडर होकर मतदान करें। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य है कि आम लोग भयमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल में मतदान कर सकें इन्होंने जनता से अपील किया कि शासन के नियमों का पालन कर शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में कार्य करें और पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता के साथ हमेशा खड़ी है। संदिग्ध लोगों के दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। फ्लैग मार्च में एसआई अनिल सिंह,एस आई सुरेन्द्र मिश्र,एसआई त्रिभुवन राम,रामचन्द्र साही,कॉन्स्टेबल शब्बीर,दीपक आदि शामिल थे।

सड़क पर गिट्टी डालकर छोड़ने से लोग परेशान

चहनियां। सुरतापुर में अधिकारीयो द्वारा दो मार्गो को जोड़ने वाले मार्ग पर गिट्टी डालकर विगत एक माह पूर्व छोड़ दिया गया है। राहगीरों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे लेकर लोगो मे आक्रोश ब्याप्त है। धानापुर वाया चहनियां व रमौली वाया शहीद गांव को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर विभागीय अधिकारीयो द्वारा विगत एक माह पूर्व गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। जिसे बनाने की जरूरत नही समझी गयी। आने जाने वाले लोग गिरकर चोटहिल हो रहे है। इस मार्ग से स्कूली बच्चे भी आते जाते है। ग्रामीणो का कहना है कि मार्ग बनाने के लिए ठेकेदारों ने विगत एक माह पूर्व गिट्टी डालकर छोड़ दिये। प्रतिदिन ग्रामीणो को इस पर आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विभागीय अधिकारीयो को अवगत कराने के बाद भी इसे बनवाने की जरूरत नही समझी गयी।

केबल अलग नही किया गया तो होगी समस्या

चहनियां। विगत कई वर्षों से झेल रहे समस्या को बार भी सुरतापुर से केबल को अलग नही किया गया। इस बार फिर गर्मी में लोगो को बिजली रुलायेगी। तीनो विद्युत उपकेंद्र के लिए अलग अलग केबल करने के लिए सुरतापुर में केंद्रीय मंत्री को पत्रक भी दिया है। विभाग द्वारा प्रस्ताव भेज भी दिया गया है। चहनियां क्षेत्र में बिजलीं की समस्या को लेकर विगत कई वर्षों से ग्रामीण झेल रहे है। जो कि इस बार भी गर्मी में ग्रामीणों को बिजलीं को लेकर झेलना पड़ेगा।

हर वर्ष गर्मी में मई के अंतिम महीने में जब भीषण गर्मी पड़ती है तो तीनों विद्युत उपकेंद्रों चहनियां, सुरतापुर व मारूफपुर से जुड़े कस्बा ,बाजारों व गांवो में हर फीडर को दो घण्टे या चार घण्टे बन्द कर करके दूसरे फीडर को सप्लाई दी जाती है। यह क्रिया लगभग हर फीडरों के साथ किया जाता है। ऐसे में एक फीडर को ओवरलोड में हर बार दो या चार घण्टे सप्लाई बंद करना पड़ता है।

वासंतिक नवरात्र के चौथे दिन महिलाओं ने मां कुष्मांडा देवी किया दर्शन-पूजन

मां कुष्मांडा देवी का दर्शन कर भक्त हुए निहाल लगाया जयकारा

सकलडीहा। बासंतिक नवरात्र के चौथे दिन मां कुष्मांडा देवी का कस्बा के काली माता मंदिर और दुर्गा मंदिर सहित आसपास के मंदिर में महिलाओं ने भव्य दर्शन पूजन किया।

इस मौके पर सुबह से शाम तक महिलाओं की भीड़ लगी रही। मंदिर के पुजारी सभी महिला और भक्तों को प्रसाद वितरण किया। कस्बा के दुर्गा मंदिर और काली माता मंदिर पर मां की विभिन्न रूपों की झांकी सजायी जाती है। चौथे दिन मां कुष्मांडा देवी की आकर्षक रूप से झांकी सजाया गया था। भक्तों का मानना है कि मां कुष्मांडा के दर्शन से भगवान प्रसन्न होते है। मंदिर के पुजारी रामजनम चौबे व दीक्षा चौबे ने बताया कि मां कुष्मांडा सहित मां की नौ रूपों की दर्शन पूजन करने से सभी कष्टों का हरण होता है। वही कस्बा के काली माता मंदिर, सम्मे माता मंदिर और नागेपुर स्थित दुर्गा मंदिर व काली मंदिर पर सुबह से ही महिलाओं का दर्शन पूजन के लिये भीड़ जुटी रही। काली मंदिर के पुजारी मुरलधरी पांडेय आने जाने वाले भक्तों को प्रसाद वितरण करते रहे।

हनुमान मंदिर स्थापना को लेकर भक्त ने अन्न का किया त्याग : नागेपुर स्थित हनुमान मंदिर की स्थापना को लेकर भक्त महेन्द्र यादव ने अन्न का त्याग कर मंदिर स्थापना में जुटे हुए है। मंदिर के स्थापना को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया है। भक्त महेन्द्र यादव ने बताया कि मंदिर के स्थापना कार्य पूरा होने तक घर और अन्न का त्याग किया है। मंदिर के स्थापना से प्रतिदिन भक्तों के साथ श्रीराम का जयकारा होगा।

भारतीय नव वर्ष की संध्या पर हुई गंगा आरती

चहनियां। पतित पावनी, मोक्षदायिनी माँ भागीरथी के तट बलुआ स्थित पश्चिम वाहिनी गंगा तट पर गंगा सेवा समिति बलुआ के द्वारा मंगलवार की देर शाम को नवरात्रि व भारतीय नव वर्ष के अवसर पर विशेष भव्य गंगा आरती श्रृंगार हुई। माँ गंगा की आरती के पश्चात सभी गंगा सेवकों ने हर हर महादेव और हर हर गंगे के नारों से उद्घोष करते हुए माँ गंगा मे किसी भी प्रकार की गंदगी नही करेंगे यह संकल्प लेते हुए शपथ लिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय नव वर्ष व नवरात्रि के पहले दिन देर शाम को गंगा सेवा समिति द्वारा भव्य गंगा आरती हुई। भारतीय नव वर्ष की परंपरा को जिंदा रखते हुए आरती के पश्चात एक दूसरे को बधाई दिया। वही देर रात तक चले गोष्ठी के माध्यम से गंगा को स्वच्छ रखने पर चर्चा किया। समिति के अध्यक्ष दीपक जायसवाल ने बताया की दर्शन करने वालों लोगों का गंगा कल्याण करती है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है। की हमें आने वाले पीढ़ियों के लिए गंगा का संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी बनती है। इन्हें स्वच्छ रखना हम सबकी की जिम्मेदारी बनती है। इस दौरान राजेश साहनी, बृजेश साहनी, अशोक मोन्दनवल, राजेश सोनकर, मनीष कुमार, बिपिन कुमार, धीरज मोदनवाल, अजीत, अंकित, कल्लू, रवि, बहादुर सोनकर आदि लोग उपस्थित थे।

अधिकारियों के साथ मनरेगा कार्य का किया निरीक्षण

अगहर वीर बहुरिया नदी को अस्तित्व में लाने के लिये जुटे मनरेगा कर्मी

सकलडीहा। विकास खण्ड के दिघवट ग्राम पंचायत स्थित रायल ताल से निकली अगहर वीर बहुरिया नदी का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसको लेकर कार्य भी शुरू कर दिया गया है। सैकड़ों की संख्या में लगे मनरेगा मजदूर इस कार्य को तेजी से कर रहे है। शुक्रवार को डीसी मनरेगा रविन्द्र चतुर्वेदी ने कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गुंडवत्तापूर्ण कार्य को लेकर दिशा निर्देश दिया। बीडीओ केके सिंह ने बताया कि सकलडीहा विकास खण्ड में अगहर वीर बहुरिया नदी काफी प्राचीन है। यह सकलडीहा के दिघवट,कटसिल, नोनार, महेसुआ, नागनपुर गांव से होते हुए लगभग 15 किलोमीटर में गुजरी है। इस नदी का अस्तित्व बना रहे। इसको लेकर ब्लाक प्रशासन के प्रस्ताव पर शासन ने स्वीकृत दी है। जिसके तहत ग्राम पंचायत मनरेगा से वह सभी गांव जीर्णोद्धार का कार्य कराएंगे जिस गांव से यह नदी गुजरी है। इस कार्य के लिए धन भी आवंटित कर दिया गया है। दिघवट ग्राम पंचायत में इसके लिए 37.94 लाख का बजट है। कार्य पारदर्शी व गुणवत्तापूर्ण हो इसके लिए डीसी मनरेगा रविन्द्र चतुर्वेदी मौके पर पहुँच निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य को तय समय मे पूर्ण करने की बात कही। कार्य मे लगे भारी संख्या में मजदूरों को देखकर उन्होंने संतोष जताया। इस दौरान बीडीओ केके सिंह,ग्राम प्रधान रामसूरत राजभर सहित अन्य अधिकार व ग्रामीण रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवती की मौत परिजनों में कोहराम

चंदौली। नगर स्थित साहू जी पोखर के समीप शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई। घटना को देख आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी घटना स्थल पर पहुंचे कस्बा चौकी इंचार्ज शिवबाबू यादव ने युवती के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही युवती की शिनाख्त कर परिजनों को सूचित किया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। लोग रोते बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। बताते हैं कि सदर कोतवाली क्षेत्र के नेगुरा गांव निवासी मोहम्मद हबीब की 20 वर्षी पुत्री साफिया बानो घर से अपने स्कूल से पढ़ने के बाद साहू जी के पोखर की तरफ से चंदौली स्थित आवास पर अपने मौसी के घर जा रही थी। जैसे ही वो रेलवे लाइन क्रॉस कर रही थी। इसी बीच सफिया तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गई। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिसको देख आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस दी। घटनास्थल पर पहुंचे कस्बा इंचार्ज शिव बाबू यादव ने तत्काल युवती के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बाबत कस्बा इंचार्ज शिव यादव बाबू ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से युवती की मौत हो गई है। शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बेसिक सुरक्षा जांच अभियान जारी

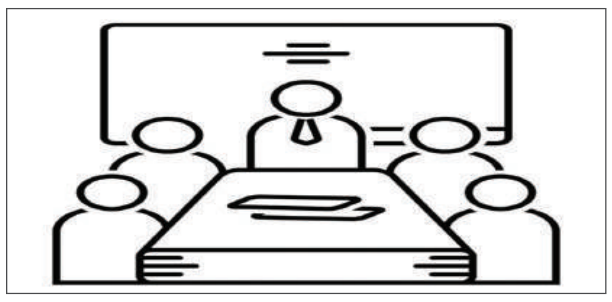

चंदौली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन द्वारा घरेलू एलपीजी सुरक्षा को देखते हुए एक अप्रैल से सम्पूर्ण भारत में बेसिक सेफ्टी चेक (सुरक्षा जांच) अभियान शुरू कर दिया है। जिसके अंतर्गत इंडेन एजेंसी के डिलीवरी मैन द्वारा ग्राहकों के घर जाकर एल.पी.जी. गैस कनेक्शन की निःशुल्क सम्पूर्ण जाँच करेंगे। जिसमें डिलीवरी मैन द्वारा ग्राहक के घर का सिलेंडर, चूल्हा, कनेक्शन, गैस पाइप और रेगुलेटर की जाँच करेंगे। यदि गैस कनेक्शन पाइप पाँच वर्ष पुराना हो गया हो या कोई असुरक्षित रबर पाइप लगा है या फिर पाइप में कोई दरार हो तो उसे डिलीवरी मैन द्वारा बदला जाता है। जिसको ग्राहक द्वारा 150 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। यह सुरक्षा पाइप लोकल मार्केट में मिलने वाले रबर पाइप से अलग होगा क्योंकि इसमें लोहे की जालीदार परत लगी होगी जिसे चूहे द्वारा नहीं काटा जा सकता और साथ-साथ इसमें दरारें आने की संभावना भी नहीं रहेगी। यह पाइप सामान्य दिनों में 190 रुपये की मिलती है। लेकिन कॉरपोरेशन द्वारा ग्राहकों को 150 में ही उपलब्ध कराया जा रहा है। उपर्युक्त सभी जानकारी देते हुए एलपीजी सेल्स मैनेजर हर्षद दास ने ग्राहक जाँच अभियान में सहयोग का आह्वान किया।

कहा कि यदि पाइप 5 साल पुराना हो गया हो तो उसे अवश्य बदलवा लें ताकि किसी अप्रिय होने वाली घटना को टाला जा सके तथा ग्राहक सुरक्षित रहे। इसके साथ ही साथ एलपीजी वितरक से ही गैस रिफिल प्राप्त करें किसी अन्य गैर जिम्मेदार व्यक्ति से गैस न लें। गैस रिफिल बुकिंग के लिए टोल फ्री नम्बर पर मिस कॉल करें या कम्पनी के नम्बर पर व्हाट्सएप करें या इंडियन ऑयल के मोबाइल एप्लीकेशन द्वारा भी बुकिंग की जा सकती है।

इसके अलावा उपभोक्ता एल.पी.जी. लीकेज की संभावना में तत्काल 1906 नंबर कर कॉल करें, दो घण्टे के भीतर अटेंड कर समस्या का समाधान किया जाएगा। अन्य किसी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। यह जानकारी इंडियन आयल के सेल्स मैनेजर हर्षद दास ने दिया है।

पूर्व विधायक ने दी ईद उल फितर की बधाई

शहाबगंज। आपसी भाईचारे प्रेम और सौहार्द का पर्व ईद उल फितर पर क्षेत्र के अमरसीपुर ईदगाह तथा विभन्न गाँव में स्थित मस्जिदों में बड़ी संख्या में पहुंचे नमाजियों ने गुरुवार को ईद की नमाज अदा की। इस दौरान थाना प्रभारी मिर्जा रिजवान बेग के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था संभाले रखी।

इस दौरान नमाजियों द्वारा देश में अमन चैन कायम रखने के लिए अल्लाह से दुआ मांगी गई। ईद की नमाज अदा करने के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर दी ईद की बधाईयां दी। रमजान के पूरे 30 दिन के बाद आए ईद के पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में खुशी है। हर्षोल्लास के साथ-साथ उत्साह के वातावरण में लोगों द्वारा ईद मनाई जा रही है। देर शाम तक बधाइयां देने का दौर चलता रहा।हिन्दू भाइयों ने भी मुस्लिम भाइयों के गले मिलकर ईद की बधाई दी। सपा नेता व पूर्व विधायक जितेन्द्र कुमार एड बड़गावां गांव में पहुंच कर लोगों को ईद की बधाई दी।

भाजपा चुनाव संचालन समिति की बैठक आयोजित

डीडीयू नगर। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा मुगलसराय के चुनाव संचालन समिति की बैठक सुभाष नगर स्थित लॉन में हुई। आयोजित बैठक में वरिष्ठजनों सहित चुनाव संचालन समिति के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहें । बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए भाजपा ने चतुर्दिक विकास किया है। जिम्मेदार कार्यकताओं ने मेरा बूथ सबसे मजबूत योजना को धरातल पर उतारा है। जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि विभिन्न अभियानों के माध्यम से हमें जन जन तक पहुंचाना है। राज्यसभा सांसद साधना सिंह, लोकसभा चुनाव संयोजक सर्वेश, भानु प्रताप सिंह, शमशेर बहादुर सिंह,राणा प्रताप सिंह, विधायक रमेश, अनुज शर्मा, शिवशंकर पटेल, विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवकुमार,अनिल गुप्ता, जैनेन्द्र राम, किरन शर्मा, आशीष गुप्ता, सुधीर आदि रहे।

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार सात लोग हुए घायल, पहुंची पुलिस

कलकत्ता से सुल्तानपुर जा रहा था परिवार एसपी आवास के समीप हुई घटना

चंदौली। मुख्यालय स्थिति एसपी आवास के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार इनोवा कार अगला टायर ब्लास्ट कर गया। जिसमें कार अनियंत्रित हो कर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठे सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुची पुलिस व एनएचएआई की टीम ने एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहा एक कि हालत चिंताजनक देख चिकित्सकों ने वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

बताते हैं कि सुल्तानपुर निवासी संदीप मिश्रा 56 वर्ष कलकत्ता से अपने परिवार को इनोवा कार से लेकर सुल्तानपुर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार एसपी आवास के पास पहुचा की उसका अगला टायर ब्लास्ट कर गया। जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। और कार पूरी तरह छतिग्रस्त हो गई। घटना में कार में सवार संजय मिश्रा वर्ष 45 वर्ष सुजल मिश्रा 30 वर्ष किरण मिश्रा 35 वर्ष सृष्टि मिश्रा 16 वर्ष व दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुची पुलिस ने सभी को एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने संदीप मिश्रा की हालत चिंताजनक देख ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। अन्य सभी की प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया। इस बाबत सदर कोतवाल गगन राज सिंह ने बताया कि अनियंत्रित कार पलटने से 7 लोग घायल हो गए एक की हालत गंभीर देखते हुए उसे वाराणसी ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया गया है। अन्य सभी सुरक्षित है।

गेहूं आगजनी के पीड़ितों से मिले सूर्यमुनी तिवारी

सकलडीहा। विगत दिवस गंजबसनी निवासी आधे दर्जन किसानों की गेंहू की खड़ी फसल में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। जिससे किसानों की लगभग 15 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आगजनी से पीड़ित किसानों से भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी तिवारी ने मिलकर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी ने आश्वासन दिया। कहा कि सरकार ऐसी घटनाओं के प्रति संवेदनशील है। सरकार पूरी ततपरता ईमानदारी से पीड़ित परिजनों के मदद का काम कर रही है। हम सब पीड़ित परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर संभव मदद करेगे। इस घटना में जो भी लाभ परिजनों को मिलने वाला है। उसके लिए जिला प्रशासन व तहसील प्रशासन पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है।

मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। घटना को देखते हुए आस पास के लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को उठाकर कोतवाली ले आई और आगे की कार्यवाही में जुट गई।

दरअसल खगवल गांव के समीप कोड़िरिया गांव का एक युवक अपनी बाइक खड़ा कर दिया था। उसी रास्ते से बर्थरा गांव निवासी हरेंद्र अपनी ऑटो लेकर जा रहा था। इस पर ऑटो चालक ने युवक से बाइक हटाने को बोल दिया। बस यही बात युवक को नागवार लग गई। और ऑटो चालक को मारने लगा यह नही युवक ने फोन कर अपने कुछ दोस्तों को और बुला लिया। और सभी मिलकर ऑटो चालक की पिटाई करना शुरू कर

दिए। अपनी बीच बचाव करते हुए। ऑटो चालक पास के बस्ती में भागा। जिसको दौड़ाते हुए सभी लड़के बस्ती में घुस गए। बस्ती वालो ने इसका विरोध किया। तो युवक बस्ती वालों के साथ गाली गलौज के साथ मारपीट करने लगे। फिर बस्ती वालो ने भी युवकों को मारने लगे। इसमें कोडरिया के दो व खगवल के एक ब्यक्ति घायल हो गए। लोगो की सूचना पर पहुची पुलिस ने दोनों पक्षों को उठाकर कोतवाली ले आई। इस बाबत सदर कोतवाल गगन राज सिंह ने बताया कि किसी बात को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गया था। दोनों पक्ष को समझाकर शांत करा दिया गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा गंभीर

बैरिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के एनएच-31 पर टेंगरही हनुमान मंदिर के निकट शुक्रवार को ट्रक को ओवरटेक करने में पिकअप ने मोटरसाइकिल चालक को रौंद दिया। इससे जहां मोटरसाइकिल चालक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आस-पास के लोगों ने घायल युवक को सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उसे जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घटना के बाद ट्रक एवं पिकअप चालक अपना-अपना वाहन लेकर फरार हो गये। मृतक की पहचान मनीष यादव (19) पुत्र सत्येंद्र यादव निवासी हर छपरा, दयाछपरा तथा घायल संजय साह (22) पुत्र पूर्णवासी साह निवासी हरछपरा, दयाछपरा के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक एवं पिकअप बलिया से बैरिया की तरफ आ रहे थे। वहीं, मोटरसाइकिल सवार बैरिया से अपने गांव हरछपरा जा रहे थे। टेंगरही के निकट ट्रक से पास लेने के चक्कर में मोटरसाइकिल को रौंद दिया। मनीष यादव का सिर पिकअप से पूरी कुचल गया था, जबकि संजय भी बुरी तरह से घायल हो गया था। एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेजा गया है, जबकि घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजवा दिया गया है। दुर्घटना में शामिल ट्रक एवं पिकअप की तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद कुछ देर के लिए एनएच-31 पर यातायात रुका हुआ था। सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत : चितबड़ागांव। स्थानीय नगर पंचायत के वार्ड नंबर पांच ब्राह्मी बाबा नगर निवासी सुधीर वर्मा (25) पुत्र लालबाबू वर्मा गुरुवार की रात अपने घर के पास स्थित रेलवे क्रासिंग के पास गया था। वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। शुक्रवार की सुबह पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों एवं कस्बावासियों की मानें तो उक्त युवक बचपन से ही विक्षिप्त था।

भाई ने ली भाई की जान, पहुंची पुलिस

बलिया। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के कोटवारी गांव में गुरुवार की शाम बकरी को लेकर हुए विवाद में भाई ने भाई की जान ने ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, आरोपी भाई समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर, घटना के बाद से मृतक के घर कोहराम मचा हुआ है। बताया जाता है कि गुरुवार की शाम कोटवारी गांव निवासी प्रेमचंद राम (55) पुत्र सुखदेव राम की बकरी उनके भाई देवचंद के बरामदे में चली गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष के परिवारों में कहासुनी के बीच मारपीट हो गई। घटना में प्रेमचंद राम, उनकी पत्नी राजकमारी (50) व पुत्री शारदा (15) तथा दूसरे पक्ष के देवचंद घायल हो गये। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसड़ा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने प्रेमचंद को ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। परिजन प्रेमचंद को लेकर वाराणसी जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर मृतक के पुत्र मनीष ने रसड़ा कोतवाली पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी भाई समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

नेचुरल्स सैलून व सुपर 99 शोरूम का उद्घाटन

मऊ। छोटे शहर में बड़े शहर सी सुविधा देने के साथ एक साथ दो-दो फ्रेंचाइजी स्टोर का उद्घाटन नगर के सहादतपुरा स्थित पुरानी तहसील मऊ में किया गया। देश की ब्रांडेड कम्पनी नेचुरल्स सैलून व सुपर 99 स्टोर का उद्घाटन नवजीवन हास्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. संजय वर्मा की माताजी भाग्यवती देवी, आईएमए के जिलाध्यक्ष डा. पीएल गुप्ता व बीओबी के पूर्व शाखा प्रबंधक आरके सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान डा. पीएल गुप्ता ने कहा कि नेचुरल्स सैलून व सुपर 99 स्टोर मऊ जैसे छोटे से शहर को बड़ा शहर होने का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि मऊ में देश के टाप कम्पनियों के ब्रांडेड शोरूम के खुलने से यहां लोगों को अब दूसरे बड़े शहर नहीं जाना पड़ेगा। नेचुरल्स कम्पनी की आपरेशन हेड वीना शेट्टी ने बताया कि नेचुरल्स भारत की ब्यूटी क्षेत्र में बड़ा नाम है, नेचुरल्स देश में ही नहीं विदेशों में भी लोगों की पसंद है।

ट्रांसजेंडर मतदाताओं की मतदान में होगी भागीदारी

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विकास भवन सभागार में ट्रांसजेंडरों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त ट्रांसजेंडर अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। इसके अलावा जो भी मतदाता अपने मत के अधिकारों को नहीं जानते हैं उनको भी जागरूक करें तथा अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने हेतु लोगों को प्रेरित भी करें। इसके अलावा आमजन को भी अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक करें। जनपद के समस्त ट्रांसजेंडर मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद के समस्त ट्रांसजेंडर मतदाताओं की लोकसभा सामान्य निर्वाचन में शत प्रतिशत अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उपस्थित सभी ट्रांसजेंडरो को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मतदाता शपथ दिलाई गई कि हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादों को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए, बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि 19 अप्रैल को दिव्यांगजन क्रीड़ा प्रतियोगिता कराया जाएगा जिसमें दिव्यांगजन प्रतिभाग करेंगे प्रतिभा में उत्कृष्ट स्थान पाने वालों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी उमेश चंद तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी अनुज कुमार सहित जनपद के समस्त ट्रांसजेंडर उपस्थित रहे।

ज्योतिबा राव फुले की 194वीं जयंती

जौनपुर। अपना दल एस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय वाजिदपुर में शिक्षा के जनक जननायक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 194वीं जयंती धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने ज्योतिबा राव फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके सामाजिक योगदान को याद कर नमन किया।

राष्ट्रीय सचिव ने शिक्षा के जनक को गरीबों, दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों, शोषितों और पीड़ितों का मसीहा बताया। श्री माली ने कहा कि महात्मा ने सर्व समाज को शिक्षित करने के साथ-साथ गरीबों, दलितों और पिछड़ों को शिक्षित करके उन्हें सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार दिया।

उन्होंने कहा कि समाज के गिरे और दबे कुचले वंचित समाज के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले ऐसे महामानव को भारत रत्न मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा राव फुले और माता सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न दिलाने के लिए केंद्रीय उद्योग राज्य मंत्री तथा पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल आवश्यक कदम अवश्य उठाएंगी। ज्योतिबा राव फुले व सावित्रीबाई फुले माली समाज की पिछड़ी जाति के होने के कारण उन्हें भारत रत्न से वंचित किया गया यह संपूर्ण पिछड़ी जाति का अपमान है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई बार संसद में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें भारत रत्न दिलाने की मांग की लेकिन सरकार ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा राव फुले के नाम से प्रत्येक विकासखंड क्षेत्र में विद्यालय की स्थापना करने की मांग उठाई। अध्यक्षता मास्टर रामकुमार माली तथा संचालन अनिल जायसवाल ने किया। इस मौके पर संजय सैनी, रमेश माली, राकेश माली, संतोष सैनी, मनोज पटेल, चंद्रशेखर पटेल, उदय निषाद, अमन जायसवाल, सुमित जायसवाल, ओमप्रकाश मौर्य, पवन प्रजापति, शीतला प्रसाद माली आदि रहे।

पराली जलाने में भड़की आग, फसल हुई राख

आजमगढ़। मेंहनगर थाना क्षेत्र के बीरभानपुर गांव के पश्चिमी सिवान में किसान यशवंत द्वारा अपने खेत में पराली जलाते समय भड़की आग ने विकराल रूप ले लिया। जब तक किसान कुछ समझ पाते उसके पहले ही आग ने तांडव मचाया और देखते ही देखते दर्जनों छोटे किसानों की गेंहू की फसल जलकर राख हो गई। आग पर काबू पाने के लिए किसानों ने फायर ब्रिगेड और तहसील प्रशासन को सूचना देते हुए आग बुझाने के लिए घंटों मशक्कत किया, तब जाकर आग बुझ पाई। वहीं सूचना पर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह और राजस्व टीम मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। देर से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम को बैरंग वापस लौटना पड़ा। वहीं पराली जलाने वाले किसान यशवंत पुत्र सहजू को पुलिस टीम अपने साथ ले गई, जबकि हल्का लेखपाल अतुल पाण्डेय ने यशवंत के खिलाफ जबरदस्ती पराली जलाने और आग लगाने की तहरीर थाना में दी है।

आजमगढ़ में हर्षोल्लास से मनाई गई ईद

लालगंज (आजमगढ़)। जनपद में ईद उल फितर की नमाज शांति पूर्वक अदा करके मुसलमानों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी। सुरक्षा की दृष्टि से ईदगाहों व मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। ईदगाह के बाहर मेले जैसा समां देखा गया और बच्चे मनपसंद गुब्बारे तथा अन्य सामान खरीदते हुए देखे गए। अमन और शांति के बीच ईद उल फितर का पर्व मनाया गया।

लालगंज प्रतिनिधि के अनुसार एसडीएम एसएन त्रिपाठी, सीओ लालगंज हितेंद्र कृष्ण, कोतवाल देवगांव विनय कुमार मिश्र हमराहियों के साथ लगातार चक्रमण करते देखे गये। देवगांव जमीनसीर ईदगाह पर साढ़े 7 बजे अदा की जाने वाली नमाज से पूर्व ही कोतवाल देवगांव विनय कुमार मिश्र हमराहियों के साथ पहुंच गए और काफी संख्या में एकत्र हिंदू भाइयों ने नमाज अदा करने के बाद मुसलमान भाइयों के गले मिल कर उन्हें ईद उल फितर की मुबारकबाद पेश की। बसही अकबालपुर में तकरीर करते हुए मौलाना खालिद आजमी ने कहा कि हमारा हर अमल अल्लाह की रजामंदी के लिए होना चाहिए नाम नमूद और दिखावे के लिए कोई भी अमल न करें क्योंकि दिखावा को अल्लाह पसंद नहीं करता। उन्होंने कहा दुआ करें कि जिस तरह हमने रमजान में गलती न करने की कोशिश की उसी तरह आगे भी अब कोई गलती नहीं करेंगे। अंत में उन्होंने मुल्क और विश्व में परेशान लोगों की परेशानी को दूर करने आदि के लिए दुआ कराई।

महराजगंज प्रतिनिधि के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र में कई जगहों पर ईद की नमाज ईदगाहों व मस्जिदों में पढ़ी गयी। इस्लाम से जुड़े लोगों का मानना है कि पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब से पहले ईदगाह पर जाकर नमाज पढ़ने का चलन नहीं था। उनके समय से ही ईदगाह पर नमाज पढ़ने की शुरुआत हुई। ईद का त्योहार समाज में एकता, सद्भावना और धार्मिकता के महत्व को बढ़ावा देता है। इसके माध्यम से मानवता के मूल्यों की प्रतिष्ठा की जाती है और सभी के बीच एक अद्वितीय बंधन का उत्सव मनाया जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग ईद पर सबसे पहले ईदगाह जाकर नमाज अदा किये तदुपरांतएक दूसरे के घर जाकर खीर, सेवईं या शीर खुरमा खाकर मुंह मीठा किया तथा ईद की बधाई दी। ईद की नमाज को लेकर जहां सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाकचौबंद दिखाई दी तो वही नगर पंचायत के कर्मचारी भी तैनात रहे।

अतरौलिया प्रतिनिधि के अनुसार स्थानीय नगर पंचायत स्थित जामा मस्जिद व एहतराम के साथ स्थित मस्जिदों पर अकीदत व एहतराम के साथ ईद की नमाज अदा हुई। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और लोगो के घर सेवईयां खाने खिलाने का दौर शुरू हो गया। एसडीएम बूढ़नपुर प्रेमचंद मौर्य व थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मस्जिदों के आसपास भ्रमण करते नजर आए, वही जामा मस्जिद की नमाज के दौरान राष्ट्रीय महासचिव, विधान परिषद सदस्य बलराम यादव व ब्लॉक प्रमुख चंद्रशेखर यादव भी पहुंचे और गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी। जामा मस्जिद पर मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद अब्दुल बारी नईमी ने ईद उल फितर की नमाज अता करायी। उन्होंने मुल्क में खुशहाली अमन शांति और भाईचारा की विशेष दुआएं की।

नौकरी लगवाने के नाम पर ऐंठा दो लाख 26 हजार

शक्तिनगर। एनसीएल खड़िया परियोजना में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर पैसा लेकर न देने एवं मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो भाइयों के विरुद्ध मामला दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। खड़िया निवासी संदीप गुप्ता पुत्र सुखराम गुप्ता ने बीते गुरुवार को पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि राजन सिंह पुत्र राजकिशोर सिंह निवासी धतुरी टोला सोनकीभट, दोकटी, बलिया हाल पता बस स्टैंड शक्तिनगर ने एनसीएल खड़िया परियोजना में कार्यरत आउट सोर्सिंग कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर दो लाख छब्बीस हजार रुपये ले लिया। नौकरी न लगने पर जब पैसे की मांग की गयी तो उसके भाई वरुण सिंह जान से मारने की धमकी देने लगा। जिसका ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया था। ऑडियो वायरल होते ही पुलिस अधीक्षक ने मामले को संज्ञान लेते हुए प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश पाण्डेय को कार्यवाही करने का आदेश दिया। जिसपर पुलिस ने दोनों भाइयों के विरुद्ध संगत धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। इस क्रम में शुक्रवार को एसआई सुधीर कुमार सिंह ने आरोपी राजन सिंह को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में चार अन्य मुकदमे दर्ज हैं। वही उसके भाई वरुण सिंह की तलाश जारी है। बता दें कि एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आउट सोर्सिंग कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर भोले भाले लोगों से पैसा लिया जाता है। ऐसे ही कई मामले पहले से दर्ज हैं, लेकिन समुचित कार्रवाई न होने से यह फल फूल रहा है।

मुल्क में अमन-चैन के लिए मांगी दुआएं

सोनभद्र/दुद्धी/बीजपुर। जिले में गुरुवार को मुस्लिम समुदाय ने ईद का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईदगाहों में मौलानाओं ने नमाज पढ़ायी। वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने देश में अमन चैन की दुआएं मांगी। नमाज के बाद लोग एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दिये और शाम को घरों पर जाकर सेवईयों का स्वाद चखा। राबर्ट्सगंज स्थित ईदगाहों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मौलाना ने नमाज पढ़ायी। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।

इस मौके पर एडीएम सहदेव मिश्र, एएसपी कालू सिंह, एसडीएम सदर निखिल यादव, सीओ राहुल पांडेय, अजहर खान, हिदायत उल्ला खां, सदर मुस्ताक, राजू खान, रियाज खान, खुर्शीद, हिफाजत हुसैन आदि मौजूद रहे। इसी तरह डाला, चोपन, ओबरा, अनपरा, शक्तिनगर, कोन, विंढमगंज, घोरावल, करमा, रामगढ़ स्थित ईदगाहों में मौलानाओं ने नमाज पढ़ायी। दुद्धी संवाददाता के अनुसार-नगर व आसपास के ग्रामीण अंचलों में ईदुल फितर खुशनुमा माहौल में पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। 30 दिन रोजे रखने के बाद मनाये जाने वाले इस पर्व को लेकर रोजेदारों में तो खुदा के

ईनाम स्वरूपी त्योहार को लेकर खुशी होना लाजिमी है, मगर बेरोजेदारों और बच्चों में भी उतना उमंग और उत्साह देखने को मिलता है। त्योहार के दिन हर गिले शिकवे भूलकर लोग एक दूसरे को मुबारकबाद पेश कर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। सुबह आठ बजे ईदगाह में अदा की जाने वाली ईदुल फितर की नमाज को लेकर सुबह सात बजे से ही मकतब जब्बरिया ईदगाह पर अकीदतमंद जुटने लगे। घर से नए परिधानों में सिर पर टोपी, इस्लामी पगड़ी, साफा आदि बांधकर निकले लोग निर्धारित समय से घंटो पूर्व ईदगाह की तरफ कूच कर गए। हर किसी को ईदगाह में जगह न मिलने का भय सता रहा था। देखते ही देखते मकतब जब्बरिया ईदगाह नमाज शुरू होने के पूर्व खचाखच भर गया। सुबह आठ बजे ईदगाह में हजरत नसीर मिल्लत द्वारा ईद के दोगाने के नमाज लोगों को अदा कराई। तत्पश्चात जामा मस्जिद में मौलाना नजीरुल कादरी ने दूसरे शिफ्ट में ईद की नमाज अदा कराई। नमाज समाप्ति के उपरांत लोग एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दिये। नमाज बाद लोग कब्रिस्तान जाकर अपने मरहूमीन की कब्रों पर फातेहा पढ़ी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीओ प्रदीप सिंह चंदेल, प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह, कस्बा इंचार्ज रामावध यादव, काशी सिंह भारी संख्या में पुलिस, पीएसी जवानों के साथ कस्बा के अलावा निमियाडीह, दीघुल, बघाडू आदि गांवों का भ्रमण करते रहे। बीजपुर संवाददाता के अनुसार-रमजान माह की समाप्ति पर गुरुवार को क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की। नमाज की समाप्ति के पश्चात लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी। मस्जिद के बाहर निकलकर नमाज अदा करने वाले सभी लोग अन्य समुदाय के लोगों से गले मिलकर देश की एकता का परिचय दिया। प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पांडेय ने पुलिस कर्मियों को सभी मस्जिदों पर तैनात कर दिया। इसी तरह शांतिनगर, एनटीपीसी रिहंद परियोजना के आवासीय परिसर, ग्राम सभा जरहां टोला राजो एवं खम्हारियां में मस्जिदों पर ईद की नमाज अदा की गयी। गुलशने रजा कमेटी के सभी सदस्य सभी लोगों की मदद में लगे रहे।

भक्ति रस की धारा में भक्तों ने लगाई डुबकी, लगा जयकारा, किया नमन

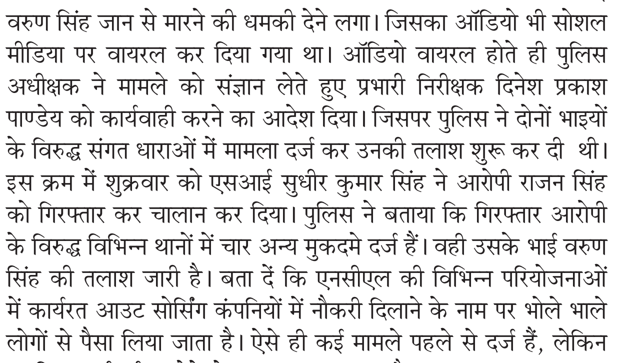

जौनपुर। चैत्र नवरात्रि को लेकर जगह-जगह स्थित देवी मन्दिरों, चौरा माता स्थलों पर जहां पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन किया जा रहा है, वहीं लोगों द्वारा घरों में कलश रखकर पूरे विधि-विधान से देवी स्तुति की जा रही है। इसी क्रम में पूजा-पाठ के साथ भजन, कीर्तन, जागरण, माता की चौकी आदि अनुष्ठान भी किया जा रहा है। इसी को लेकर नगर के शेषपुर में स्थित एक देवस्थल पर माता की चौकी रखी गयी जहां पूरे विधि-विधान से माता रानी का पूजा-पाठ किया गया। इसके बाद मां शारदा मण्डली की महिलाओं ने एक से बढ़कर देवी गीत, पचरा आदि की प्रस्तुति की जिसे सुनकर उपस्थित लोग मंत्र-मुग्ध हो गये जो कई घण्टे तक भक्ति रस की धारा में डुबकी लगाते रहे। मां शारदा मण्डली में नीलम सिंह, अंजली चतुर्वेदी, दीपिका शाही, शशि श्रीवास्तव, इन्दिरा, पुष्पा बाधवा, नीलम, संगीता, पारूल चतुर्वेदी शामिल रहीं। इसके बाद आरती के साथ प्रसाद वितरित किया गया जहां सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण देवीमय रहा। इस मौके पर आये आगंतुकों का स्वागत सुशीला देवी एवं विदिशा जायसवाल ने किया। अन्त में मुन्नी देवी जायसवाल एवं निर्मला देवी ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं वैष्णवी जायसवाल ने सभी को प्रसाद वितरित करके आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उषा देवी, शिव कुमारी, बिन्दु जायसवाल, आरती देवी, रीता वर्मा, अनीता श्रीवास्तव, ममता गुप्ता, सीता देवी, रीता देवी, सविता देवी, रेखा देवी, वर्षा जायसवाल, मीना, दीपा, सुमन, सुहानी, शिखा, विश्वा जायसवाल, संतोषी पाण्डेय, प्रतिमा तिवारी, नीलम जायसवाल, संगीता निषाद, रीता जायसवाल सहित तमाम महिला, पुरुष, युवा भक्तगण उपस्थित रहे।

शराब की दुकानों पर चला चेकिंग अभियान

गोपीगंज। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गोपीगंज के कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बुधवार को शराब की दुकानों की चेकिंग की। दुकानों पर शराब के स्टॉक का सत्यापन किया गया। इस दौरान दुकानदारों को अनियमितता मिलने पर एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी गई। गोपीगंज कोतवाल संतोष कुमार सिंह अपनी टीम के साथ शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। शराब की बोतल के बार कोड और क्यूआर कोड को स्कैन किया गया। कोतवाल ने कहा कि प्रिंटेड मूल्य पर ही शराब की बिक्री की जाए। उन्होंने सफाई का ध्यान रखने और लाइसेंस के गाइडलाइन के मुताबिक दुकान चलाने को कहा अनियमितता पाए जाने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। देशी एवं अंग्रेजी शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश दुकानदारों को दिए गए। कोतवाल के देशी अंग्रेजी की दुकानों पर पहुंचते ही हड़कंप मच गई।

रजिस्टरों को चेक कर एसपी ने दिए आवश्यक निर्देश

ज्ञानपुर। पुलिस लाईन ज्ञानपुर परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की पुलिस अधीक्षक डॉ. मीनाक्षी कात्यायन ने सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया। एसपी ने निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही का निरीक्षण कर उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया। ड्रोन कैमरे से सतत निगरानी हेतु संचालन का अभ्यास कराया गया। पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर उपलब्ध समस्त आपातकालीन उपकरणों को चलवाकर चेक किया तथा प्रभारी यूपी 112 को निर्देशित किया गया कि पीआरवी वाहनों व उसके उपकरणों की लगातार चेकिंग करें पीआरवीकर्मी अपने-अपने स्थान पर सतर्क दृष्टि रखते हुए पब्लिक की सुरक्षा और सेवा में समर्पित रहें। पुलिस लाईन निरीक्षण के दौरान क्वार्टर गार्ड, जीडी कार्यालय, कैश कार्यालय, शस्त्रागार, बैरक, भोजनालय व परिवहन शाखा आदि को चेक किया। शस्त्रागार प्रभारी को शस्त्रों की साफ-सफाई रखने व गार्द कमांडरों के रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साप्ताहिक अर्दली रूम के दौरान विभिन्न रजिस्टरों को चेक कर दिशा-निर्देश दिए गए।

संक्षेप समाचार...

पापियों का नाश करने के लिए भगवान का जन्म

मरदह। संगीतमय श्रीराम कथा के तीसरे दिन श्री राम जन्मोत्सव के प्रसंग से मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु,भक्तों ने लगाये जय श्री राम के नारे क्षेत्र के बोगना गांव में श्री राम कथा के तीसरे दिन भगवान श्री राम के जन्म की कथा का वर्णन किया राम के जन्म होते ही पूरे पांडाल में प्रभु श्रीराम के जयकारों की जयघोष रही।व्यास पूज्य पंडित अजीत आचार्य जी ने कहा की भगवान का जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था।बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया। श्री राम की कथा सुन भक्त भावविभोर हो गए।उन्होंने बताया भये प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी,मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन चरित्र अनंत सदियों तक चलता रहेगा।भगवान राम जन्म होते ही लोगों ने मीठी-मीठी तालियां बजाकर भगवान का नाम लिया. कथा वाचक ने बताया जन्म होते ही अयोध्या में अयोध्या वासी हर्षित हो गए। राजा दशरथ द्वार पुत्रों के जन्म होते ही नगरी में खुशी की लहर दौड़ी। मौके पर कथा में प्रेम प्रकाश,बबीता देवी,आशीष कुमार, सत्यनारायण, मनीष, बृजभान, रिंकू, रोशन, विवेक, बब्बन सिंह, रूपेश, विराट, अंगद, शिवम, विक्रांता चौहान आदि रहे।

पॉस्को का आरोपी गिरफ्तार

भांवरकोल। अपराधियों खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज सुबह तडके शेरपुर पुलिस चौकी इंचार्ज मनोज कुमार मिश्र अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र में सघन जांच का कार्य में लगे थे। तभी एकाएक मुखबिर फोन पर बताता है कि स्थानीय थाना का पाक्से ऐक्ट की धारा में बीते 7 अप्रैल को निरुध शेरपुर खुर्द निवासी ओम कन्नौजिया फखनपुरा के हैदरिया पूर्वांचल एक्सप्रेस के अंडर पुल के नीचे है, और कहीं भागने का फिराक में है। फिर क्या था आनन फानन में मनोज कुमार मिश्र सदल उधर चल पड़े। पुलिस टीम को आते देखते वह भागने लगा पर पुलिस टीम ने दौड़ाकर पकड़ और पाक्सो ऐक्ट के तहत उसे न्यायालय भेज में भेज दिए।

ट्रक का पहिया युवक के हाथ पर चढ़ा

भांवरकोल। स्थानीय थाना क्षेत्र के मछटी चौकी के पास सुबह लगभग 9:30 बजे के करीब एक साइकिल सवार को पीछे से आ रहा बालू लदा हुआ ट्रक ने धक्का मार दिया। जिससे उसका दाहिना पैर बुरी तरह से जख्मी हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 42 वर्षीय राधेश्याम पुत्र धानू निवासी वीरपुर किसी कार्य के लिए वीरपुर से मोहम्मदाबाद की तरफ जा रहा था कि मछटी चौकी के पास जो ही पहुंचा पीछे से ट्रक ने उसे का धक्का मार दिया। जिससे वह गिर गया और उसके दाहिने पैर पर ट्रक का एक पहिया चढ़ गया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया तो चौकी प्रभारी मछटी ओमवीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर घायल को ईलाज के लिए मोहम्मदाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज कर परिजनों को इस घटना की सूचना दी।

बाइक की टक्कर में दो घायल, हालत गंभीर

कासिमाबाद। कोतवाली क्षेत्र के चरया गांव के पास पानी टंकी के सामने शुक्रवार की देर शाम दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें एक बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। घटना की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण घटना स्थल के तरफ दौड़ पड़े।दोनो घायलों को एंबुलेंस के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य कासिमाबाद पहुंचाया। जहां हालत नाजुक होने पर चिकत्सकों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वही दूसरा बाइक सवार मौके की नजाकत देख फरार हो गया। डाही गांव निवासी लालचंद राजभर का पुत्र रुदल राजभर उम्र 28 वर्ष अपने बाइक के पीछे हीरा राजभर उम्र 60 वर्ष के साथ शुक्रवार को देर शाम वेद बिहारी पोखरा दवा लेने के लिए गया हुआ था। वापस लौटते समय हादसा हुआ।

विद्या के संग काव्य शक्ति का होना बड़ा दुर्लभ

जमानियां। स्टेशन बाजार स्थित हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में हिन्दी विभाग व सौरभ साहित्य परिषद बरुइन तत्वावधान में शुक्रवार को साहित्यकार रामपुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी' के दो काव्य संग्रह 'शब्दों के फूल' व 'कलम को शोला बना के देखो' का लोकार्पण और कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात काव्य संग्रह का लोकार्पण कर उपस्थित विद्वतजनों को पुष्प गुच्छ और अंगवस्त्रम् प्रदान कर सम्मानित किया गया। लोकापर्ण समारोह के मुख्यअतिथि वरिष्ठ नवगीतगार व पूर्व अपर मण्डलायुक्त वाराणसी ओम धीरज ने काव्य संग्रह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्या के संग काव्य शक्ति का होना बड़ा ही दुर्लभ है। यह दोनों गुण गणितज्ञय पुकार गाजीपुरी में है। यह गॉव के जड़ से जुड़े होने के कारण इनका लगाव आज भी गॉव से है। जो गॉव को भूल नहीं सकता उसी का गॉव सम्मान भी करता है। समाज को परिष्कृत करना ही साहित्यकार का कर्म व धर्म होता है।

संपादकीय

भीमराव अंबेडकर की चिंताओं के वर्तमान संदर्भ और मायने

इतिहास ने डा. अम्बेडकर को उनके जीवनकाल में अलग-अलग भूमिकाएँ निभाने पर मजबूर किया। वह एक प्रखर बुद्धिजीवी, लेखक, विचारक, सिद्धांतकार, अर्थशास्त्री, कानूनविद, इतिहासकार, संविधान निर्माता और दलित वर्ग के प्रवक्ता की भूमिका में रहे। इन भूमिकाओं के जरिये उन्होंने एक वर्ग विशेष के प्रतिनिधि के रूप में अपनी ओर पूरे देश का ध्यान केन्द्रित किया। आज जब भारत का लोकतंत्र अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है तब डा. अम्बेडकर की याद आना स्वाभाविक है,खास कर इसलिए भी क्योंकि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को लेकर उनकी जो आशंकाएं थीं वे अपने विकराल रूप में हमारे सामने खड़ी हैं। आज जब भारतीय समाज, राजनीति और देश की लोकतान्त्रिक संस्थाओं पर गम्भीर संकट गहराया हो, ऐसे समय में बाबा साहब की याद और भी स्वाभाविक हो जाती है। वह मानते थे कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और स्वतंत्रता जनतांत्रिक अधिकारों के बिना अधूरी और बेमानी है। उस राष्ट्र में रहने वाले लोगों के मानवीय व लोकतांत्रिक अधिकारों को सुनिश्चित किये बिना राष्ट्र के महिमा मंडन के गीत गाना घोर पाखंड है। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में डा. अम्बेडकर एक ऐसी आवाज बन कर उभरे जिसने औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति के बाद मिलने वाली आजादी के बीच समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और जनवाद की गारन्टी की बात जोरदार ढंग से उठाई। देश के करोड़ों अछूतों, दलितों, पिछड़ों, वंचितों, अल्पसंख्यकों, जनजातियों, महिलाओं और मजदूरों की बात उठा कर उन्होंने भारतीय राष्ट्र के वास्तविक जनतांत्रिक स्वरूप को आकार देने में क्रन्तिकारी भूमिका निभायी। वर्ण व्यवस्था, पितृसत्ता एवं स्त्रीमुक्ति, बहुसंख्यक धार्मिक आक्रामकता और सामन्ती मूल्यों वाले समाज के रहते कोई देश या राष्ट्र कैसे लोकतांत्रिक गणराज्य बन सकता है, उस समय का यह सवाल आज ज्यादा विकराल रूप में हमारे सामने है जब बहुराष्ट्रीय पूंजीवाद और फासीवादी ताकतों के नापाक गठजोड़ देश का बुनियादी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तानाबाना ध्वस्त करने पर आमादा है। मौजूदा केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून के जरिये तो संविधान की धर्मनिरपेक्ष मूल प्रकृति एवं भावना पर ही हमला बोल दिया। देश के किसानों को तबाह करने वाले काले कृषि कानून जिन्हें केंद्र सरकार कार्पोरेट हित में देश पर थोप रही है घोर असंवैधानिक हैं ।

भारतीय राजनीति ने इस कोशिश के जरिये एक घटिया खेल और खेला कि डा. अम्बेडकर की पहचान एक दलित नेता के रूप तक ही सीमित रहे। जिस तरह आज सरकार या प्रधानमंत्री की आलोचना करने वालों को देशद्रोही कहा जा रहा है उसी तरह तत्कालीन कथित राष्ट्रवादी नेताओं ने डा. अम्बेडकर को अंग्रेज समर्थक और देशद्रोही कह कर लांछित किया था। सामाजिक बदलाव एवं राष्ट्र के सभी वर्गों की बराबर की भागेदारी के हर वाजिब सवाल को स्वराज और राष्ट्रवाद की भावुकता के नीचे दबा देने के कारण जाति का सवाल, स्त्री की मुक्ति और पितृसत्ता का सवाल, वंचित वर्गों के अधिकारों का सवाल आजादी की लड़ाई के एजेन्डे में आया ही नहीं। इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना तो यह भी है कि देश के वामपंथियों ने भी डा. अम्बेडकर को उसी चश्मे से देखा जिस चश्मे से मुख्यधारा के राष्ट्रवादी देख रहे थे । वर्ष 1952 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने डा. अम्बेडकर और उनके द्वारा गठित शिड्यूल कास्ट फेडरेशन के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए अपने दस्तावेज में उन्हें अवसरवादी और साम्राज्यवादीपरस्त नेता बता कर उनका घोर अपमान किया। उनके बारे में कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा कहा गया कि डा. अम्बेडकर दलित और वंचित वर्ग के आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन का इस्तेमाल करके उन्हें साम्प्रदायिक और हिन्दू विरोधी भावना के आधार पर गोलबंद कर रहे हैं । जबकि डा. अम्बेडकर ने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत एक मजदूर नेता के रूप में की थी और स्वतंत्र ह्रमजदूर दलह्व भी गठित किया था और इस दल ने बम्बई में कपड़ा मिलों की हड़ताल में अहम् भूमिका भी निभाई थी । इस दल के गठन के पीछे बाबा साहब का स्पष्ट मत था कि वह कांग्रेस के पूंजीपति ह्र जमींदार प्रभाव वाले संगठन से अलग मजदूरों का एक स्वतंत्र संगठन खड़ा करना चाहते थे जो पूंजीवाद के साथ-साथ ब्राह्मणवाद से भी लड़ सके। वह मानते थे कि सामंतवाद और पूंजीवाद ब्राह्मणवाद (भाग्य और भगवान की मान्यता पर आधारित) की कोख से निकले हैं । डा. अम्बेडकर ने अपने जीवन कल में अनेक महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय काम किये जैसे पृथक निर्वाचन के अधिकार के लिए मुहिम, संविधान में राजकीय समाजवाद का प्रावधान, हिन्दू कोड बिल, लेबर पार्टी का गठन, शेड्यूल कास्ट फेडरेशन और रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया का गठन आदि। उनके इन प्रयासों के जरिये हम भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं और समाज के अन्तःसंघर्ष को अच्छी तरह समझ सकते हैं।

डा. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा के सदस्य और ड्राफ्टिंग कमेटी (प्रारूप समिति) के अध्यक्ष होने के नाते भारतीय संविधान को एक मुकम्मल रूप देने में अहम भूमिका निभाई।भारतीय संविधान, संविधान सभा में सदस्यों के आये प्रस्तावों पर बहस के बाद पारित कर उन्हें संकलित किया गया है। इसमें डा. अम्बेडकर के खुद के स्वतंत्र विचार शामिल नहीं हैं। पारित प्रस्तावों में बहुत सारे प्रस्तावों से उनकी असहमति भी थी पर प्रारूप समिति के अध्यक्ष से इतर डा. अम्बेडकर द्वारा देश के बहुसंख्यक, दलित, शोषित, वंचित वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में संविधान सभा में रखे गये प्रगतिशील विचारों को अस्वीकार कर दिया गया। भारतीय संविधान तथा देश की शासन प्रणाली में डा. अम्बेडकर के अनुकूल क्या नहीं है, इसे जानने के लिए उनका महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज स्टेट एन्ड माइनॉरिटी, को पढ़े जाने की जरूरत है। ॐइस महत्वपूर्ण दस्तावेज को डा. अम्बेडकर के सपनों का भारत भी कहा जाता है। इसमें उन्होंने अपने क्रन्तिकारी विचारों को संग्रहित किया है जो उनके राजनैतिक दर्शन तथा व्यवहार का निचोड़ है ।इससे यह पता चलता है कि डा. अम्बेडकर अपने समय के नेताओं से कितने भिन्न और उनसे अधिक प्रगतिशील, लोकतांत्रिक तथा आधुनिक विचारों से समृद्ध थे। इस दस्तावेज के जरिये अम्बेडकर भारतीय शासन सत्ता के चरित्र को पूरी तरह बदल कर सत्ता के केन्द्र में मजदूर- किसानों, दलित- वंचित वर्गों को स्थापित करना चाहते थे।

डा. अम्बेडकर 1789 की फ्रांसीसी क्रांति के मूल्यों स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व से बेहद प्रभावित थे और उन्हें एक आदर्श लोकतंत्र की बुनियाद मानते थे। अम्बेडकर रूसी क्रांति से उतना ही प्रभावित थे जितना फ्रांसीसी क्रांति से। उनका मानना था कि समाजवाद के बगैर लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित नहीं किया जा सकता है। बिना समाजवाद के लोकतंत्र पूंजीपतियों, सामंतों और उच्च वर्ग के हाथों की कठपुतली बन कर रह जायेगा जहाँ नागरिकों को मताधिकार तो होगा पर सत्ता में बैठे विशिष्ट वर्ग के लोग अपने स्वार्थ सिद्धि को ही प्राथमिकता देंगे। आज भारतीय लोकतंत्र में यह साफ घटित होता दिख रहा हैं जहाँ बहुमत की सरकार द्वारा संविधान की मूल आत्मा को ही सी ए ए की जरिये खत्म करने की कोशिश की जा रही है। करिश्माई बहुमत के खतरों से आज दुनियां का सबसे बड़ा लोकतंत्र जिस तरह जूझ रहा है उस समय लोकतंत्र के मसीहा भारतीय संविधान के निर्माता डा. बी आर अम्बेडकर की याद आना स्वाभाविक है।

भगवान स्वरूप कटियार

संविधान-निर्माण में अंबेडकर की भूमिका

कँवल भारती

10 अप्रैल 1948 को दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ कालेज में कानून पर बोलते हुए डा. आंबेडकर ने कहा था कि प्राचीन और आधुनिक समाज में अंतर यह है कि प्राचीन समाजों में कानून बनाना लोगों का काम नहीं था। कानून या तो ईश्वरीय होता था या किसी विधि-निमार्ता द्वारा बनाया हुआ। समाज का काम सिर्फ उस कानून का पालन करना था, चाहे वह दैवीय हो या विधि-निमार्ता का। प्राचीन समाजों में किसी निरंतर सभ्यता के न रहने का यही एकमात्र मूल कारण था। इसी व्याख्यान में उन्होंने कहा कि कानून का काम समाज को सुधारना है। किन्तु यही काम प्राचीन समाजों में कानून ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज के पतन का मुख्य कारण यही है कि उस पर मनु या याज्ञवल्क्य के कानून ने शासन किया। इन कानूनों को दैवीय माना गया, जिसके कारण हिन्दू समाज अपने में सुधार लाने में कभी समर्थ नहीं हो सका।

इसी व्याख्यान में उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के किसी भी देश में इतनी ज्यादा क्रांतियाँ नहीं हुई, जितनी भारत में हुई हैं। जिस दौर में यूरोप के धर्मनिरपेक्ष कानून ने पोप यानी चर्च के कानून को चुनौती दी थी, उससे भी काफी पहले से भारत में धार्मिक कानून और धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच संघर्ष रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में धर्मनिरपेक्ष कानून की बुनियाद कौटिल्य के अर्थशास्त्र ने डाली थी। इसके विरुद्ध शुंग काल में जबरदस्त प्रतिक्रान्ति हुई, और मनु के कानून ने धर्मनिरपेक्ष कानून पर विजय प्राप्त कर ली। उनके अनुसार यह इस देश की सबसे बड़ी दुर्घटना थी। उनका मत था कि हिन्दू समाज का पिछड़ापन इसी विश्वास के कारण है कि कानून बदला नहीं जा सकता।

डा. आंबेडकर के इन विचारों से कानून के बारे में उनकी धारणा को समझा जा सकता है। और यह धारणा है कानून के धर्मनिरपेक्ष होने की। धर्मनिरपेक्ष कानून का मतलब सर्वधर्म समभाव नहीं है, बल्कि किसी एक धर्म के साथ उसका जुड़ाव न होना है। किसी भी देश के कानून का प्राणतत्व उसका धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत ही है। यह सिद्धांत अगर किसी कानून में नहीं है तो वह मंदिर, चर्च या मस्जिद के कानून के सिवा कुछ नहीं हो सकता। डा. आंबेडकर ने अपने स्तर पर जितना हो सकता था, उतना भरसक प्रयास किया कि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित हो।

भारतीय संविधान के आलोचक, खास तौर से आरएसएस के बुद्धिजीवी डा. आंबेडकर को संविधान का लेखक नहीं मानते। इसके दो कारण हो सकते हैं। एक तो यह कि यह उनके विश्वास नहीं में है कि कोई दलित जाति का व्यक्ति इतना विद्वान्‌ हो सकता है कि वह संविधान लिख ले। दूसरा कारण यह है कि वे संविधान के निर्माण की प्रक्रिया को जानना नहीं चाहते। संविधान निर्माण का मतलब एक ऐसे संविधान का निर्माण करना ही, जो इस देश के लोगों पर लागू होना है। देश के लोग न एक धर्म के हैं, न एक समुदाय के हैं, न एक जाति के हैं, न एक विश्वास, न एक प्रांत, न एक भाषा और न एक संस्कृति के हैं, बल्कि उनमें तमाम विविधताएं हैं। कोई भी एक व्यक्ति सभी विविधताओं का ज्ञाता नहीं होता, और न हो सकता है। और जब मामला राजनीतिक भी हो, तब संविधान-निर्माण की स्थितियां और भी जटिल हो जाती हैं। इन्हीं सब जटिलताओं के समाधान के लिए अलग-अलग विषयों की समितियां और उपसमितियां बनाई गई थीं। इन सभी समितियों के अलग-अलग अध्यक्ष थे। डा. आंबेडकर संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे, जिन्हें समितियों और उपसमितियों से प्राप्त सिफारिशों और ज्ञापनों के आधार पर संविधान में प्रावधान करने थे। इन्हीं के आधार पर संविधान का एक मसौदा डा. आंबेडकर ने तैयार किया था, जिसमें मसौदा समिति के अन्य सदस्यों, जैसे वी. एन. राय का भी उल्लेखनीय योगदान था। संविधान सभा में संविधान के मसौदे को प्रस्तुत करना, अनुच्छेदों का विश्लेषण करना, सदस्यों के संशोधनों और सुझावों पर विचार करना और तदनुसार एक राय कायम करना मसुदा समिति के अध्यक्ष के नाते डा. आंबेडकर का दायित्व था। बहुत से प्रावधान पास हुए, बहुत से प्रावधानों में परिवर्तन और संशोधन हुए, और बहुत से प्रावधान निरस्त भी हुए। इसी प्रक्रिया से संविधान का निर्माण हुआ और वह पास हुआ। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में डा. आंबेडकर के योगदान को संविधान सभा की उस बहस में देखा जा सकता है, जिसे कई जिल्दों में सरकार द्वारा प्रकाशित किया जा चुका है।

इस सम्बन्ध में उल्लेखनीय है कि संविधान-निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया में डा. आंबेडकर का दृष्टिकोण और चिंतन पूरी तरह लोकतान्त्रिक, समाजवादी और धर्मनिरपेक्षतावादी था। लेकिन जिस संविधान-सभा ने संविधान को पास किया था, वह बहुमत में समाजवादी नहीं था। उसका बहुमत धर्मनिरपेक्षता और राजनीतिक लोकतंत्र का तो समर्थक था, परन्तु सामाजिक रूप से पूंजीवादी, साम्प्रदायिक और जातिवादी चरित्र का था। बहुमत के इसी चरित्र के कारण बहुत से समाजवादी प्रावधान, जिनमें भूमि-सुधार मुख्य था, संविधान में शामिल नहीं किए जा सके। और अंततः उन्होंने स्वीकार किया था कि यह संविधान उनके सपनों का संविधान नहीं है। और अगर आवश्यकता हुई तो वह इसे जलाने में भी सबसे आगे होंगे।

संविधान के निर्माण में कितनी जटिलताएं थीं, उसे देखने के लिए डा. आंबेडकर के उस भाषण को पढ़ने की जरूरत है, जो उन्होंने संविधान सभा में 4 नवम्बर 1948 को संविधान के मसौदे को विचारार्थ रखते हुए दिया था। इस भाषण में उन्होंने संविधान की आलोचनाओं पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि जिस के भी हाथ में संविधान की यह प्रति है, उसके दिमाग में ये दो प्रश्न जरूर आयेंगे। एक यह कि संविधान में सरकार के किस स्वरूप की परिकल्पना की गई है? और, दूसरा यह कि संविधान का स्वरूप क्या है? अधिकांश सदस्य, जो अमेरिकी सरकार के स्वरूप से प्रभावित थे, यह चाहते थे कि संविधान में सरकार का स्वरूप अध्यक्षीय प्रणाली का होना चाहिए। किन्तु आंबेडकर ने स्पष्ट किया कि मसौदा संविधान अध्यक्षीय प्रणाली नहीं, बल्कि संसदीय लोकतान्त्रिक प्रणाली का प्रस्ताव करता है। अमेरिका की अध्यक्षीय प्रणाली में राष्ट्रपति ही सरकार का मुखिया होता है। किन्तु प्रस्तावित संसदीय प्रणाली में भी राष्ट्रपति राष्ट्र का मुखिया है, पर कार्यपालिका का मुखिया नहीं है, वह राज्य का प्रतिनिधित्व तो करता है, पर राष्ट्र पर शासन नहीं करता। भारत का राष्ट्रपति अपने मंत्रिमंडल की सलाह पर काम करेगा, उसके विपरीत या उसकी सलाह के बिना काम नहीं कर सकता। भारत के राष्ट्रपति को असीम शक्तियां न देकर, सारी शक्तियां संसद को दी गईं, ताकि तानाशाही पैदा न हो सके। आंबेडकर जानते थे कि भारत की शासन सत्ता ऐसे वर्ग के हाथों में आई है, जो अपने चरित्र में लोकतान्त्रिक नहीं है, बल्कि साम्प्रदायिक और जातिवादी है। ऐसे चरित्र का व्यक्ति अगर राष्ट्रपति बन गया, और उसे राष्ट्र पर शासन करने की संवैधानिक शक्तियां दे दी गईं, तो उसका तानाशाह बनना तय है, जो राष्ट्र के लिए खतरा बन जायेगा। हालांकि, संसदीय लोकतंत्र में भी तानाशाह बनने की संभावना कम नहीं है, परन्तु बहुदलीय विपक्ष उसके लिए एक अवरोध का काम करता है।

यहाँ उल्लेखनीय है कि आरएसएस और भाजपा संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते। उनका संविधान बदलने के पीछे एक आधार यह भी है कि वे अध्यक्षीय प्रणाली के पक्षधर हैं।

संविधान सभा में कई हिंदूवादी सदस्यों ने संविधान की आलोचना इस आधार पर की थी कि यह भारत की प्राचीन राज्य-व्यवस्था का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उनका विचार था कि भारत का संविधान प्राचीन हिन्दू माडल पर बनाया जा चाहिए, जबकि यह पश्चिम के सिद्धांतों पर आधारित है। उनका प्राचीन हिन्दू माडल ग्राम-पंचायतें थीं। कुछ सदस्य ऐसे भी जो थे, जो न प्रांतीय सरकार चाहते थे और न केंद्र सरकार। वे भी भारत में ग्राम-सरकारें चाहते थे। ये लोग ग्राम और जिला पंचायतों की सरकार का स्वरूप चाहते थे। इन्हें समानता और स्वतन्त्रता वाला लोकतंत्र रास नहीं आ रहा था, क्योंकि वे अपनी मानसिकता में सांप्रदायिक और जातिवादी थे। डा. आंबेडकर ने सदन में इन लोगों पर मजेदार टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि गाँवों के प्रति इन हिन्दू बुद्धिजीवियों का असीम प्रेम दयनीय है। लेकिन वास्तव में गांवों के प्रति द्विजों का प्रेम वर्णव्यवस्था में विश्वास के कारण था, जिसे वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था मानते हैं। डा. आंबेडकर ने ग्राम पंचायत पर जोर देने वालों को जवाब देते हुए सदन में कहा कि गाँव में रहने वाला बहुत छोटा सा वर्ग है, जो गांवों पर गर्व करता है। यह वर्ग गाँव की उस विशाल आबादी के बारे में नहीं सोचता, जिन पर ये शासन करते हैं। गाँव में द्विज हमेशा शासक बनकर रहता है और शूद्र वर्ग हमेशा शासित बना रहता है। उन्होंने कहा कि उन्हें आश्चर्य होता है कि जो लोग प्रांतवाद और सम्प्रदायवाद का विरोध करते हैं, वे भी गांवों का समर्थन करते हैं। उन्होंने उन लोगों से पूछा, क्या गाँव स्थानीयवाद या क्षेत्रवाद के सिवा कुछ और हैं? क्या गाँवों में जिहालत, रूढ़िवाद, गरीबी, अस्पृश्यता, अशिक्षा और साम्प्रदायिकता के सिवा क्या ज्ञान-विज्ञान, समानता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व है? वे तो जातिव्यवस्था के कारखाने हैं। हालाँकि संविधान सभा ने गाँव-पंचायत की व्यवस्था के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, जिस पर आंबेडकर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा था, थैंक्स गाड।

ये हिन्दू आलोचक अल्पसंख्यकों के संवैधानिक संरक्षणों के भी विरोधी थे। डा. आंबेडकर ने आश्चर्य व्यक्त किया कि मसौदा-संविधान की आलोचना इस आधार पर भी की गई कि यह अल्पसंख्यक समुदायों को विशेष अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यकों की यह एक बड़ी समस्या है कि वे अल्पसंख्यकों के अस्तित्व को ही स्वीकार करना नहीं चाहते। उन्होंने बहुसंख्यकों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें आयरलैंड के उदाहरण से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब आयरलैंड का विभाजन होने जा रहा था, तो बहुसंख्यक वर्ग के नेता रेडमंड ने अल्पसंख्यक वर्ग के नेता कार्सन से कहा था, कि तुम प्रोटेस्टेंट अल्पसंख्यकों के लिए जो संरक्षण चाहो, मांग लो, परन्तु हमें एक अखंड आयरलैंड बनाने दो। परन्तु कार्सन का उत्तर था, भाड़ में जाएँ तुम्हारे संरक्षण, हम तुमसे शासित होना ही नहीं चाहते। आंबेडकर का प्रश्न था कि क्या भारत एक और विभाजन बर्दाश्त कर सकता है? उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि भारत में किसी भी अल्पसंख्यक समुदाय ने कार्सन जैसा निर्णय नहीं लिया है, बल्कि उन्होंने बहुसंख्यकों के शासन को पूरी निष्ठां से स्वीकार किया है, जो मूल रूप से एक साम्प्रदायिक बहुसंख्यक शासन है, न कि राजनीतिक बहुसंख्यक। इसलिए, डा. आंबेडकर ने कहा कि, यह बहुसंख्यकों का दायित्व है कि वे अल्पसंख्यकों के हितों को महसूस करें, न कि उनके साथ भेदभाव करें। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि अल्पसंख्यक बने रहेंगे या लुप्त हो जायेंगे, यह बहुसंख्यकों की इसी नीति पर निर्भर करेगा।

लेकिन हुआ यह कि अल्पसंख्यक आज भी बने हुए हैं। यही नहीं, दलित वर्ग भी अभी तक बने हुए हैं। सत्तर साल का समय कम नहीं होता। सामाजिक भेदभाव को खत्म करने के लिए यह एक बड़ी अवधि है, परन्तु बहुसंख्यकों के शासन ने, जिस पर न सिर्फ अल्पसंख्यकों ने, बल्कि दलित वर्गों ने भी अपना भरोसा जताया था, न अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव खत्म किया और न दलित जातियों के साथ। इसके विपरीत, बहुसंख्यकों ने इन सत्तर सालों में हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों एवं हिन्दुओं और दलितों के बीच सामाजिक भेदभाव की खाई को और चौड़ा कर दिया। और यह इसलिए हुआ, क्योंकि बहुसंख्यक समाज ने कभी लोकतान्त्रिक बनने की कोशिश ही नहीं की; वह सदैव साम्प्रदायिक और जातिवादी ही बना रहा। वह जब खुद नहीं बदला, तो वह समाज को भी कैसे बदलता? डा. आंबेडकर ने ठीक कहा था कि राजनीतिक बहुमत किसी भी दल का क्यों न हो, पर उसका सामाजिक बहुमत हमेशा साम्प्रदायिक ही होता है। इसलिए राजनीतिक बहुमत बदलने से समाज पर कोई फर्क नहीं पड़ता। यही साम्प्रदायिक बहुमत आज भाजपा की सरकार के रूप में काम कर रहा है, जिसने अल्पसंख्यकों के प्रति पहले से भी कई गुना अधिक नफरत और हिंसा का वातावरण पैदा कर दिया है।

संविधान के आलोचकों का एक वर्ग मूल अधिकारों का भी विरोधी था। सुभाष काश्यप के शब्दों में, 'डा. आंबेडकर ने मूल अधिकारों से सम्बन्धित संविधान के भाग 3 को सर्वाधिक आलोचित भाग कहा था। इस पर 38 दिनों तक चर्चा हुई। उपसमिति में 11 दिन तक, सलाहकार समिति में 2 दिन तक और संविधान सभा में 25 दिनों तक विचार विमर्श हुआ।' ये मूल अधिकार संविधान में भाग 3 के अंतर्गत अनुच्छेद 13 से 35 तक हैं। इनमें समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार, अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार और इनको लागू करने के लिए संवैधानिक उपचारों का अधिकार शामिल है। वास्तव में सांप्रदायिक और जातिवादी हिन्दुओं के लिए, खास तौर से ब्राह्मणों के लिए मूल अधिकार सर्वथा एक नई चीज थी, क्योंकि उनका विश्वास वर्णव्यवस्था में था, जिसके अंतर्गत सभी व्यक्तियों का अधिकार और कर्तव्य अपने-अपने वर्ण के अनुसार निर्धारित था। वहाँ समानता और स्वतंत्रता के लिए कोई स्थान नहीं था। लेकिन मूल अधिकार के प्रावधानों ने श्रेणीकृत असमानता को खत्म करके सभी को समान स्तर पर खड़ा कर दिया था, जबकि हिन्दू कानून में ब्राह्मण पहली श्रेणी का, ठाकुर दूसरी श्रेणी का, वैश्य तीसरी श्रेणी का नागरिक था और शेष सारी जनता चौथी श्रेणी की नागरिक थी। इसलिए संविधान में निहित मूल अधिकार भारत में समानता के एक नए युग का आरम्भ था।

किन्तु इसमें संदेह नहीं कि भारत की मौजूदा भाजपा सरकार अगर संविधान बदलती है, जो कि उसका मूल एजेंडा है, तो वह कई तरह की स्वतंत्रताओं को स्वीकार नहीं करेगी, और मूल अधिकारों का एक वर्ण-आधारित नया स्वरूप तैयार करेगी, जो उसके सांप्रदायिक बहुमत के अनुरूप होगा।

अंत में डा. आंबेडकर ने कम्युनिस्टों और समाजवादियों की आलोचनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्टों की आलोचना इस आधार पर है कि संविधान सर्वहारा की तानाशाही के सिद्धांत पर आधारित नहीं है, बल्कि यह पूंजीवादी संविधान है। इसके विपरीत, समाजवादियों की आलोचना यह थी कि संविधान में बिना मुआवजा दिए, सम्पूर्ण निजी संपत्ति का राष्ट्रीयकरण का कानून होना चाहिए था, जो नहीं है। समाजवादी दूसरी चीज यह चाहते थे कि संविधान में उल्लिखित मूल अधिकार बिना सीमा के होने चाहिए।

डा. आंबेडकर ने इन आलोचनाओं का उत्तर देते हुए दो टूक कहा कि इसके लिए मसौदा समिति को दोषी नहीं ठहराना जा सकता। उनका कहने का आशय था कि जब सरकार ही कम्युनिस्टों और समाजवादियों की नहीं है, जब समितियों और उपसमितियों में ही कम्युनिस्टों और समाजवादियों का बहुमत नहीं है, तो मसौदा-संविधान पर दोष लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि वह यह नहीं कहते कि संसदीय लोकतंत्र का सिद्धांत ही राजनीतिक लोकतंत्र का एकमात्र आदर्श है। वह यह भी नहीं कहते कि मुआवजा दिए बिना निजी संपत्ति के अधिग्रहण का सिद्धांत इतना पवित्र है कि उसे छोड़ा नहीं जा सकता। और वह यह भी नहीं कहते कि मूल अधिकारों की सीमाओं को समाप्त नहीं किया जा सकता। किन्तु उन्होंने कहा कि वह यह जरूर कहेंगे कि संविधान में निहित विचार संविधान-सभा के सदस्यों के विचार हैं, एक अकेले व्यक्ति के नहीं। उन्होंने कहा कि संविधान सभा के सदस्यों के विचारों को संविधान में रखने के लिए न वह और न मसौदा समिति दोषी है।

मोदी लहर समाप्त हो चुकी है

अठारहवें लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोई लहर नहीं है। कोई भी लहर लम्बे समय तक कायम नहीं रहती। दस वर्ष कम नहीं होते। 2014 और 2019 की तरह फिलहाल मोदी की कोई लहर नहीं है। अभी तक सभी सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की घोषणा भी नहीं हुई है। रूक-रूक कर, संभल-संभल कर नाम घोषित किये जा रहे हैं। अघोषित नाम वाले दूसरे दलों में जाने से परहेज नहीं कर रहे। भाजपा में पिछले दस वर्ष में जितने कांग्रेसी गये हैं, वह संख्या कहीं अधिक है। उसकी तुलना में भाजपा से कांग्रेस में जाने वालों की संख्या बहुत ही कम है। नरेन्द्र मोदी आज भी सबसे बड़े प्रचारक हैं, पर अपने चुनावी भाषणों में उनका आक्रमण 'इंडिया गठबंधन' पर है। दस साल के अपने काम को उन्होंने केवल 'ट्रेलर' और 'ऐपेटाइजर' कहा है - "अभी पूरी थाली बाकी है और हमें देश को बहुत आगे ले जाना है।" वे 'सेनाओं के अपमान' और 'देश के विभाजन' को 'कांग्रेस की पहचान' बता रहे हैं। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक सहित कई प्रमुख व्यक्ति यह कह रहे हैं कि इस चुनाव में मोदी की जीत के बाद देश में कुछ भी नहीं बचेगा - न लोकतंत्र, न संविधान। मोदी की विश्वसनीयता घट रही है और राहुल गांधी की विश्वसनीयता बढ़ रही है, पर राहुल गांधी और 'इंडिया गठबंधन' के पक्ष में भी पूरी तरह माहौल नहीं है। पहली बार खुले आम भारत में फासीवाद की बात की जा रही है। इस समय किसी भी दल के पक्ष-विपक्ष में माहौल नहीं है। नरेन्द्र मोदी की भाषा और देह भाषा पहले से भिन्न है। पहले की तरह न तो उनकी आवाज है और आत्मविश्वास, जिसे उनके चेहरे पर पढ़ा जा सकता है।

नरेन्द्र मोदी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिशें जारी हैं और जारी रहेगी। विपक्ष लोकसभा के इस अठारहवें चुनाव को देश बचाने और संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा करने का चुनाव बता रहा है, पर सामान्य जनता को लोकतंत्र और संविधान की कोई जानकारी नहीं है। उसके जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दे भी उसे अभी कम परेशान कर रहे हैं। मोदी ने अपनी एक 'हिमालयी छवि' बना ली है। उसके समक्ष किसी भी राजनेता की छवि नहीं टिक सकती। भाजपा द्वारा कांग्रेस के घोषणा पत्र को 'मुस्लिम लीग का इम्प्रिंट' कहना उसकी हताशा का धोतक है। कांग्रेस ने 48 पृष्ठों के अपने घोषणा-पत्र को 'न्याय पत्र' कहा है, जिसमें उसने पाँच 'न्याय' और पचीस 'गारंटियों' का वादा किया है। कांग्रेस ने युवा, महिला, मजदूर और किसान की बात कही है। इस 'न्याय पत्र' में सभी वर्गों के लिए अलग-अलग प्रकार की योजनाएँ हैं। कांग्रेस ने मजदूरी 400 रुपये प्रति दिन करने, जाति गणना, नौकरी में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण, किसानों के लिए स्वामीनाथन फॉमूर्ले के साथ एमएसपी की कानूनी गारंटी, गरीब परिवार की एक महिला को प्रति वर्ष एक लाख रुपये, मुफ्त चिकित्सा, श्रमिकों के लिए 25 लाख का हेल्थ केयर आदि की बातें कही हैं। यह घोषणा-पत्र प्रगतिशील है, पर सीमित साधनो के कारण कांग्रेस इसे अभी जन-जन तक पहुँचा नहीं पा रही है। भाजपा ने अभी तक अपना घोषणा-पत्र जारी नहीं किया है। मोदी-झूठ अब प्रचलित पद है।

इस लोकसभा चुनाव के परिणाम चौंका सकते हैं। अभी किसी भी प्रकार की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। सबकी प्रतिष्ठ दाँव पर लगी है। अनेक नेताओं के लिए यह उनके अस्तित्व की लड़ाई है। मोदी लहर खड़ी की जा सकती है, पर वास्तव में वह है नहीं। मोदी इस चुनाव को पहला चुनाव कह रहे हैं, जब सारे भ्रष्टाचारी, आपस में मिल कर भ्रष्टाचार पर कार्रवाई रोकने के लिए रैली कर रहे हैं। प्रधानमंत्री होने और मीडिया को नियंत्रित करने के बाद केवल उनकी बात ही लोगों तक पहुँचती है। यह बात जनता तक नहीं पहुँच पाती कि भाजपा भ्रष्टाचारियों का शरण-स्थल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा से पूछे जाने वाले अनेक सवाल हैं, पर उनका जवाब नहीं दिया जाता। प्रमुख अर्थशास्त्री यह बता रहे हैं कि भारत में आज जैसी आर्थिक असमानता, अमीरों और गरीबों के बीच इतनी अधिक खाई ब्रिटिश राज में भी नहीं थी। विश्व असमानता रिपोर्ट (वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब) ने 'भारत में आमदनी और सम्पत्ति में असमानता 1922-2023 : अरबपति राज का उदय' में पिछले एक दशक में, 2014 के बाद इस असमानता में कहीं अधिक वृद्धि का उल्लेख किया है। दुनिया के प्रमुख देशों में इतनी अधिक आर्थिक असमानता नहीं है। यह रिपोर्ट प्रमुख फ्रांसीसी अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी, हार्वर्ड केनेडी स्कूल के लुकास चैन्सल, न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के नितिन कुमार भारती एवं पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के अनमोल सोमनची ने तैयार की है। भाजपा विगत दस वर्ष की अपनी उपलब्धियां न बता कर कांग्रेस पर हमला कर रही है। भारत में असमानता के जिन चार प्रमुख कारणों-धर्म, जाति, गरीबी और लिंग का उल्लेख किया जाता है, उसे मिटाने में नहीं, बढ़ाने में भाजपा की मुख्य भूमिका रही है। धर्म की राजनीति उसका सबसे बड़ा अस्त्र है। भाजपा को अब मुसलमानों के वोट की कोई चिंता नहीं है। बड़ी संख्या में हिन्दुओं को धार्मिक आधार पर वह एक करने में निपुण है। दस वर्ष पहले बहुसंख्यकवाद नहीं था और न बहुसंख्यकवादी राजनीति थी। 2019 में अंगना पी. चटर्जी, थॉमस ब्लूम हैंसेन और क्रिस्टोफे जैफरलॉ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित पुस्तक 'मैजोरिटेरियन स्टेट : हाउ हिन्दू नेशनलिज्म इज चेंजिंग इंडिया' प्रकाशित हुई। नरेन्द्र मोदी भारत को विपक्ष मुक्त करने के प्रयत्न में हैं, पर उनकी छवि में अंतर आया है। उनकी वर्तमान छवि पूर्व छवि की तरह है, पर वह पहले की तरह चमकीली और प्रभावशाली नहीं है। उनके स्वभाव विचार झूठे वादों से बहुत अंशों में जनता परिचित हो चुकी है। मँहगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जिन समस्याओं से जनता जूझती है, उसकी मोदी चर्चा तक नहीं करते। वे अपने बचे हुए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए तीसरे कार्यकाल की माँग करते हैं। जनता अरविन्द केजरीवाल और हेमंत सोरेन को जेल में देख रही है, कांग्रेस का खाता फ्रीज किया जा चुका है और यूट्यूब पर भी शिकंजा कसा जा रहा है क्योंकि मोदी अपनी आलोचना और सच्ची-खरी बातें नहीं सुन सकते। क्या उनके बचे कार्यों में घोषित रूप से हिन्दू राष्ट्र की स्थापना सभी उपक्रमों को कॉरपोरेट मित्रों को सौंपना नहीं है। अब अंबानी-अडानी के काम से न सही नाम से सब परिचित हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति पराकला प्रभाकरण भारतीय राजनीतिक अर्थशास्त्री और सामाजिक टिप्पणीकार हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने यह कहा है कि : ₹नरेन्द्र मोदी भारत के इतिहास के सबसे खराब और भ्रष्ट प्रधानमंत्री हैं।₹ प्रभाकरण की चिन्ता में भारतीय लोकतन्त्र और गणतंत्र है। पिछले वर्ष (2023) उनकी पुस्तक प्रकाशित हुई है। 'क्रुक्ड टिम्बर ऑफ न्यू इंडिया : एस्सेज ऑन ए रिपब्लिक इन क्राइसिस' ('नये भारत की कुटि इमारत : संकट में गणतंत्र')

सामान्य जनता को अधिक समय तक भरमाया नहीं जा सकता। उसके समक्ष जीवन जीने की मुश्किलें हैं, समस्याएँ हैं। कम शिक्षित होने के बावजूद वह यह समझ चुकी है कि धर्म, कश्मीर और मुसलमान जैसे सवाल उनके जीवन के सवाल नहीं है। उनके जीवन के सवालों पर भाजपा का ध्यान नहीं है। भावनाओं को सदैव भड़काया नहीं जा सकता। 2024 का लोकसभा चुनाव किसी भी अर्थ में पहले के सभी चुनावों की तरह नहीं है। बहुत सारे मुद्दे, जो अब तक सामने नहीं थे संभव है, अब सामने आये। बेरोजगारी, महँगाई के मुद्दे चुनाव में बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं। केन्द्र सरकार में चालीस लाख के लगभग पद खाली हैं। अब हिन्दू-मुसलमान का मुद्दा पहले की तरह शायद ही प्रभावकारी हो। मोदी ने 2014 के चुनाव में जितने वादे किये थे, वे उसे निभा नहीं पाये। इलेक्टोरल बॉन्ड का मुद्दा बड़ा मुद्दा है। सोशल मीडिया के युग में खबरें तेजी से सुदूर क्षेत्रों तक पहुँचती है। जनता याद करती है कि एक समय प्रधानमंत्री ने 'न खाऊँगा, न खाने दूँगा' कहा था, पर भाजपा में लोग खा रहे हैं और जो खा चुके हैं, वे अपनी सुरक्षा के लिए भाजपा में जा रहे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे को पराकला प्रभाकरण ने 'मोदी गेट' कहा है। प्रधानमंत्री इलेक्टोरल बॉन्ड के पक्ष में बोल रहे हैं, उसे 'जस्टीफाई' कर रहे हैं। उनके 'मन की बात' हम सब सुनते हैं, पर यह कहना कठिन है कि मतदाताओं के मन में क्या है। उसके मन की बात 4 जून को ही मालूम होगी।

भारत में 5 ट्रिलियन इकॉनॉमी की बात की जाती है, पर इसके साथ इस पर विचार नहीं किया जाता कि अस्सी-बयासी करोड़ जनता को प्रतिमाह 5 किलो अन्न क्यों दिया जाता है? यह इस बात का प्रमाण है कि भारत में गरीबी और भुखमरी है और गरीबों की संख्या आधी आबादी से कहीं अधिक है। जनता के पास देर-सवेर सारी खबरें पहुँच रही है।

पंजाब किंग्स व राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

राजस्थान रॉयल्स की टीम ने इस सत्र में सबसे अधिक चार जीत हासिल की, वह अंकतालिका में पहले नंबर पर

मोहाली। आईपीएल 2024 सत्र में शनिवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। उसके लिए हालांकि ये बेहद कठिन है क्योंकि राजस्थान रॉयल्स की टीम ने इस सत्र में सबसे अधिक चार जीत हासिल की है और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर है। उसे पिछले मैच में एकमात्र हार मिली थी। तब वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में दो रन से हार गयी थी। ऐसे में इस मैच में राजस्थान की टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। पिछले मैच में गुजरात के राशिद खान ने अंतिम ओवर में राजस्थान के हाथों से जीत छीन ली थी। कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक कुछ विशेष नहीं रहा है। टीम को 5 मैचों में 3 में हार का सामना करना पड़ा है। इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम को लाभ होगा। इसमें पावरप्ले के दौरान तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी। ऐसे में यहां शुरूआत में संभलकर बल्लेबाजी करनी होगी। पंजाब किंग्स के

लिए चिंता की बात ये है कि कप्तान धवन को छोड़कर अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना रहे हैं। उसके शीर्ष क्रम का कोई भी बल्लेबाज अब तक प्रभावी नहीं रहा है। इसके साथ ही मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी खराब रहा है। वहीं राजस्थान के पास कप्तान संजू सैमसन के अलावा कई अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। रॉयल्स को इस मैच में पंजाव के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह से सावधान रहना होगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने काफी प्रभावी गेंदबाजी की थी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं : राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान।

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कैगिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल चोटिल होने के कारण अब सनराइजर्स हैदराबाद के साथ होने वाले अगले मुकाबले में शायद ही खेलें। मैक्सवेल को पिछले मैच में अंगूठे में चोट लग गयी थी। इससे उनके 15 अप्रैल को सनराईजर्स के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहने की संभावनाएं हैं। यह भी कहा गया है कि मैक्सवेल की चोट अधिक गहरी नहीं है।

मैक्सवेल का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों में आ गये हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में भी वह खाता नहीं खोल पाये थे। इससे वह आईपीएल में सबसे अधिक बार 0 पर आउट होने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये थे। इसके बाद भी मैक्सवेल की क्षमताओं को कम नहीं आंका जा सकता है।

ओलंपिक से पहले भारत को झटका

मुक्केबाज मैरीकॉम ने शेफ डी मिशन पद से दिया इस्तीफा, कारण भी बताया

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए कहा है। आईओए ने 21 मार्च को उनकी नियुक्ति का एलान किया था। भारत की दिग्गज मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक से पहले इस बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के दल के प्रमुख (शेफ डी मिशन) के अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 21 मार्च को शेफ डी मिशन नियुक्त किया था। मैरी कॉम ने पद से हटने के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है और कहा कि उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए कहा है। मैरी कॉम ने उषा को लिखे पत्र में कहा- देश की किसी भी रूप में सेवा करना गर्व की बात है और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी, लेकिन मुझे खेद है कि मैं यह जिम्मेदारी नहीं उठा सकूंगी। मैं निजी कारणों से पीछे हट रही हूं। 41 साल की मैरी कॉम ने कहा, 'इस तरह से पीछे हटने से शर्मिंदा हूं क्योंकि मैं ऐसा करती नहीं हूं, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। मैं ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे अपने खिलाड़ियों की हमेशा

हौसलाअफजाई करती रहूंगी।' आईओए ने 21 मार्च को उनकी नियुक्ति का एलान किया था। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेत मैरी कॉम 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों में भारतीय दल की अभियान प्रमुख होतीं।

उषा ने अपने बयान में कहा, हमें दुख है कि ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज और आईओए एथलीट आयोग की प्रमुख मैरी कॉम निजी कारणों से पद से हट गई हैं। हम उनके फैसले और निजता का सम्मान करते हैं। उनके विकल्प के बारे में घोषणा जल्दी ही की जाएगी।' पीटी उषा ने कहा, 'मैं उनके अनुरोध को समझती हूं और उनके फैसले का सम्मान करती हूं। मैंने उनसे कहा है कि आईओए और मेरा सहयोग हमेशा उनके साथ है। मैं सभी से उनकी निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती हूं।

ईशान किशन ने अब रणजी ट्रॉफी विवाद पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई । ईशान ने बीसीसीआई के साथ-साथ चयनकर्ता और हेड कोच राहुल द्रविड़ की सलाह की अनदेखी की और कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ आईपीएल की तैयारी करने का फैसला किया था। अब इस पूरे मामले पर से ईशान ने पर्दा हटाया है। आईपीएल 2024 के 25वें मैच में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सात विकेट से हरा दिया। ईशान ने 34 गेंद में 69 रन बनाकर मुंबई को 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की।

मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए ईशान ने आईपीएल शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले हुए विवादों पर से पर्दा हटाया। दरअसल, ईशान को बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया था। साथ ही बीसीसीआई की चेतावनी के बावजूद वह रणजी ट्रॉफी नहीं खेले थे। ऐसे में भारतीय टीम में उनका भविष्य सवालों के घेरे में था। ईशान

मानसिक थकान के कारण दक्षिण अफ्रीका सीरीज बीच में छोड़कर वापस लौट गए थे। इसके बाद न तो अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज और न ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने ईशान को भारतीय टीम में वापसी के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह दी थी। हालांकि, ईशान ने इसकी अनदेखी की और कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ आईपीएल की तैयारी करने का फैसला किया।

कार्तिक की तूफानी बल्लेबाजी देख रोहित ने कसा तंज, बोले- दिमाग में इसके वर्ल्ड कप चल रहा है..

मुंबई। आईपीएल 2024 में जब शुरू-शुरू में मुंबई इंडियंस के कैंप में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या के बीच कप्तानी को लेकर विवाद हुआ, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि सबकुछ जल्द ही ठीक हो जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली जीत के बाद से मुंबई के कैंप में सबकुछ नॉर्मल होता दिख रहा है। न सिर्फ हार्दिक, बल्कि मुंबई के पूर्व कप्तान भी अब मैदान पर अपने पुराने रंग में लौट चुके हैं। वह सामने वाली टीम के खिलाड़ियों पर तंज कस रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जो रोहित सामान्य रूप से करते हैं। भारत के लिए खेलते हुए रोहित की बातें कई बार स्टंप माइक पर रिकॉर्ड होती हैं। अब गुरुवार को भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में रोहित का दिनेश कार्तिक पर तंज कसना वायरल हो रहा है।

रोहित ने क्या कहा?

रोहित ने कार्तिक पर बीच मैदान तंज कसा। स्लिप में खड़े हिटमैन आरसीबी के इस दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज के करीब गए और उनकी बातें स्टंप माइक पर रिकॉर्ड हो गईं। रोहित ने कहा- वर्ल्ड कप सेलेक्शन के लिए पुश करना है इसको। दिमाग में इसके वर्ल्ड कप चल रहा है वर्ल्ड कप। शाबाश डीके! वर्ल्ड कप चल रहा है, वर्ल्ड कप। इसके बाद रोहित ईशान के साथ हंसते दिखे। इसका वीडियो भी सामने आया है।

कार्तिक ने खेली तूफानी पारी

दरअसल, एक वक्त 17वें ओवर में आरसीबी ने 153 रन बना लिए थे। तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह टीम 196 के स्कोर तक पहुंच पाएगी। हालांकि, इसके बाद 38 साल के दिनेश कार्तिक ने आक्रामक अंदाज अपनाया और 23 गेंद में पांच चौके और चार छक्के की मदद से 53 रन की तूफानी पारी खेली। इसी साल आईपीएल के बाद टी20 विश्व कप 2024 खेला जाना है। हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ-साथ चयनकर्ता पहले ही कह चुके हैं कि टीम चुनने में आईपीएल के प्रदर्शन की मदद ली जाएगी। ऐसे में कोई भी खिलाड़ी कोई कसन नहीं छोड़ना चाहता है। वहीं, कार्तिक ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है। ऐसे में रोहित ने कार्तिक को ट्रोल करने की कोई कसर नहीं छोड़ी।

एलआइसी को अडाणी के शेयरों में निवेश पर हुआ 59 प्रतिशत का लाभ

शौर्य न्यूज इंडिया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अडाणी समूह की कंपनियों में किए गए अपने निवेश मूल्य में 59 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से समूह के शेयरों के प्रभावित होने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, अडाणी समूह की सात कंपनियों में एलआईसी का कुल निवेश 31 मार्च, 2023 को 38,471 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2024 को 61,210 करोड़ रुपये हो गया। इसमें 22,378 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई।

पिछले साल, हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडाणी के शेयरों में हेराफेरी के आरोपों के बाद बीमा कंपनी को भी समूह में निवेश करने के अपने फैसले पर सवालों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अडाणी ने रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया था। राजनीतिक दबाव का सामना करते हुए, एलआईसी ने रणनीतिक रूप से समूह की दो प्रमुख कंपनियों - अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड और अडाणी एंटरप्राइजेज - में अपना निवेश कम कर दिया था। इन दो कंपनियों के शेयरों में क्रमशः 83 प्रतिशत और 68.4 प्रतिशत की तेजी हुई।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, निवेश घटाने के बावजूद

एलआईसी को वित्त वर्ष 2023-24 में अडाणी समूह में किए गए निवेश पर 59 प्रतिशत का लाभ हुआ। इस दौरान अडाणी समूह की कंपनियों में कई विदेशी निवेशकों - कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी स्थित आईएचसी, फ्रांसीसी दिग्गज टोटल एनर्जी और अमेरिका स्थित जीक्यूजी इन्वेस्टमेंट ने लगभग 45,000 करोड़ रुपये का निवेश किया।

आंकड़ों के मुताबिक, अडाणी एंटरप्राइज लिमिटेड में एलआईसी का निवेश 31 मार्च, 2023 को 8,495.31 करोड़ रुपये से बढ़कर एक साल बाद 14,305.53 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड में निवेश 12,450.09 करोड़ रुपये से बढ़कर 22,776.89 करोड़ रुपये हो गया। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में एलआईसी का निवेश एक साल में दोगुना से अधिक होकर 3,937.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

भारत की चुनौती समाप्त तैयारियों को झटका

निंगबो (चीन)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय के यहां अपने प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर होने से एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटने की कोशिश में जुटी सिंधू ने एक घंटे और नौ मिनट तक कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन अंत में छठी वरीयता प्राप्त चीन की हान युए से 18-21, 21-13 17-21, से हार गईं। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को चीनी ताइपे के गैर वरीय लिन चुन यि से महज 43 मिनट में 18-21, 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारतीयों के एक अन्य नतीजे में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की युगल जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की तीसरी वरीय जोड़ी से 17-21, 12-21 से पराजित हो गईं। निर्णायक गेम में युए 17-10 से आगे हो गईं। सिंधू ने हालांकि कुछ अंक जुटाकर अंतर 20-17 किया।

काजोल ने शेयर की अपनी तस्वीर

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। लेकिन जो बात इसे तस्वीर को और भी दिलचस्प बनाती है वह कैप्शन है जहां अभिनेत्री ने उल्लेख किया है कि वह उस पल को याद नहीं कर सकती जब ये तस्वीर ली गई थी। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक मोनोक्रोमैटिक तस्वीर साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि मुझे याद नहीं आ रहा कि यह तस्वीर कहां और कब क्लिक की गई थी.. यह पता लगाने में मेरी मदद कौन कर सकता है? तस्वीर में, अभिनेत्री को कैमरे से दूर देखते हुए छोटे बाल और बड़े झुमके पहने देखा जा सकता है। हाल ही में, उनके पति अजय देवगन 55 साल के हो गए और अभिनेत्री ने अपने पति को बधाई देने का सबसे मजेदार तरीका अपनाया। वह एक्स के पास गई और अभिनेता की एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने लिखा, चूंकि मैं जानती हूं कि आप अपने जन्मदिन को लेकर इतने उत्साहित हैं कि आप बच्चों की तरह ऊपर-नीचे उछल रहे हैं, ताली बजा रहे हैं और केक के बारे में सोचते ही गोल-गोल घूम रहे हैं... मैं आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देकर दिन की शुरूआत करती हूं। काजोल और अजय ने गुंडाराज, राजू चाचा, इश्क और प्यार तो होना ही था जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया है। 1994 में फिल्म गुंडाराज के दौरान दोनों ने डेटिंग शुरू की। दोनों ने 1999 में शादी कर ली। काजोल के पास दो पत्ती के अलावा कुछ परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, जिनमें विशाल फुरिया निर्देशित मां और पृथ्वीराज सुकुमारन और राजेश शर्मा के साथ सरजमीन नामक फिल्म शामिल है।

विनेश का कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप, WFI ने दिया जवाब

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाया है। विनेश का कहना है कि डब्ल्यूएफआई और उनके सहयोगी स्टाफ मान्यता पत्र जारी नहीं करके उन्हें हर हालत में ओलंपिक खेलने से रोकना चाहता है, जबकि महासंघ का दावा है कि समय सीमा खत्म होने के बाद विनेश ने आवेदन किया था। विनेश ने अपने खिलाफ डोपिंग की साजिश रचे जाने की भी आशंका जताई। 29 वर्ष की विनेश ने 2019 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में 53 किलो में कांस्य और 2018 एशियाई खेलों में 50 किलो में स्वर्ण पदक जीता था। वह अगले सप्ताह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाले एशियाई क्वालीफाइंग टूनार्मेंट के जरिए 50 किलो में ओलंपिक कोटा हासिल करना चाहती हैं। पटियाला में चयन ट्रायल में उन्होंने 53 किलोवर्ग में भी भाग लिया था, लेकिन सेमीफाइनल में हार गई थीं।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने कहा कि कोच और फिजियो को मान्यता पत्र जारी करने के लिए विनेश का ईमेल 18 मार्च को मिला, लेकिन तब तक युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को खिलाड़ियों, कोचों और मेडिकल स्टाफ की सूची भेजी जा चुकी थी। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 11 मार्च थी। एक अधिकारी ने कहा कि महासंघ ने 15 मार्च को प्रविष्टियां भेजी क्योंकि यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने उसके अनुरोध पर कुछ दिन की रियायत दी थी। यह रियायत इसलिए मांगी गई थी क्योंकि समय सीमा खत्म होने के आखिरी दिन ही ट्रायल पूरे हुए थे। विनेश ने एक्स पर लंबी पोस्ट में लिखा- बृजभूषण और उनेके द्वारा बिठाया गया डमी संजय सिंह हर तरीके से प्रयास कर रहे हैं कि कैसे मुझे ओलंपिक में खेलने से रोका जा सके। जो टीम के साथ कोच लगाए गए हैं, वे सभी बृजभूषण और उनकी टीम के चहेते हैं तो इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि वो मेरे मैच के दौरान मेरे पानी में कुछ मिला कर पिला दें।

विराट ऑरेंज कैप बुमराह पर्पल कैप की

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2024 सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं और ऑरेंज कैप पर उनका कब्जा बना हुआ है। विराट कोहली ने अब तक पांच मैचों में 141.78 के स्ट्राइक रेट से 319 रन बनाये हैं। वहीं युवा बल्लेबाज रियान पराग पांच मैच में 158.18 के स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा शुभमन गिल छह मैचों में 151.79 के स्ट्राइके रेट से 255 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। उनके अलावा फाफ डुप्लेसी, ईशान किशन और रोहित शर्मा जैसे बल्लेबाजों ने आईपीएल 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अपनी जगह बनाई है। दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अब तक पांच मैचों में सबसे अधिक दस विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम की है। इसी के साथ ही राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं।

तीन राउंड फायरिंग, बालकनी के नेट को चीरते हुए घर के अंदर घुसी गोली

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा है। इस फुटेज में, दो अज्ञात लोग मोटरसाइकिल पर सवार होकर आये और अभिनेता के घर के बाहर गोलीबारी की और फिर वहां से फरार हो गए।

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर रविवार सुबह दो लोगों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा है। इस फुटेज में, दो अज्ञात लोग मोटरसाइकिल पर सवार होकर आये और अभिनेता के घर के बाहर गोलीबारी की और फिर वहां से फरार हो गए। गोलीबारी की इस घटना के बाद मुंबई पुलिस ने सलमान खान के घर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। फॉरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञों की एक टीम भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में मौजूद है और घटना की जांच कर रही है। अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर फायरिंग पर मुंबई के डीसीपी राज तिलक रौशन ने कहा कि आज सुबह करीब 5 बजे अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर दो अज्ञात लोगों ने फायरिंग कर दी। पुलिस को 3 राउंड फायरिंग की जानकारी मिली है। केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। गोलीबारी की घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर फायरिंग पर मुंबई के डीसीपी राज तिलक रौशन ने कहा कि आज सुबह करीब 5 बजे अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर दो अज्ञात लोगों ने फायरिंग की। केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के लिए बता दें, सलमान खान अपने घर की जिस बालकनी पर आकर फैंस से रूबरू होते हैं, वहीं पर बदमाशों ने गोलीबारी की घटना को अंदाज दिया है। बदमाशों द्वारा फायर की गयी दो-तीन गोलियां दीवार पर जाकर लगी। एक बालकनी के नेट को चीरते हुए अभिनेता के घर में जाकर घुस गयी। पिछले वर्ष मार्च में अभिनेता के दफ्तर को एक ई-मेल भेजकर खान को धमकी दी गई थी। पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़ और एक अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी समेत अन्य धाराओं में एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

सपा ने फूलपुर लोकसभा सीट से घोषित किया प्रत्याशी

प्रयागराज। फूलपुर संसदीय सीट से समाजवादी पार्टी ने रविवार को उम्मीदवार की घोषणा कर दी। पार्टी ने यहां से अमरनाथ मौर्या को प्रत्याशी घोषित किया है। अमरनाथ मौर्या पार्टी में प्रदेश सचिव भी हैं।

प्रीतम नगर के रहने वाले अमरनाथ मौर्या लंबे समय तक बहुजन समाज पार्टी में रह चुके हैं। वर्ष 2002 में शहर पश्चिम से बसपा के टिकट पर विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा वह बसपा में कई पदों पर भी रह चुके हैं।

भारतीय जनता पार्टी में भी वह काफी समय तक रहे हैं। वर्ष 2022 में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ उन्होंने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में शहर पश्चिम से सपा ने उन्हें टिकट भी दिया था, लेकिन नामांकन के

गरमाई सियासत

अखिलेश यादव ने सभी अटकलों पर लगाया विराम

अंतिम दिन समाजवादी पार्टी ने रिचा सिंह को टिकट दे दिया, जिस कारण अमरनाथ मौर्या चुनावी दंगल से बाहर हो गए थे। हालांकि, शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें आश्वासन दिया था कि लोकसभा चुनाव में उनके नाम पर विचार किया जाएगा। फूलपुर संसदीय सीट से अमरनाथ मौर्या ने दावेदारी पेश की थी, जिस पर रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनके नाम की घोषणा कर दी।

सलमान, प्रियंका से लेकर सोनाक्षी तक बॉलीवुड सेलेब्स ने दी ईद की बधाई

मुम्बई। ईद-उल-फितर का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षमा और मेल-मिलाप है। यह गिले-शिकवे दूर करने और साफ-सुथरी स्लेट के साथ नई शुरूआत करने का समय है। परिवार और दोस्त एक-दूसरे की गलतियों को माफ करने और अपने रिश्तों को मजबूत करने के लिए एक साथ आते हैं। क्षमा का यह कार्य लोगों को करीब लाता है और प्रेम और सद्भाव फैलाता है।

जैसे-जैसे दिन खत्म होता जाता है, लोग अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों से मिलने जाकर प्यार फैलाते रहते हैं। वे उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, भोजन साझा करते हैं और साथ मिलकर नई यादें बनाते हैं। ईद-उल-फितर की भावना दूर-दूर तक फैलती रहती है, जो विभिन्न समुदायों और पृष्ठभूमि के लोगों को एकजुट करती है। अब हर कोई इस खास दिन पर प्यार और खुशियां फैलाने में

शामिल हो गया। सलमान खान, प्रियंका चोपड़ा, सोनाक्षी सिन्हा, शाहिद कपूर और अन्य बॉलीवुड हस्तियों ने अपने अनुयायियों को प्यार, शांति और समृद्धि से भरी ईद की शुभकामनाएं देते हुए हार्दिक संदेश, खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। उनके दयालु शब्दों और हार्दिक शुभकामनाओं से विभिन्न पृष्ठभूमि और संस्कृतियों के लोगों के बीच एकता और एकजुटता की भावना आई। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ईद 2024 से जुड़ा एक खूबसूरत पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने लिखा, घर वापस आकर शीर खुरमा और बिरयानी की याद आ रही है।

सलमान खान ने अपने प्रशंसकों को ईद की शुभकामनाएं दीं और फिल्म सिकंदर के शीर्षक की घोषणा की। ईद-उल-फितर 2024 पर अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं देने के लिए सोनाक्षी सिन्हा ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। हुमा कुरैशी ने भी ईद 2024 पर अपने प्रशंसकों के लिए अपनी खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। सोहा अली खान ने भी अपने फैंस को ईद 2024 की शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस अधिकारियों को सपा विधायक ने बताया जनरल डायर का वंशज

बोले- इस रामनवमी के बाद देंगे गिरफ्तारी, समर्थकों के साथ किया आह्वान

कानपुर। समाजवादी पार्टी विधायक अमिताभ बाजपेई ने डीसीपी विजय ढुल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्हें जनता के बीच काम करने में अक्षम करार देते हुए चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है।

साथ ही कहा कि वर्दी में सरकार को खुश कर बाद में चुनाव लड़कर मंत्री व सांसद बनने की परंपरा से जाति और धर्म देखकर लोगों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा अष्टमी पूजा के बाद रामनवमी या जिस दिन भी पुलिस तय करेगी अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचकर गिरफ्तारी दूंगा।

सपा विधायक ने रविवार को एक वीडियो बयान जारी कर पुलिस को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी गलती छिपाने

के लिए कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा समेत उन पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अपनी गलती छुपाने में लगी है। ऐसे पुलिस अधिकारियों का काम देखकर जनरल डायर की याद आती है। यह कहीं न कहीं जनरल डायर के वंशज हैं जो गांधीवादी तरीके से थाने की जमीन पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने को सरकारी काम में बाधा मान मुकदमा कर रहे हैं।

आपको बतादें कि सम्राट विकास और डीसीपी विजय ढुल के साथ विवाद का वीडियो सार्वजनिक किया जाए जिससे गलती किसकी है सभी को पता चले। इसी अधिकारी ने रविवार को बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर निकाली जा रही शोभायात्रा को भी रोका और जानबूझकर विवाद खड़ा किया। अभी नवरात्र व्रत चल रहे हैं और अष्टमी के दिन मेरा व्रत पूरा होगा। नवमी के दिन या जिस दिन भी पुलिस अधिकारी कहेंगे मैं और आलोक मिश्रा समेत सभी कार्यकर्ता थाने पहुंचकर अपनी गिरफ्तारी दे देंगे।

पिता को मुखाग्नि देने से पहले बेटे की मौत

बिल्हौर। अरौल के कोठीघाट में पिता का अंतिम संस्कार करने के दौरान गंगा नहाने गया बेटा गहराई में जाने से डूब गया। बचाने के दौरान भाई व एक अन्य युवक भी डूबने लगा। जिसे किनारे खड़े लोगों ने किसी तरह बचा लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर बुलाकर डूबे युवक की खोजबीन शुरू कराई। ककवन के विषधन क्षेत्र के मुनौवरपुर गांव निवासी किसान 65 वर्षीय सतीश सिंह की बीमारी से मौत हो गई थी। सोमवार सुबह स्वजन व ग्रामीण शव को अंतिम संस्कार के लिए अरौल के कोठी घाट लाए। अंतिम संस्कार से पहले बाल मुंड़वाने के लिए मृतक का 30 वर्षीय बेटा विनय सिंह नहाने के लिए गंगा जी में गया।

शार्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग, युवक की मौत

रामपुर कारखाना, देवरिया। हिरिंदापुर के मझरठिया टोले में गुरुवार की रात करीब 11 बजे बड़ा हादसा हो गया। शार्ट सर्किट से झोपड़ी में आग लग गई। आग बुझाने के दौरान झुलसने से युवक की मृत्यु हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने नुकसान का ब्योरा बनाकर तहसीलदार को सौंप दिया। मझरठिया टोले के रहने वाले 35 वर्षीय रंजीत प्रजापति गुरुवार की रात घर में सोए थे। तभी बगल में स्थित उनकी रिहायशी झोपड़ी में अचानक शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। झोपड़ी में बंधी बकरियों व बछिया को बचाने व आग बुझाने के लिए रंजीत झोपड़ी में घुस गए। इसी दौरान झोपड़ी अचानक उनके ऊपर गिर गई और वह दब गए। आग की लपटों से घिरने के चलते झुलस गए। लोगों ने मशक्कत के बाद बाहर निकाला और महर्षि देवरहा मेडिकल कालेज पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

आंबेडकर जंयती पर तेज आवाज के साथ निकाल रहे थे जुलूस

पुलिस ने रोका तो भड़के लोग, जमकर काटा हंगामा, शर्तें लागू

कल्याणपुर। मसवानपुर में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जयंती के मौके पर निकल रहे जुलूस और शोभायात्रा को पुलिस ने आचार संहिता का हवाला देते हुए अनुमति से अधिक गाड़ियां और साउंड सिस्टम होने के कारण रोक दिया। इसके बाद भड़के जुलूस में शामिल लोगों ने हंगामा किया और मौके पर बैठकर धरना देने लगे।

सूचना पर एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडे व डीसीपी पश्चिम विजय ढुल पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को समझाया। अंत में निर्धारित तीन गाड़ियां और प्रत्येक गाड़ी पर दो साउंड सिस्टम की बात पर लोग मान गए। बाद में समाजवादी पार्टी के नेता सम्राट विकास भी मौके पर पहुंचे। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मसवानपुर में भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा कई

वर्षों से आंबेडकर जयंती के मौके पर जुलूस निकाला जाता है।

विवार को भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर सुबह 10:00 बजे जैसे ही जुलूस में शामिल 15 से 20 गाड़ियां और लोग आगे बढ़े, पुलिस ने आचार संहिता उल्लंघन का हवाला देते हुए जुलूस में अनुमति से अधिक गाड़ियां और साउंड सिस्टम होने की बात कह कर जुलूस रुकवा दिया। जिस पर लोग भड़क गए और हंगामा करते हुए धरना देने लगे।

सूचना मिलते ही कल्याणपुर एसीपी अभिषेक पांडे और डीपी पश्चिम विजय ढुल मौके पर पहुंचे और धरना दे रहे लोगों को समझाकर धरना खत्म कराया। जुलूस में निर्धारित तीन गाड़ियां और प्रत्येक गाड़ी पर दो साउंड सिस्टम से ज्यादा लगाकर ना चलने की सहमति पर पुलिस ने जुलूस निकालने की अनुमति दी। संगठन महासचिव मुकेश कनौजिया ने बताया कि प्रत्येक वर्ष इसकी परमिशन लेते हैं और 15 से 20 गाड़ियों का जुलूस निकलता है। इस बार जुलूस को प्रशासन ने रोक दिया। वही डीसीपी विजय ढुल ने बताया कि जुलूस में निर्धारित नियम से अतिरिक्त गाड़ियां और ध्वनि तीव्रता होने पर लोगों को समझाया गया था। लोगों ने बात को समझा और जुलूस नियम के मुताबिक निकालने पर सहमत हुए।

मातृ भूमि सेवा ट्रस्ट सिर्फ आंख ही नहीं नजरिए का भी करता है ईलाज: रामबोला

मोहम्मद तसलीम

शहाबगंज, चंदौली। स्थानीय विकासखण्ड के सेमरा बगीचे हर शनिवार की भाती इस शनिवार भी मातृभूमि सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 351 मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया। कार्यक्रम की शुरूआत महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के तैल चित्र पर माल्यार्पण के बाद प्रार्थना सभा के बाद शुरू हुई।

इस महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यक्रम के दौरान, निःशुल्क नेत्र शिविर का उल्लेख किया गया।आर.के नेत्रालय द्वारा नेत्र शिविर में अपना संदेश रखते हुए, मातृभूमि सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष ने बताया कि ये शिविर सिर्फ एक नेत्र शिविर नहीं है, बल्कि एक नजरिए के लिए आन्दोलन है। आगे उन्होंने कहा कि मातृभूमि सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आर.के नेत्रालय द्वारा निराश्रितों के लिए निःशुल्क नेत्र शिविर में मोतियाबिंद का कोई चीरा टांका लगाकर ऑपरेशन नहीं होता है।

ये आपरेशन अद्यतन फेको विधि द्वारा होता है और फोल्डेबल लेंस प्रत्यारोपित होता है,इसलिए गर्मी के दिनों में आंख के ऑपरेशन से कोई फर्क नहीं पड़ता बल्कि अच्छा होता है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से शपथ ली कि वे इस महत्वपूर्ण संदेश को लोगों

तक पहुंचाएंगे। वही कार्यक्रम में अपना विचार व्यक्त करते हुए पंडित रामबोला तिवारी ने कहा कि यहां नेत्र के साथ साथ नजरिए का भी ईलाज होता है। मैं धन्यवाद देता हूं मातृ भूमि सेवा ट्रस्ट का जो मुझे जोड़कर मेरे नजरिए को ही बदल दिया, सोचने-समझने की क्षमता को ही बदल डाला।

शिविर का संचालन जाने माने कवि राजेश विश्वकर्मा 'राजू' ने और आभार रीता पाण्डेय ने किया।शिविर में अनेक प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति थी, जिनमें एड. पंकज सिंह, कन्हैया लाल गुप्ता, कपिल देव सिंह, राजेश सिंह, चन्द्रमा चौहान, आदित्य, अमरदेव पाल, रिंकू यादव, लकी, सुमंत कुमार मौर्य, डा. मनोज पाण्डेय, डा. अजय, विरेन्द्र भूषण तिवारी, नरेन्द्र भूषण तिवारी, रमाकांत विश्वकर्मा, चन्द्रशेखर शाहनी, अजय सिंह, राधेश्याम यादव, बिनोद मास्टर, चन्दन यादव, प्रकाश यादव, आयुष, मिट्ठू, संतोष साउण्ड, पवन, विशेश्वर राम आदि रहे।

आगरा पहुंची अभिनेत्री अदा शर्मा, फैंस खुश

आगरा। मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा ने हाल ही में आगरा और मथुरा स्थित वाइल्डलाइफ एसओएस के केंद्रों में अपना तीन दिवसीय दौरा संपन्न किया। अपनी इस विजिट के दौरान, अदा को मथुरा में मौजूद हाथी संरक्षण और देखभाल केंद्र, हाथी अस्पताल परिसर और आगरा भालू संरक्षण केंद्र में होने वाली गतिविधियों को करीब से जानने का अवसर मिला। हाथी संरक्षण और देखभाल केंद्र में अदा ने बचाव सुविधा में बचाए गए हाथियों के इतिहास के बारे में जाना। एक समय दुर्व्यवहार और क्रूरता का शिकार रहे इन हाथियों को वाइल्ड लाइफ एसओएस के अथक प्रयासों की बदौलत जीवन जीने का दूसरा मौका मिला। संस्था के हाथी देखभाल विशेषज्ञों और पशु चिकित्सकों की टीम के साथ जानकारीपूर्ण सत्रों में शामिल होकर, अदा ने भारत में एशियाई हाथियों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सड़क हादसे में ननद-भाभी की दर्दनाक मौत

आरती यादव

शमसाबाद (आगरा)। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। पति के साथ आ रहीं पत्नी, बहन की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पति को कोई चोट नहीं आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया।

घटना सुबह करीब 11 बजे की हैं। अरबाज अपनी पत्नी मरजीना, बहन गुड़िया रविवार को दिल्ली संगम विहार से सुबह 5 बजे बाइक से अपने गांव पछा थाना क्षेत्र निबोहरा जा रहे थे। शमसाबाद के राजाखेड़ा मार्ग स्थित गढ़ी थाना के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। तीनों लहू-लुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। घटनास्थल पर पत्नी और बहन की मृत्यु हो गई। सूचना पर थाना प्रभारी विरेश पाल गिरि पुलिस फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। एसीपी अमर दीप लाल भी पहुंच गए। पुलिस ने ट्रके को पकड़ लिया। चालक मौके से फरार हो गया।

पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या लाश के पास बैठा रहा पति

आगरा। सदर की सरस्वती विहार कालोनी में शक में पति ने नर्स पत्नी की शुक्रवार आधी रात को चाकू से गोदकर हत्या कर दी। कई घंटे शव के साथ बैठा रहा। शनिवार सुबह करीब सात बजे थाने पहुंचकर पति ने हत्या की जानकारी दी तो पुलिसकर्मी उसे घटनास्थल पर लेकर पहुंचे। शव को अपने कब्जे में कर लिया।

पति-पत्नी के बीच शुक्रवार को भी विवाद हुआ था। दोनों अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। बाद में सुलह करके घर आ गए, रात में दोबारा दोनों के बीच विवाद हो गया। सरस्वती विहार कालोनी की रहने वाली 32 वर्षीय मंजू गोला की शादी 12 वर्ष पहले गोविंद गोला के साथ हुई थी। मंजू पेशे से नर्स थी, जबकि गोविंद फोटोग्राफर है।दंपती के तीन बच्चे हैं। मंजू के नर्स होने के चलते स्टाफ और परिचितों के लगातार फोन आते थे। इससे पति उस पर शक करने लगा, जिसे लेकर आए दिन झगड़ा होने लगा। दोनों के स्वजन कई बार उनके बीच में सुलह करा चुके थे। शुक्रवार को पति-पत्नी के बीच जमकर झगड़ा हुआ, दोनों में हाथापाई हो गई। दोनों एक दूसरे के विरुद्ध शिकायत लेकर सदर थाने पहुंच गए। वहां कुछ घंटे बाद उनमें सुलह हो गई थी। गोविंद ने पुलिस को बताया कि रात में पत्नी ने दोबारा झगड़ा शुरू कर दिया। रात करीब तीन बजे उसने गुस्से में पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार शुरू कर दिए। घटना के समय बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। पत्नी की हत्या करने के बाद वह कमरे में रहा। सुबह होते ही उसने थाने आकर समर्पण कर दिया। एसीपी पीयूष कांत राय ने बताया कि हत्यारोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है।

अस्पताल जा रही दो युवतियों पर बाइक सवारों ने फेंका तेजाब

देवरिया। जिले के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के देवगांव के समीप साइकिल से अस्पताल जा रही दो युवतियों के ऊपर बाइक सवारों ने तेजाब फेंक दिया। जिससे दोनों झुलस गई। उपचार के लिए गौरीबाजार स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। पुलिस इस मामले में दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

गौरीबाजार थाना के एक गांव की रहने वाली युवती गौरीबाजार उपनगर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में कार्य करती है। वह गांव की अपनी सहेली के साथ साइकिल से अस्पताल कार्य करने के जिए जा रही थी। अभी वह गांव के समीप गौरीबाजार-हाटा मार्ग पर मोड़ के समीप पहुंची थी कि बाइक सवार युवक आए और बाटल निकाल दोनों के ऊपर तेजाब फेंक दिया। जिससे दोनों झुलस गई।

युवतियों के शोर करने पर आसपास के लोग सक्रिय हुए और पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। युवतियों के ऊपर तेजाब फेंकने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। मौके पर पुलिस पहुंची और जिस अस्पताल में युवती कार्य करती है, दोनों को उपचार के लिए उसी अस्पताल में पहुंचाया। एसपी संकल्प शर्मा, सीओ रुद्रपुर अंशुमन श्रीवास्तव भी पहुंचे। एसपी ने बताया कि टीमें लगी है। जल्द ही घटना का पदार्फाश कर दिया जाएगा।

महिला को बचाने के दौरान पेड़ से टकरा गई कार

हादसाः दंपती समेत बेटी की मौत, शादी समारोह में शामिल होने घर आ रहा था परिवार

भटनी (देवरिया)। शादी समारोह में हिस्सा लेने आ रहे दंपती, बेटी समेत चार लोगों की सूरत के तापी जिले के सोनगढ़ तालुका के हीरावाड़ी में हुए सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की मृत्यु की सूचना के बाद परिवार में मातम छा गया। मरने वाले एक अन्य युवक गोरखपुर जनपद के पिपराइच का रहने वाला है।

भटनी के देवघाट के रहने वाले रवि भूषण मिश्र गुजरात के वापी में प्लास्टिक बनाने की कंपनी चलाते थे। उनकी भतीजी अनामिका मिश्रा की 18 अप्रैल को तिलक व 20 अप्रैल को बरात आनी थी। इसलिए वह शादी समारोह में हिस्सा लेने के लिए पत्नी संगीता मिश्रा, दो वर्षीय इकलौती बेटी सांगवी के साथ कार से गांव आ रहे थे।

कार में उनकी कंपनी में कार्य करने वाले पतरू निवासी पिपराइच गोरखपुर व वाराणसी निवासी मारुति भी सवार थे। बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम सूरत के तापी जिले के सोनगढ़ तालुका के हीरावाड़ी के समीप अचानक एक महिला सामने आ गई। जिसको बचाने के दौरान कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे रवि भूषण, उनकी पत्नी व बेटी तथा पतरू

की मृत्यु हो गई, जबकि मारुति की हालत गंभीर बनी हुई है।

रविभूषण चार भाईयों में दूसरे नंबर पर थे। बड़े भाई शशिभूषण, वेद भूषण व चंद्रभूषण मिश्र हैं। भतीजी अनामिका की शादी धूमधाम से करने का उनका सपना था। इसलिए वह तिलक के छह दिन पहले ही घर आने वाले थे, ताकि बेटी की शादी वह धूमधाम से कर सके। एक झटके में पत्नी व बेटी के साथ उन्होंने ने भी इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। घर पर रिश्तेदार अधिकांश आ गए थे। हर शाम को मंगलगीत परिवार में हो रहा था।

अचानक हुए सड़क हादसे की सूचना जब घर पहुंची तो परिवार में चीत्कार मच गया। अनामिका दहाड़ मारकर रोने लगी। यही हाल भाइयों का भी था। परिवार के लोगों को रोता देख सांत्वना देने पहुंचे भाजपा नेता डॉ. संजीव शुक्ला, हितेंद्र तिवारी की भी आंखें भर आई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला जज के आदेश के खिलाफ सरकार की अपील की खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तीन वर्ष की देरी से दाखिल राज्य सरकार की अपील पर मध्यस्थता अवार्ड में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता अदालत ने सरकार को कई मौके दिए, लेकिन उसने अपनी तरफ से जवाब दाखिल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट के स्थापित नियमों के तहत आदेश पारित कर दिया।

आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में आने में सरकार ने बहुत देरी कर दी। न्यायमूर्ति शेखर बी. सर्राफ ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए यह आदेश दिया है।

मीरजापुर के जिला जज ने मेसर्स सिनकेयर कंस्ट्रक्शन के वाद पर सुनवाई करते हुए 24 फरवरी 2021 को एकतरफा आदेश पारित कर दिया था। सरकार ने जिला जज के आदेश को चुनौती दी थी। कहा

गया था कि आदेश एकतरफा है। उसे रद किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जिला जज ने आदेश में स्पष्ट लिखा है कि उसने याची यानी राज्य सरकार/विभाग को कई मौके दिए, लेकिन उसने कोई जवाब दाखिल नहीं किया और न ही केस की सुनवाई के दौरान उपस्थित हुआ। आपको बता दें कि जिला जज के आदेश को 30 दिनों के भीतर चुनौती देनी चाहिए थी लेकिन तीन वर्ष बाद आदेश के खिलाफ चुनौती दी गई है, इसलिए याचिका पोषणीय नहीं है।

बसपाई किले भी पर फहरेगा भाजपाई झंडा

फर्रुखाबाद। अभी तक शहर में कोई भी चुनाव हो, त्रिकोणीय मुकाबला होता था, लेकिन अब तस्वीर बदल जाएगी। क्योंकि भाजपा के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले एक बड़े बसपाई किले पर भाजपा का झंडा फहराने लगा है। शहर में बसपा के बड़े झंडाबरदार पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल और उनकी पालिकाध्यक्ष पत्नी वत्सला अग्रवाल के भाजपा में शामिल हो जाने से नगर पालिका पर भगवा फहराने का ख्वाब भी भाजपाइयों का पूरा हो जाएगा। आम चुनावों में भी शहर के अंदर भाजपा को मजबूती मिलेगी। सोमवार सुबह बसपा के पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल और उनकी पालिकाध्यक्ष पत्नी वत्सला अग्रवाल ने लखनऊ में भाजपा कार्यालय में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसकी खबर आते यहां उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुके मनोज अग्रवाल ने विगत विधानसभा चुनाव में भाजपा को मूकसमर्थन दिया था। तब से उनके भाजपा में शामिल होने की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी, लेकिन नगर पालिका चुनाव में भाजपा जिलाध्यक्ष की मां को चुनाव हरा देने के कारण उनका विरोध भाजपा का एक धड़ा कर रहा था।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से पुराने संबंध और एक ताकतवर केंद्रीय नेता की नजदीकी के चलते उन्हें भाजपा में इंट्री मिल गई। निकाय चुनाव में बसपा प्रत्याशी वत्सला अग्रवाल ने भाजपा प्रत्याशी व जिलाध्यक्ष रूपेश गुप्ता की मां सुषमा गुप्ता को तीसरे नंबर पर धकेल दिया था। इसी के बाद पार्टी का एक गुट मनोज की भाजपा में इंट्री को लेकर विरोध कर रहा था। मनोज अग्रवाल ने 2019 में बसपा की टिकट पर सपा के समर्थन से लोकसभा चुनाव लड़ा था और दूसरे नंबर पर रहे थे। मनोज अग्रवाल पालिकाध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनकी पत्नी तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। एक केंद्रीय नेता की हरी झंडी मिलने के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिला दी। उनके भाजपा में शामिल होने से एक खेमे में खामोशी छाई है तो एमएलसी प्रांशुदत्त द्विवेदी खेमा इसे पार्टी को मजबूत करने का कदम बता रहा है। इस मामले में बसपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह अंबेडकर ने कहा कि उनकी पार्टी में लोग लाभ लेने के लिए आते हैं। अब उन्हें कोई लाभ नहीं दिख रहा होगा तो वह पार्टी छोड़ गए। पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल ने बताया कि वह पिछले 20 वर्ष से सामूहिक विवाह, मां रसोई सहित कई जनसेवा के कार्य कर रहे हैं।

मुख्तार अंसारी का इलाज करने वाले डाक्टरों से की गई पूछताछ

बांदा। माफिया मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में मौत मामले में गुरुवार को जिला अस्पताल के दो चिकित्सकों के बयान दर्ज किए गए। दोनों मुख्तार का पहले इलाज कर चुके हैं और उनसे उसकी बीमारियों के बारे में जानकारी ली गई। मामले की न्यायिक और मजिस्ट्रियल जांच चल रही है और इसमें जेल से संबंधित सात लोगों के बयान दर्ज किए जाने हैं। जांच टीम ने जेल में लगे कैमरों का एक माह का डाटा भी मांगा है।

जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. हृदेश सिंह व जनरल सर्जन अदित श्रीवास्तव से गुरुवार को पूछताछ के बाद उनके बयान दर्ज किए गए। जेल अधीक्षक वीरेश कुमार शर्मा ने बताया कि दोनों चिकित्सकों को नोटिस दी गई थी। उनसे क्या पूछताछ की गई इस पर उन्होंने कुछ भी बताने से इन्कार कर दिया। जेल के सिपाहियों, फार्मासिस्ट, स्वीपर, डिप्टी जेलर व जेल वार्डर से पूछताछ बाकी है।

तीन दशक से बसपा-सपा व भाजपा के बीच चल रहा चुनावी घमासान

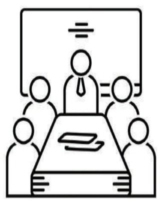

अंबेडकरनगर। सत्ता के महासंग्राम में शिखर पर पहुंचने के लिए जनता को साधने में राजनीतिक दलों की जोर आजमाइश तेजी से चल रही है। बीते तीन दशकों से जनता की धुरी बसपा-सपा और भाजपा के बीच ही घूम रही है। बसपा का दुर्ग माना जाने वाला अंबेडकरनगर वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद सपा का किले के तब्दील हो गया है, लेकिन लोकसभा सीट पर बसपा खुद को अभेद रखने की जुगत में जुटी है। वहीं भाजपा और सपा लोकसभा सीट पर दूसरी जीत तलाशने में जुटी है।

आजादी के बाद वर्ष 1951 में फैजाबाद पूर्व के नाम से बने लोकसभा क्षेत्र में शुरूआती दो जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस को वर्ष 1962 में अकबरपुर सुरक्षित सीट बनने के बाद जनाधार मिला था। वर्ष 1967 में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने कांग्रेस की लगातार जीत के क्रम को तोड़ा था। वर्ष 1971 के चुनाव में कांग्रेस ने यहां रामजी राम के रूप में दोबारा वापसी की, लेकिन वर्ष 1977 और 1980 में जनता पार्टी व जनता पार्टी (सेक्युलर) की तरफ जनता का रुझान चला गया। वर्ष 1984 में कांग्रेस को यहां अंतिम

बार जीत मिली थी। राम प्यारे सुमन कांग्रेस से यहां आखिरी सांसद चुने गए थे।

इसके बाद हुए दो चुनाव वर्ष 1989 व 1991 में जनता दल से राम अवध सांसद चुने गए। 90 का दशक शुरू होने के बाद यहां का राजनीतिक समीकरण बदल गया। वर्ष 1995 में प्रदेश की तत्कालीन बसपा सरकार ने अंबेडकरनगर जिले का गठन कर जनता को अपनी ओर मोड़ लिया। यहां से बसपा का दौर शुरू हुआ जो वर्ष 1996 से 2004 तक लगातार चलता रहा। इस बीच भाजपा और सपा यहां प्रतिद्वंद्वी के रूप में ही दिखी। वर्ष 2004 में बसपा की मायावती यहां से सांसद चुनी गई थी, इससे पूर्व भी दो बार जनता ने उन्हें सांसद बनाया था, लेकिन उन्होंने अपना कार्यकाल किसी भी बार पूरा नहीं किया। इसी का खामियाजा वर्ष 2004 में हुए उपचुनाव में बसपा को झेलना पड़ा था। वर्ष 2004 के आम चुनाव में उपविजेता रहे सपा प्रत्याशी शंखलाल माझी ने उपचुनाव में जीत दर्ज कर पहली बार सीट पार्टी की झोली में दिया था। हालांकि, उसके बाद वर्ष 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में पुनः बसपा ने वापसी की। बसपा के राकेश पांडेय ने 22 हजार से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी शंखलाल माझी को चुनाव हराया था। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विनय कटियार दो लाख 26 हजार मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वर्ष 2014 में मोदी लहर के बीच संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में जनता का रुख बदल गया। पहली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत मिली थी।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरिओम पांडेय ने 4,32,104 मत प्राप्त किए थे। बसपा के राकेश पांडेय 2,92,675 दूसरे और सपा के राममूर्ति वर्मा 2,34,467 मतों के साथ तीसरे स्थान पर थे। वर्ष 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा। बसपा के पूर्व सांसद राकेश पांडेय ने अपने पुत्र रितेश पांडेय को गठबंधन से प्रत्याशी बनाया।

काले बादल से मौसम हुआ कूल-कूल

दिल्ली सहित 15 से ज्यादा राज्यों में बारिश का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। दो दिनों से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत आधे भारत में मौसम सुहाना हो रखा है। लोगों को झुलसाती गर्मी से राहत मिली है। रविवार को भी पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, सोमवार को भी आसमान में बादल और दिल्ली सहित कई राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली को लेकर आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि दिल्ली, एनसीआर के कई स्थानों और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके चलते मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली के लोगों को गर्मी से राहत मिली है। जहां अप्रैल महीने की शुरूआत से ही झुलसाती गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा था तो वहीं अब पिछले दो दिनों से लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली है। दिल्ली के लोगों के लिए राहत की बात यह है कि अभी उन्हें चिलचिलाती गर्मियों का कुछ दिनों तक सामना नहीं करना पड़ेगा। इस पूरे सप्ताह बीच-बीच में बादलों की आवाजाही, तेज हवा और हल्की वर्षा का क्रम बना रहेगा।

बिहार में भी लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पटना समेत आसपास का मौसम शुष्क बना रहेगा। उत्तर बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, सुपौल, अररिया, भभुआ, औरंगाबाद, रोहतास, गया व नवादा में मेघ गर्जन के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मौसम में अभी विशेष बदलाव के आसार नहीं है। 20 अप्रैल तक मौसम सामान्य बना रहेगा। पटना सहित दक्षिणी भागों के अधिसंख्य भागों में दोपहर बाद बादलों की आवाजाही बनी रहेगी।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में दिल्ली सहित इन 15 से ज्यादा राज्यों में बारिश होने की संभावना है। जिसमें पश्चिमी हिमालय पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी के साथ कुछ स्थानों पर भारी बर्फबारी हो सकती है। वहीं, राजस्थान, हरियाणा के कुछ हिस्सों, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ धूल भरी आंधी और छिटपुट ओलावृष्टि हो सकती है। आइएमडी ने बिहार के अलावा इन राज्यों को लेकर भी बारिश की संभावना जताई है। मराठवाड़ा, विदर्भ, ओडिशा, झारखंड और जेनेटिक पश्चिम बंगाल में गरज के साथ कुछ मध्यम बारिश और अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि हो सकती है। इसके अलावा, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में गरज के साथ कुछ मध्यम बारिश के साथ हल्की बारिश संभव है।

भीड़ प्रबंधन पर अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को सौंपी रिपोर्ट

तिरुपति। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भीड़ प्रबंधन पर अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को रिपोर्ट सौंप दी है।

टीटीडी के अनुसार, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एवी. धर्मा रेड्डी और राम मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई थी। इस दौरान भीड़ प्रबंधन, जल की व्यवस्था करने, प्रवेश और निकास के तरीकों पर तकनीकी सलाह के साथ विस्तृत रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंपी गई। 13 अप्रैल को हुई बैठक में टीटीडी के तकनीकी सलाहकार रामचंद्र रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया, जबकि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय और अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि पहले भी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर टीटीडी अधिकारियों के दल ने तिरुमला की तरह ही श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के दर्शन कराने के लिए ट्रस्ट की जरूरतों का आकलन करने के वास्ते 16 और 17 फरवरी को भी अयोध्या का दौरा किया था।

वायदा पूरा करती है भाजपाः नड्डा

पंद्रह लाख से अधिक सुझावों का सार है भाजपा का संकल्प पत्र

नई दिल्ली। भाजपा का संकल्पपत्र 15 लाख से अधिक सुझावों का सार है। संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष राजनाथ सिंह के अनुसार विभिन्न माध्यमों से आए इन सुझावों का गहन विश्लेषण करने के बाद उन्हें 24 संकल्पों में समाहित किया गया। इसमें खासतौर पर यह ध्यान में रखा गया कि कोई भी संकल्प पूरा करने के लायक है या नहीं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के अनुसार भाजपा का संकल्प मोदी की गारंटी है, जो गारंटी पूरा होने की गारंटी है। राजनाथ सिंह के अनुसार संकल्प पत्र के लिए सुझाव रथ के माध्यम से सीधे जनता द्वारा भी जुटाए गए। इसके साथ ही कई संस्थाओं और व्यक्तियों ने भी भाजपा को सुझाव ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से भेजे।

उन्होंने बताया कि चार लाख सुझाव नमो एप के माध्यम से आए और 10 लाख सुझाव वीडियो के माध्यम से भी भेजे गए। उन्होंने कहा कि इन सुझावों पर विचार करते समय यह देखा गया है कि इसे लागू करने में वित्तीय बोझ कितना होगा और उसे पूरा करना संभव है या नहीं। इसके साथ ही यह भी देखा गया कि सुझाव केंद्र, राज्य और समवर्ती सूची में से किसमें आता है। राज्य सूची के विषय को संकल्प पत्र में शामिल करना सही नहीं होगा।

इसके साथ ही संकल्प पत्र में शामिल करने के पहले उसका मित्र देशों पर पड़ने वाले असर पर भी विचार किया गया। जेपी नड्डा के अनुसार मोदी सरकार ने 10 सालों में यह साबित कर दिया कि भाजपा जो वायदा करती है, उसे पूरा भी करती है। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 के वायदे को पूरा करने में सरकार सफल रही है और 2024 के वायदे के पूरा करने की गारंटी भी मोदी ने ली है।

चुनाव के दौरान चार्टर्ड विमानों हेलिकॉप्टरों की बढ़ी मांग

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनेताओं और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों का देश भर में दौरा जारी है। इस बीच चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों की मांगों में उछाल आया है। यह 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। चार्टर्ड सेवा प्रदाताओं ने प्रति घंटे दरें भी बढ़ा दी हैं। एक चार्टर्ड विमान के लिए 4.5-5.25 लाख रुपये और हेलीकॉप्टर के लिए 1.5-3.5 लाख रुपये लिए जा रहे हैं।

पिछले चुनावी वर्षों की तुलना में मांग अधिक है। मांग के हिसाब से निजी विमान और हेलीकाप्टर कम संख्या में उपलब्ध हैं। रोटरी विंग सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) कैप्टन उदय गेली ने बताया कि हेलीकाप्टरों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में 25 प्रतिशत तक अधिक है। राजनीतिक दल आम तौर पर हेलीकॉप्टर का उपयोग करते हैं। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में हेलीकॉप्टरों का उपयोग अधिक देखा जा रहा है। वहीं, बिजनेस एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के प्रबंध निदेशक कैप्टन आर के बाली ने कहा कि चुनाव के समय, एक इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के लिए दर 1.5 लाख रुपये तक और दोहरे इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के लिए 3.5 लाख रुपये तक होती है। एक इंजन वाले हेलीकॉप्टर में पायलट सहित सात, जबकि दो इंजन वाले में 12 लोगों के बैठने की क्षमता होती है।

भाजपा के घोषणापत्र पर विपक्ष ने किया तंज

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, बोले- किसानों, युवाओं से मांगे माफी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए रविवार को जारी भाजपा के घोषणापत्र को बयानबाजी से भरा जुमला पत्र करार दिया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नौकरियां देने, किसानों की आय दोगुनी करने और मंहगाई से निपटने के वादे को पूरा नहीं करने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि वह अब 2047 के बारे में बात करके मुद्दा ही बदल दे रहे हैं।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा के घोषणापत्र और पीएम मोदी के भाषण से महंगाई और बेरोजगारी गायब है। लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक करना नहीं चाहती। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आइएनडीआइए की योजना बिल्कुल स्पष्ट है-30 लाख पदों पर भर्ती और हर शिक्षित युवा को एक लाख की पक्की नौकरी।

युवा इस बार मोदी के झांसे में नहीं आने वाले। अब वे कांग्रेस का हाथ मजबूत कर देश में रोजगार क्रांति लाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी की गारंटी 'जुमलों की वारंटी' है, क्योंकि वह पूर्व में किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया-पुरानी गारंटियों के लिए कोई जवाबदेही नहीं, कोरी बयानबाजी! खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान कोई ऐसा बड़ा काम नहीं किया, जिससे देश की जनता को फायदा हो। युवा नौकरी मांग रहे हैं।

महंगाई के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं, लेकिन भाजपा के घोषणापत्र में इस पर कोई बात नहीं की गई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि 2014 के अपने घोषणापत्र में मोदी ने एक विशेष कार्यबल बनाकर काला धन वापस लाने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय आए चुनावी बांड।

भाजपा ने पूर्वोत्तर में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने का भी वादा किया था। लेकिन, आज मणिपुर में हिंसा जारी है और प्रधानमंत्री मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। राम मंदिर मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने कहा कि राम आस्था का मुद्दा हैं, राजनीति का नहीं। हम भाजपा को उन्हें राजनीति में घसीटने की इजाजत नहीं देंगे।

खेड़ा ने कहा कि हमें भाजपा के 'संकल्प पत्र' नाम पर कड़ी आपत्ति है। इसके बदले इसे माफीनामा कहा जाना चाहिए। मोदी को दलितों, किसानों, युवाओं और आदिवासियों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र सिर्फ एक दिखावा है। उनका असली घोषणापत्र है- संविधान बदलो पत्र। गली-गली, राज्य दर राज्य भाजपा के नेता और प्रत्याशी संविधान बदलो पत्र लेकर घूम रहे हैं और भाषणों में बाबा साहेब के संविधान को बदलने की बात कर रहे हैं।

शाह ने संकल्प पत्र को बताया विकास की मोदी की गारंटी

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा के संकल्प पत्र को सभी आयुवर्ग और समुदाय के चहुंमुखी विकास की मोदी की गारंटी बताया है। शाह के अनुसार पिछले 10 सालों में मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों व वंचितों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने का काम किया है।

संकल्प पत्र में देश को अंतरिक्ष से लेकर सहकार व शिक्षा से लेकर उद्यम-व्यापार में सर्वोच्च बनाने और सांस्कृतिक धरोहरों के संवर्धन और संरक्षण करते हुए देशवासियों की आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा कर उनके भविष्य को मजबूत आधार देने की गारंटी भी है।

एक्स पर किये पोस्ट में शाह ने कहा कि अन्न योजना, आयुष्मान योजना, स्वनिधि व पीएम मानधन से देश के करोड़ों गरीब लाभान्वित हुए। इसके साथ किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, खाद-बीज के दामों में कमी व फसल मूल्य में वृद्धि के कार्यों से देश के किसान भी सशक्त हुए। मोदी 3.0 में देश के गरीब, किसान, महिला, युवा व बुजुर्गों के सशक्तीकरण के प्रयासों को और अधिक गति मिलेगी।

उनके अनुसार मोदी सरकार ने वादापूर्ति का ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में गरीबों, किसानों व नारी शक्ति के सशक्तीकरण, सोशल, फिजिकल व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, ऊर्जा के क्षेत्र में स्वावलंबन व हर वर्ग, हर समुदाय, हर क्षेत्र की समृद्धि से मजबूत भारत के निर्माण के विजन को जनता-जनार्दन के सामने रखा है।

बाबू सिंह को टिकट, धनंजय को झटका

लखनऊ। रविवार को सपा के घोषित सात प्रत्याशियों में पांच अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं, जबकि एक-एक उम्मीदवार ब्राह्मण और अनुसूचित जाति के हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग में एक-एक टिकट मौर्य, निषाद और कुशवाहा बिरादरी को दिया गया है। एक महिला को भी टिकट दिया गया है।

डुमरियागंज से प्रत्याशित घोषित भीष्म शंकर तिवारी पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के पुत्र हैं। वह दो बार संत कबीरनगर से बसपा के टिकट पर सांसद चुने गए थे। दिसंबर 2021 में वह सपा में शामिल हुए थे। सपा की ओर से जौनपुर का टिकट बाबू सिंह कुशवाहा को दिए जाने से पूर्व सांसद धनंजय सिंह को झटका लगा है। धनंजय तो जेल में हैं, लेकिन सपा की ओर से जौनपुर सीट पर उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा थी। सपा ने बदायूं से शिवपाल सिंह यादव को मैदान में उतारा था। शिवपाल ने बदायूं में प्रचार भी शुरू कर दिया था। हालांकि, वह भी बेटे को चुनाव लड़ाना चाहते थे।

बदायूं की स्थानीय सपा इकाई ने शिवपाल की बजाय उनके पुत्र आदित्य यादव को वहां से चुनाव लड़ाने का अनुरोध पार्टी नेतृत्व से किया था। इसे मानते हुए शिवपाल की जगह आदित्य को प्रत्याशी घोषित किया गया है। वहीं सुलतानपुर में भीम निषाद का टिकट काटकर कौड़ीराम (अब गोरखपुर ग्रामीण) विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने गए राम भुआल निषाद को प्रत्याशी घोषित किया है, वह बसपा सरकार में मत्स्य राज्य मंत्री थे। राम भुआल निषाद 2014 व 2019 का लोकसभा चुनाव गोरखपुर सीट से लड़ चुके हैं।

बाबू सिंह कुशवाहा मायावती सरकार में परिवार कल्याण और खनन जैसे विभागों के मंत्री थे। एनआरएचएम घोटाले में घिरने पर बाबू सिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती से बगावत कर दी थी। इस पर उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया गया था। बसपा से निकाले जाने पर उन्होंने नवंबर 2011 में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी, लेकिन इस पर वितंडा खड़ा होने पर उन्होंने भाजपा नेतृत्व को अपनी सदस्यता निलंबित करने का अनुरोध किया था। कुशवाहा ने जन अधिकार पार्टी का गठन किया था। उनके जेल में रहने पर उनकी पत्नी सुकन्या कुशवाहा जुलाई 2013 में सपा में शामिल हुई थीं। सुकन्या ने सपा के टिकट पर 2014 में गाजीपुर सीट से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन भाजपा के मनोज सिन्हा से हार गई थीं।

बेंगलुरु कैफे विस्फोट कांड का एक और आरोपी आया था कोलकाता

कोलकाता। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट कांड का आरोपित एक और आतंकी मुजम्मिल शरीफ कोलकाता आया था। वह इस मामले में गिरफ्तार आतंकियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन अहमद ताहा को यहां रहने के लिए आवश्यक रुपये देकर कर्नाटक लौट गया था। इसके बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ में ही मुसव्विर हुसैन और अब्दुल मथीन के बारे में पता चला था। एनआईए सूत्रों के मुताबिक दोनों आतंकी कोलकाता से बांग्लादेश भागने की फिराक में थे। पता चला कि दोनों आईएस के अल हिंद मॉड्यूल के सदस्य हैं। बता दें कि एनआईए ने शुक्रवार को बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट के मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपितों को बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के न्यू दीघा स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया है। बेंगलुरु में ब्रुकफील्ड के आईटीपीएल रोड पर स्थित कैफे में एक मार्च को विस्फोट हुआ था।

पीएम मोदी की गारंटी, देश में खोलेंगे और भी नए आईआईटी, आईआईएम और एम्स

सरकार ने 315 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के संकल्प को दोहराया

नई दिल्ली। भाजपा का घोषणा पत्र मोदी सरकार के विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति करने वाला संकल्प पत्र है। जिसमें युवाओं को पढ़ाने, लिखाने और निखारने का न सिर्फ संकल्प जताया बल्कि उनके विकास का रोडमैप भी खींचा गया है। पीएम मोदी की गांरटी वाले इस पत्र में देश में और भी नए आईआईटी,आईआईएम और एम्स खोलने की गारंटी दी गई है। साथ ही सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने का वादे के साथ ही देश में उच्च शिक्षण संस्थानों को विस्तार देने और विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय बनाने की मुहिम को भी जारी रखने की भी घोषणा है।

युवाओं के हुनर को निखारने के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करने भी वादा किया है। युवाओं के भविष्य को संवारने और उन्हें अच्छी शिक्षा मुहैया कराने की दिशा में मोदी सरकार ने पिछले दस सालों में भी काफी काम किया। पीएम मोदी ने रविवार को पार्टी का घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर इसका जिक्र भी किया। जिसमें बताया कि पिछले दस सालों में देश में उनकी सरकार ने सात आईआईटी, 16 ट्रिपल आईटी, सात आईआईएम, 15 एम्स, 315 मेडिकल कॉलेज और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं।

भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और पीएम-श्री, एकलव्य व दूसरे स्कूलों को भी विश्वस्तरीय बनाने के संकल्प को दोहराते हुए शिक्षा सुधार की मुहिम को जारी रखने का वादा दिया है। वन नेशन वन स्टूडेंट आइडी की मुहिम को स्कूलों के साथ उच्च शिक्षा के लिए भी अनिवार्य करने का भी संकल्प किया गया है। शतप्रतिशत छात्रों को अपार (ऑटोमेटड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) से जोड़ा जाएगा। जहां छात्र की पढ़ाई की पूरा ब्यौरा मौजूद रहेगा। अब उसे खोने या नष्ट होने का डर नहीं रहेगा।

बिजनौर में तीन दिन तक लगेगा में सियासी दिग्गजों का जमावड़ा

बिजनौर। जिले में अगले तीन दिन तक भाजपा, सपा और बसपा के दिग्गजों का जमावड़ा रहेगा। सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी नुमाइश ग्राउंड में जनसभा करेंगे।

वहीं, मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नहटौर में और बसपा सुप्रीमो मायावती नुमाइश ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करेंगी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 17 अप्रैल को स्योहारा में आएंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और रालोद के अध्यक्ष जयंत चौधरी की जनसभा को लेकर एसपी नीरज ने नुमाइश ग्राउंड में तैयारियों का जायजा लिया। 16 अप्रैल को इसी मैदान में बसपा सुप्रीमो मायावती भी जनसभा करेंगी।

वहीं नगीना लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ओम कुमार के समर्थन में 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नहटौर में जनसभा को संबोधित करेंगे। सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कैराना व सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र व जयंत चौधरी चन्देना कोली गांव में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

16 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी सहारनपुर नगर में रोड शो करेंगे। वहीं 15 अप्रैल को नायब सैनी खतौली में भाजपा प्रत्याशी डॉ. संजीव बालियान तथा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बघरा में सपा प्रत्याशी हरेंद्र मलिक के पक्ष में जनसभा को संबोधित करेंगे।

संदिग्धों का होगा पॉलीग्राफी टेस्ट

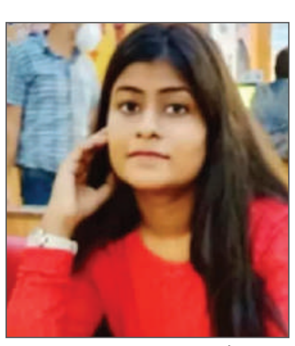

मोदीनगर। मेडिकल छात्रा लक्ष्मी गुप्ता की हत्या का पदार्फाश नौ महीने बाद भी मोदीनगर पुलिस नहीं सकी है। इस समय अंतराल में दो कोतवाल व एसीपी बदल चुके हैं। जांच के लिए अलग-अलग एसीपी को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन कोई भी साक्ष्य नहीं जुटा पाए।

अब मोदीनगर एसीपी इसमें जुटे हैं। पुलिस की जांच में फिलहाल छह प्राइम सस्पेक्ट हैं, लेकिन इनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। इन पर बार-बार बयान बदलने का भी आरोप है। छह आरोपितों का नार्को टेस्ट होना है। कोर्ट से पुलिस को नार्को की अनुमति मिल चुकी है, लेकिन इससे पहले अब सभी का पॉलीग्राफी टेस्ट भी होगा। इसको लेकर पुलिस की तरफ से तैयारी पूरी हैं।

बस तारीख मिलने का इंतजार है। जानकार बताते हैं कि आरोपितों से सच उगलवाने के लिए पॉलीग्राफी व नार्को टेस्ट कराया जाता है। इसमें पहले पॉलीग्राफी व बाद में नार्को किया जाता है। अब तक घटना में पुलिस पूरी तरह उलझी हुई है। तमाम लोगों से पूछताछ के बाद भी कोई साक्ष्य पुलिस के हाथ नहीं लगा है। पुलिस को उम्मीद है कि पॉलीग्राफी से साक्ष्य मिल सकते हैं।

पॉलीग्राफी टेस्ट को लाई डिटेक्टर मशीन यानी झूठ पकड़ने वाली मशीन से किया जाता है। इसमें व्यक्ति के शरीर पर तमाम स्ट्रीप लगाई जाती है। इस टेस्ट के अंतर्गत सच जानने के लिए इंसान की फिजिकल और मेंटल एक्टिविटी को नापा जाता है। टेस्ट के दौरान कुछ सवाल किए जाते हैं। इन सवालों के जवाब देते वक्त मशीन इंसान की सभी तरह की एक्टिविटी का चार्ट तैयार करती है।यह मशीन अपराधियों से जरूरी जानकारी और सच उगलवाने के लिए बनाई गई है। इसमें हार्टबीट, श्वसन दर, होठ हिलाने जैसी तमाम चीजों को नोट किया जाता है।

उन्नाव के छपरा मऊ की लक्ष्मी गुप्ता मोदीनगर के दिव्य ज्योति शिक्षण संस्थान में बीएएमएस तीसरे वर्ष की छात्रा थी। वे निवाड़ी रोड पर सूर्या एनक्लेव कालोनी में मनोज शर्मा के घर पर किराये के कमरे में रहती थी। 15 जून 2023 को लक्ष्मी का शव कमरे में चौखट से लटका मिला। साथ में एक नोट भी मिला। पुलिस इसे आत्महत्या मान रही थी। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई तो हत्या का मामला दर्ज किया गया। फिलहाल पुलिस के प्राइम सस्पेक्ट में मकान मालिक, उनका बेटा, एक किरायेदार व लक्ष्मी के तीन दोस्त हैं।

राहुल गांधी के वादे पर अमित शाह ने ली चुटकी

भंडारा। राहुल गांधी के गरीबी हटाने के वादे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुटकी लेते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बाद प्रधानमंत्री बने राजीव गांधी की सरकार ने भी गरीबी हटाने की घोषणा की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। सकोली कस्बे में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेता अमित शाह ने रविवार को कहा कि जब तक भाजपा राजनीति में है वह रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र से कभी आरक्षण नहीं हटाएगी और ना ही किसी और को ऐसा करने देगी। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने गरीबी के खात्मे का एक कार्यक्रम चलाने की घोषणा की है। वह पढ़ते नहीं हैं, इसलिए मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि उनकी दादी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी गरीबी हटाने का वादा किया था। उनके बेटे राजीव गांधी और फिर सोनिया गांधी ने भी सत्ता में आने पर यही वादा किया और चले भी गए। आखिर हम कैसे राहुल के वादे पर भरोसा करें?

अब दंगों का जिक्र कर जाट-मुस्लिम और दलित एकजुटता का मायावती ने खेला दांव

मुजफ्फरनगर। बसपा ने एक बार फिर राजनीतिक ट्रैक पर सोशल इंजीनियरिंग की ट्रेन दौड़ाई। मुजफ्फरनगर की जनसभा से खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने टिकटों के बंटवारे में अपनाए इसी फामूर्ले को समझाया। मायावती का जोर जाट-मुस्लिम और दलित वोटरों को इकट्ठा करने पर रहा, क्योंकि वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव और 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने ऐसा ही कर पार्टी को मजबूत किया था। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर से मुस्लिम ही प्रत्याशी उतारना चाहते थे, लेकिन वर्तमान परिवेश में उन्हें बहुत डराया हुआ है। रविवार को जीआइसी के खेल मैदान पर जनसभा में वैसे तो बसपा सुप्रीमो मायावती के निशाने पर कांग्रेस, भाजपा और सपा रही, लेकिन शुरूआत से लेकर भाषण के अंत तक जाट और मुस्लिम मतदाताओं पर डोरे डालती नजर आईं। यह भी कहा कि जब बसपा का जनाधार बढ़ाने का प्रयास हुआ, तो अफवाह फैलाई गई कि बसपा उच्च वर्ग और जाटों के खिलाफ है, जबकि प्रदेश में चार बार बसपा की सरकार में किसानों के हित में अनेक कार्य किए। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के घोषणा पत्र के प्रलोभन में मत आना। बसपा घोषणा पत्र जारी नहीं करती, बल्कि कार्य करने में विश्वास रखती है। बसपा सरकार में किसानों को सर्वाधिक गन्ना मूल्य मिला है। आरक्षण का जिक्र करते हुए कहा दलित और आदिवासियों का कोटा पूरा नहीं हुआ है। अनुसूचित वर्ग को पदोन्नति में आरक्षण नहीं मिल रहा तथा निजी क्षेत्र में भी आरक्षण नहीं है। अल्पसंख्यक के हालात बेहद खराब हैं। भाजपा सरकार गरीब परिवारों को फ्री में जो खाद्य सामग्री दे रही है, उससे भला नहीं होगा। बता दें कि वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने मुजफ्फरनगर जिले में कुल नौ सीटों में से कांधला, खतौली, जानसठ और चरथावल सीटें जीती थी, जबकि वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरनगर से कादिर राना और कैराना सीट पर तबस्सुम हसन बसपा के टिकट पर ही सांसद चुने गए थे। भविष्य की रणनीति का खाका खींचते हुए मायावती ने कहा कि सर्वजन हिताय की नीति पर काम करेंगे।

3.55 करोड़ के मामले में साथी सहित सरगना गिरफ्तार

मिली बड़ी सफलता : भारी मात्रा में ए.टी.एम. कार्ड, सिम कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल, चेक बुक, नगदी बरामद

वाराणसी। सिगरा निवासी सम्पा रक्षित को गिरफ्तारी आदि का भय दिखाकर आनालाइन हाउस अरेस्ट कर उनके साथ 3.55 करोड़ की साइबर फ्राड करने वाले सरगना सहित साथी को साइबर पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया।

प्रकरण के गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त कमिश्रेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा आवश्यक निर्देश दिया गया था जिस पर पुलिस उपायुक्त (अपराध) चन्द्रकान्त मीना द्वारा घटना का सफल अनावरण हेतु तीन टीमों का गठन किया गया था। अपर पुलिम उपायुक्त (अपराध) टी. सरवणन व सहायक पुलिस आयुक्त अपराध) गौरव कुमार द्वारा नेतृत्व करते हुए प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम भाना विजय नारायण मिस की अगुवाई में साइबर क्राइम पाना वाराणसी टीम द्वारा तमामी इलेक्ट्रानिक विश्लेषण व सर्विलांस के माध्यम से पूर्व में मो. तीफिक खान (26) पुत्र मो. इलियास खान, सरफराज आलम (30) पुत्र अब्दुल लतीफ, नुरूप्तहुवा (36) पुत्र अब्दुल लतीफ,आरिफ अहमद खान (35) पुत्र एजाज अहमद खान, ओम अश्विन भाई गोयानी (19)पुत्र अश्विन भाई गोवानी, नीरव बटुक चाई गोटी (23) पुत्र बटुक भाई परमोत्तम भाई गोटी, महेन्द्र सिंह सोलंकी (30)पुत्र प्यारे लाल, सुशील यादव (25)पुत्र गिरीश, आकाश गुरा (29) पुत्र सुरेन्द्र, तरूण सेहरावत (30)पुत्र नरेशश सहरावत, सुनील विश्नोई,पवन सिंह पुत्र जितेन्द्र सिंह को गिरफ्तर किया जा चुका है।

मुख्य सरगना है टाइगर : हिमांशु वर्मा उर्फ टाइगर (32)पुत्र दिलीप कुमार वर्मा निवासी मास्टर कालोनी अजमेर रोड थाना केकड़ी अजमेर राजस्थान, अनन्त जैन पुत्र आनन्द जैन निवासी शिव कालोनी छगनपुरा थाना केकड़ी अजमेर राजस्थान, दीपक वासवानी पुत्र किशन चन्द निवासी स्थल मोहल्ला बाना केकड़ी अजमेर राजस्थान सभी हाई एजुकेशनल हैं।

अपराध करने का तरीका : अभियुतो ने बताया कि उनके द्वारा जानकारी किया जाता था कि कौन प्रतिक्षित व्यक्ति है अथवा कौन व्यक्ति सेवानिवृत्त हुआ है अथवा किसके पास अच्छे पैसे होंगे, उनके संबन्ध में सोशल मीडिया के माध्यम से पूरी जानकामी कर लेते थे, और वीडियो कालिंग विभिन्न एप के माध्यम से फर्जी डिजिटल हस्ताक्षरित कूटरचित वारंट आदि भेजकर गिरफ्तारी का भय दिखाते और उनकों दिमागी रूप से कमजोर कर रुपयों को मंगा लेते थे।

ये वस्तुएं हुई बरामद : मल्टीमीडिया एण्ड्राइड आईओएस की पेड मोबाइल फोन 18(कीमत करीब 08 लाख रुपए), फर्म कंपनी का मुहर पांच, चार आधार कार्ड,चार पैन कार्ड, विभिन्न बैंकों के 32 ए.टी.एम. कार्ड व 25 बैंकों के पास बुक, चार क्यूआर कोड, 14 सिम कार्ड, दो लैपटॉप।

11 दिन बाद भी पकड़ा गया सिर्फ एक आरोपी

वाराणसी। तमाम खुफिया सूत्रों व मुखबिरों से लैस वाराणसी जंक्शन के आरपीएफ को न्यू वंदे भारत पर पथराव करने वाले युवकों को11 दिन बाद पकड़ने में सफलता हासिल हुई है। पथराव करने वालों में दो अभी भी आरपीएफ के गिरफ्त से दूर हैं। गत 31 मार्च की रात 11.57 बजे न्यू वंदे भारत एक्सप्रेस वाशिंग लाईन जाने के लिए फुलवरिया गेट नंबर चार से गुजर रही थी। इस दौरान पटरियों के किनारे मौजूद तीन युवकों ने चेयरकार श्रेणी की बोगियों पर पथराव कर दिया। अगले दिन कैंट स्टेशन स्थित आरपीएफ पोस्ट में अज्ञात लोगों के खिलाफ रेलवे एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य श्रोतों से युवकों की पहचान क्षेत्र के ही मानसनगर कॉलोनी निवासी तीन युवकों के रूप में हुई। 11 वें दिन आरपीएफ ने प्रताप उर्फ जिमी नामक युवक को गिरफ़्तार कर लिया। 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

अब भीड़ को नियंत्रित करेगी 'समर स्पेशल'

व्यवस्था: गर्मी की छुट्टियों में देहरादून जम्मू और दिल्ली जाने की राह होगी आसान

वाराणसी। गर्मी की छुट्टियों में देहरादून, जम्मू, दिल्ली और दिल्ली जाने की राह आसान होगी। रेलवे प्रशासन ने उत्तर भारत क्षेत्र की ट्रेनों में भीड़ का दबाव कम करने के लिए आधा दर्जन समर स्पेशल चलाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में गाड़ी संख्या - 04060 आनंद विहार टर्मिनल - जयनगर स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक मंगल और शुक्रवार को सुबह 10.30 बजे प्रस्थान करेगी। मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ के रास्ते देर रात 1.40 बजे वाराणसी पहुंचेगी। यहां आंशिक ठहराव लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन होकर अगले दिन शाम 3.15 बजे जयनगर स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या -04059 जयनगर - आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन 27 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक बुधवार व शुक्रवार को शाम पांच बजे चलेगी। अगले दिन सुबह 4.15 बजे वाराणसी होकर रात्रि 7.55 बजे तक आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या -04312 देहरादून - हावड़ा स्पेशल ट्रेन 25 अप्रैल से 27 जून तक प्रत्येक गुरुवार को सुबह 11 बजे चलेगी। हरिद्वार, मुरादाबाद, लखनऊ के बाद दूसरे दिन सुबह 5.10 बजे वाराणसी जंक्शन पर आगमन होगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, गया होकर शाम 3.15 बजे तक हावड़ा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या -04311 हावड़ा - देहरादून स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को शाम छह बजे चलेगी। अगले दिन सुबह सात बजे वाराणसी होकर तीसरी रात 1.30 बजे देहरादून पहुंचेगी। गाड़ी संख्या -04682 जम्मूतवी - कोलकाता स्पेशल ट्रेन 23 अप्रैल से 25 जून तक प्रत्येक मंगलवार को रात्रि 11.20 बजे चलेगी। पठानकोट, जालंधर, सहारनपुर, मुरादाबाद व लखनऊ के रास्ते अगली रात 10.30 बजे वाराणसी आएगी। तीसरे दिन दोपहर एक बजे कोलकाता पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या -04681 कोलकाता - जम्मूतवी स्पेशल ट्रेन 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक गुरुवार को रात्रि 11.45 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 12.40 बजे वाराणसी आगमन होगा। तीसरे दिन दोपहर 12.30 बजे जम्मूतवी पहुंचेगी।

इसके अलावा वाराणसी - दिल्ली स्पेशल का संचालन 28 अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को किया जाएगा। यह ट्रेन कैंट स्टेशन से शाम 6.20 बजे चलकर अगले दिन सुबह 8.50 बजे दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी। 23 अप्रैल से दो जुलाई तक वाराणसी से श्री माता वैष्णो देवी धाम कटड़ा के बीच विशेष ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को सुबह 5.30 बजे रवाना होगी। अगले दिन पूर्वाह्न 11.25 बजे कटड़ा स्टेशन पहुंचेगी। इसके अलावा वाराणसी से भटिंडा के बीच विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। 27 अप्रैल से 29 जून तक संचालित यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को रात्रि 8.40 बजे कैंट स्टेशन से प्रस्थान करेगी। अगले दिन शाम पांच बजे तक भटिंडा स्टेशन पहुंचेगी।

चोरों के गिरोह पर पुलिस का चाबुक

वाराणसी (श्वेता सिंह)। लालपुर पांडेयपुर व चोलापुर थाना क्षेत्र के रिंग रोड से लगे नई कालोनियों में रेकी कर बंद मकानों से चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को दोनों थाने की संयुक्त टीम ने ऐढ़े से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से चोरी के समान,नगदी तमंचा व वाहन बरामद करने में सफलता हासिल की है। डीसीपी वरुणा जोन श्याम नारायण सिंह, एडीसीपी सरवण टी., एसीपी कैंट विदूष सक्सेना ने पुलिस लाइन स्थित कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान संयुक्त रूप से उक्त जानकारी दी।डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में राजू दास निवासी व्यासपुर साहूपुरी, मुगलसराय चन्दौली, बबलू राजभर निवासी हीरामनपुर थाना सारनाथ, रामसागर उर्फ अभिषेक कुमार हैं। आरोपियों के पास से आभूषण, 23200 नकदी, तमंचा, दो कारतूस, लोहे का सब्बल, घटना में प्रयुक्त दो वाहन बरामद किया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हम लोग पहले मोटरसाईकिल व आटो से गली मोहल्ले में घूम-घूम कर एकान्त व बंद पड़े मकान की खोज करते हैं और उस मकान के मालिक का नाम-पता मालूम करके उनके न रहने पर मौका पाकर वहाँ चोरी कर लेते हैं। चोरी करने के बाद जो सामान मिलता है उसे छुपा कर रख लेते हैं और मौका पाकर सोनार को न देकर बाहर राहगीरों के हाथ अपनी परेशानी बताकर गहने व जेवरात को एक-एक करके बेंच देते हैं। चोरी के दौरान जो नगद रुपया मिलता है उसे बांट लेते हैं तथा चोरी के दौरान गहना व जेवरात एक-एक करके बेचने के बाद जो पैसा मिलता है फिर उसे भी बराबर बांट लेते हैं। पकड़े गए आरोपी गोइठहा में ऋतुराज सिंह, रवि प्रताप सिंह, साईं उदयपुर गांव में अनुपमा सिंह के घर चोरी में संलिप्त थे। आरोपियों पर पहले से तीन से चार मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राज कुमार, उप निरीक्षक राम केवल यादव, ब्रह्म दत्त मिश्रा, अमरजीत कुमार, विजेन्द्र सिंह, विद्या सागर आदि रहे।

वरुणा नदी में युवती का उतराया हुआ शव मिला

अशोक गुप्ता

लोहता। थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव में आज रविवार की शाम को वरुणा नदी में तैरती हुई अज्ञात युवती का शव लोहता पुलिस ने बरामद की।वरुणा नदी के पानी में स्थानीय लोगों के द्वारा अज्ञात युवती का शव तैरता हुआ देखा गया। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना लोहता पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने सूचना पाते ही मौके पर पहुंचकर शव को नदी से बाहर निकलवाते हुए लोगो से पहचान कराने की कोसिस किया, पर पता नही चल सका। सूचना पाकर मौके पर एसीपी रोहनिया संजीव कुमार शर्मा के साथ फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। युवती की उम्र लगभग 25 वर्ष बताया गया है। युवती का शव पूर्ण रूप से सड़ गई थी। मृतका शूट पहनी थी तथा शरीर पानी में फुल जाने से फट गई थी,और दुर्गंध दे रही थी।

धूल से परेशान हो रहे व्यापारी और मजदूर

रामनगर पंचवटी से लंका-कटरिया मार्ग का हाल, प्रशासन से समाधान की उठी मांग

संतोष अग्रहरी

रामनगर (वाराणसी)। पंचवटी से लंका-कटरिया मार्ग के निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। यहां सड़क निर्माण का कार्य कर रहे ठेकेदार द्वारा पिछले कई दिनों से गिट्टी और मिट्टी डालकर छोड़ दिए जाने से आमजन एवं राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, इस मार्ग के बनने में विलंब होने से तथा गिट्टी और मिट्टी डालकर छोड़ देने से इंडस्ट्रियल एरिया में काम करने वाले सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी मजदूर जो इसी रास्ते का उपयोग करते हैं, उनको भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आपको बताते चले कि यह मार्ग इंडस्ट्रियल एरिया फेज वन एवं फेज टू के लिए जाता है। दिनभर गाड़ियों के आवागमन से काफी धूल उड़ रहा है, जिससे धूल लोगों के फेफड़ों में जाकर जमा हो जा रहा है। निर्माण कार्य धीमी गति से होने से यहां के लोग काफी परेशान भी हैं। यहां आस-पास के दुकानदारों की मानें तो उनका बैठना दिन में मुश्किल हो गया है, हर समय धूल उड़ाता रहता है।

रामनगर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएस मिश्रा ने धूल की इस समस्या का प्रशासन से जल्द समाधान करवाने की मांग की। उन्होंने बताया कि यह सड़क काफी समय से खराब थी। प्रशासन को इसके निर्माण के लिए कई बार लिखा गया तब जाकर समस्या के समाधान की स्वीकृति मिली। कहा कि यहां आए दिन छोटी-मोटी दुघटनाएं हो रही हैं। दूसरा यह है कि इस एरिया में आए दिन हजारों मजदूर आते हैं, उन्हें भी कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। कुछ मजदूर कई किलोमीटर घूमकर अपने कर्मस्थली पर पहुंच रहे हैं।

डीएस मिश्रा ने कहा कि इस धूल-धक्कड़ से आसपास के दुकानदारों और व्यापारियों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। इस मार्ग पर पानी का भी छिड़काव होता था लेकिन धूप और गर्मी के मौसम के कारण यह पानी जल्दी से सूख जाता है। स्थिति पहले जैसी हो जाती है। डीएस मिश्रा ने प्रशासन से इस ओर ध्यान देकर समस्या के निस्तारण की मांग की।

कैश या गोल्ड, चुनावी कनेक्शन नहीं तो मिलेगी राहत

आचार संहित लागू होने के बाद कैश या कीमती सामान के आवागमन में आ रही दिक्कत

वाराणसी। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजते ही व्यापारियों और उद्यमियों के लिए हर बार की तरह इस बार भी मुसीबत खड़ी हो गयी है। नकदी की बात हो या फिर गोल्ड या फिर कीमती सामान, साथ लेकर चलने में उनको तमाम तरह की दुश्वारियां झेलनी पड़ रही है। नकदी और कीमती सामान से प्रमाण के रूप में संबंधित दस्तावेज साथ रखना जो अनिवार्य कर दिया गया है। विभिन्न व्यापारिक और उद्यमी संगठनों के पत्र को संज्ञान में लेते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने कुछ राहत प्रदान की है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि कैश हो या फिर गोल्ड या फिर कीमती सामान, यदि इनसे कोई चुनावी कनेक्शन नहीं है तो राहत मिलनी तय है।

दरअसल, आचार संहिता लागू होने के बाद कैश और कीमती सामान को लाने-ले जाने से जुड़ी सीमा और दस्तावेज रखने की पाबंदी ने व्यापार की कमर तोड़ दी है। उद्यमियों और व्यापारियों का कहना है कि सहालग का सीजन सिर पर है, लेकिन विविध बानों के बाजार में सामानों की सार्टेज सी हो गयी है। खासकर, सराफा, कपड़ा, किराना बाजार में सन्नाटे का आलम है। तीन महीने लंबे चुनावी माहौल में इन पाबंदियों से राहत देने के लिए व्यापारी संगठनों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा था। प्रमुख व्यापारिक और उद्यमी संगठनों ने पत्र के माध्यम से चुनाव आयोग को व्यापारिक दुश्वारियों से अवगत कराया तो आयोग ने कहा है कि अगर कैश या कीमती सामान चुनाव से जुड़ा नहीं है, तो उसे सीज नहीं करने का प्रावधान है। ये सीमा 10 लाख रुपये या इससे ज्यादा पर भी लागू है। चुनाव में व्यापारियों की परेशानियों को देखते हुए आयोग ने कई निर्देश दिए हैं।व्यापारिक संगठनों की मानें तो कारोबार में कोई व्यवधान न आए, इसके लिए किसी भी एजेंसी की ओर से सीज किए गए कैश या बहुमूल्य धातु या अन्य कीमती सामान की जांच तीन सदस्यीय जिला ग्रीवांस कमेटी करेगी। इस कमेटी में सीईओ या सीडीओ, चुनाव खर्च की मॉनिटरिंग करने वाली टीम के संयोजक और जिला कोषाधिकारी शामिल होंगे। जिला शिकायत समिति जब्ती के प्रत्येक मामले की स्वतः जांच करेगी। जब्त किया गया धन या अन्य सामान किसी उम्मीदवार या राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं है या फिर किसी भी चुनाव अभियान आदि के लिए उसका इस्तेमाल नहीं होना है, तो तत्काल उसे रिलीज करने का आदेश दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह, स्थानीय संपादक प्रिया दूबे,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)

ओमप्रकाश की मां पंचतत्व में विलीन

वाराणसी (रोशनी)। प्रदेश के पंचायती राजमंत्री व सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की माता जितना देवी (85) का अंतिम संस्कार शुक्रवार को मणिकर्णिकाघाट पर किया गया। वह काफी दिनों से बीमार थीं और लखनऊ में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। मुखाग्नि ओमप्रकाश राजभर के पिता शन्नू राजभर उर्फ पक्के सरदार ने दी। इस दौरान घाट पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे। पिंडरा प्रतिनिधि के अनुसार लखनऊ के एक अस्पताल में निधन के बाद उनका पर्थिव शरीर शुक्रवार को सुबह पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के फत्तेपुर स्थित पैतृक निवास पर लाया गया, जहां दोपहर 12 बजे तक अंतिम दर्शनार्थ रखा गया। ओमप्रकाश राजभर की माता जितना देवी के निधन की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पैतृक गांव से दोपहर 12 बजे शवयात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। मणिकर्णिका घाट पर शव यात्रा पहुंचने पर घाट पर ओमप्रकाश ने अपनी मां के मुंह में गंगा जल डाला और पांव छुकर नमन किया। इसके पश्चात अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान घाट पर सुभासपा के प्रदेश प्रवक्ता आनंद तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पांडेय, मंडल अध्यक्ष रमेश राजभर, जिलाध्यक्ष गणेश चौहान, विस क्षेत्र अध्यक्ष उमेश राजभर समेत दर्जनों नेताओं के अलावा जिपं सदस्य, ग्राम प्रधान व बीडीसी मौजूद रहे। सूबे के सीएम ने सुहेलदेव भासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की माता जितना देवी के निधन पर शोक जताया।

संक्षेप समाचार...

भाजपा की बैठक में बूथ मंथन पर चर्चा

वाराणसी। भाजपा सारनाथ मंडल के शक्ति केंद्र प्राथमिक विद्यालय पिसनहरिया-पहड़िया में हुई बैठक में बूथ मंथन पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि लोकसभा प्रभारी अश्वनी त्यागी ने कहा कि जितना अधिक बूथों को मथेंगे, उतना अधिक ही अमृत निकलेगा। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को इस तपिश में हाड़तोड़ मेहनत करनी होगी तो पीछे नहीं हटना है। कार्यकर्ताओं की बदौलत ही यह पार्टी अब जन-जन के जेहन में समा चुकी है। बैठक में बूथ अध्यक्ष अनिल पटेल, पार्षद संजय जायसवाल, पंकज चौबे, अजीत सिंह, मदन मोहन दूबे, संध्या तिवारी, पूजा सिंह, अभय पांडेय, राजेश यादव, अशोक मौर्य, अरविंद, पिन्टू शुक्ला, हरिइंद्र मौर्य आदि थे।

प्रो. राममोहन पाठक को महामना सम्मान

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान के पूर्व निदेशक, डीन तथा पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राममोहन पाठक को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रेरणा युवा महाकुंभ-2024 में प्रतिष्ठित महामना सम्मान प्रदान किया गया। प्रो. पाठक दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा चेन्नई तथा नेहरू ग्राम भारती डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज के कुलपति और महामना द्वारा स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी रह चुके हैं। नई दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में देश भर के डेढ़ हजार से अधिक युवा प्रतिभागियों की उपस्थिति में महामना विचार केंद्र (भोपाल, वाराणसी) एवं प्रतिष्ठा समाजसेवा कल्याण समिति भोपाल द्वारा आयोजित युवा महाकुंभ की अध्यक्षता प्रो. राममोहन पाठक ने की। राजनीति, विधि, शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त मनीषियों की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम में महामना मदन मोहन मालवीय की शिक्षा सशक्तिकरण नीतियों को क्रियान्वित करने का संकल्प लिया गया। महामना सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाता है, जिसके अंतर्गत स्मृति चिह्न, सम्मान राशि तथा प्रशस्ति सम्मान पत्र दिया जाता है।

मोनिश बने मुलायम यूथ ब्रिगेड जिला उपाध्यक्ष

रामनगर। साहित्यनाका-मच्छरहट्टा निवासी मोनिश अहमद को मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। शुक्रवार को हुई बैठक में जिलाध्यक्ष राहुल सिंह यादव ने मोनिश को मनोनयन पत्र सौंपते हुए उम्मीद जताई कि वे संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय योगदान करेंगे। बैठक में निवर्तमान नगर अध्यक्ष जितेंद्र यादव मलिक, कमल जायसवाल, संजय यादव, हामिद खान, अशरफ राइन, इजमाम, दिलदार खान, विनोद यादव, कमल जायसवाल, अरशद राईन, फिरोज कुरैशी, चुन्ना आदि थे।

एफडीए की छापेमारी से दुकानदारों में हड़कंप

जंसा। सहायक आयुक्त खाद्य संजय प्रताप सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को एफडीए टीम ने राजातालाब तहसील के कपरफोरवा लहिया बाजार में एक किराना स्टोर पर छापा मारा। टीम ने जांच के लिए साबुनदाना और किशमिश का सैंपल भी किया। छापेमारी की जानकारी होते ही अन्य दुकानदार अपनी दुकान बंद कर फरार हो गये। इसके बाद टीम दिनदासपुर गांव में गुड़ बनाने वाली दो इकाइयों पर छापा मारा और गुड़ का सैंपल लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. सुधिया सिंह ने बताया कि सैम्पल जांच के लिए भेजा जाएगा। जो दुकानदार अपनी दुकान बंद कर भाग गए हैं, उनको चिह्नित कर उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी। छापेमारी टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश कुमार सिंह, रजनीश कुमार आदि शामिल रहे।

राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाएं: डीएम

वाराणसी। डीएम एस. राजलिंगम ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण में अपेक्षित तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने मजिस्ट्रेटों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी का एसीआर वादों के निस्तारण पर निर्भर करेगा। उन्होंने पिछले तीन माह के वादों की समीक्षा के दौरान निस्तारण की स्थिति अत्यंत खराब पाये जाने पर सभी का डोज़ियर तैयार कराने का निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि एक माह में सभी मजिस्ट्रेट/अधिकारी शत-प्रतिशत वादों का निस्तारण सुनिश्चित करें। कहा कि विभिन्न धाराओं में पांच साल, तीन साल व एक साल के ऊपर के लम्बित वादों का निस्तारण शून्य हो जाना चाहिए।

बीएचयू में अंतर संकाय क्रिकेट शुरू

वाराणसी। बीएचयू के एम्पीथिएटर मैदान पर शुक्रवार से अंतर संकाय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता शुरू हुई। उद्घाटन मैच कृषि विज्ञान संस्थान एवं वाणिज्य संकाय के बीच खेला गया। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए वाणिज्य संकाय ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 156 रन बनाए। सचिन राज ने 54 रन का योगदान किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कृषि विज्ञान संस्थान की टीम 97 रन पर ही ऑलआउट हो गई। वाणिज्य संकाय ने 59 से जीत कर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. वैभव राय ने बताया कि प्रतियोगिता 19 अप्रैल तक चलेगी। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी धर्मेंद्र मिश्रा थे। इस अवसर पर प्रो. एसबीएस राजू, प्रो. बीसी कापड़ी, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. कृष्ण कांत, डॉ. धीरेंद्र तिवारी, डॉ. प्रदीप खालको, डॉ. खुर्शीद अहमद, डॉ. कविता वर्मा, रॉबिन कुमार सिंह, डॉ. हरिराम यादव, प्रमोद कुमार यादव आदि थे।

चोरों ने घर से उड़ाये लाखों के माल

मिर्जामुराद। क्षेत्र के भोरकला मनकईया गांव में गुरुवार की देर रात चोरों ने छत पर चढ़कर सीढ़ी के रास्ते घर में उतरने के बाद बिल्डिंग मैटेरियल कारोबारी वैभव मिश्रा के मकान में घुसकर कमरे में जाने के बाद आलबरी का लाकर तोड़कर उसमें रखा एक सोने मंगलसूत्र, तीन सोने की अंगूठी, एक सोने का चेन, 25 विक्टोरिया चांदी का सिक्का समेत चार हजार नगदी चुरा ले गए ।पीड़ित वैभव मिश्रा ने बताया कि मां अशोक देवी के कमरे में आलबरी में जेवरात रखा हुआ था मां बाहर सोई थी चोर छत पर आने के बाद मेरे कमरे को बाहर से बंद कर दिये थे।